NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 13 अंक: 116 लखनऊ, शनिवार 09 दिसंबर 2023 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

कांग्रेस एमपी के ठिकानों पर मिला कुबेर का खजाना, पीएम बोले– जनता से लूटे गए पैसे की पाई–पाई लौटानी होगी, यह मोदी की गारंटी है

एजेंसी

नई दिल्ली छापेमारी बुधवार (6 दिसंबर) को शुरू हुई और यह रिपोर्ट लिखे जाने तक जारी थी। आयकर विभाग के सूत्रों के मुताबिक, ओडिशा में बौध डिस्टिलरी प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े परिसरों पर छापेमारी जारी रहेगी, जहां से नकदी बरामद की गई थी। शुक्रवार को, विभाग के अधिकारियों ने बोलांगीर जिले के सुदापाड़ा में छापेमारी के दौरान नकदी से भरे 150 से अधिक बैग बरामद किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ओडिशा और झारखंड में कर छापे के दौरान पार्टी के एक सांसद धीरज प्रसाद साहू ठिकानों से करोड़ों रुपये नकद जब्त होने के बाद कांग्रेस पार्टी

पर हमला बोला। एक्स को संबोधित करते हुए प्रधान मंत्री ने कहा देशवासी इन नोटों के ढेर को देखें और फिर इनके नेताओं के ईमानदारी के श्भाषणोंश को सुनें...। जनता से जो लूटा है, उसकी पाई–पाई लौटानी पड़ेगी, यह मोदी की गारंटी है। राज्यसभा सांसद से जुड़े परिसरों पर छापेमारी के दौरान आयकर विभाग ने 200 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी जब्त की। ये बरामदगी ओडिशा के कई स्थानों से की गई थी। छापेमारी बुधवार (6 दिसंबर) को शुरू हुई और यह रिपोर्ट लिखे जाने तक जारी थी। आयकर विभाग के सूत्रों के मुताबिक, ओडिशा में बौध डिस्टिलरी प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े परिसरों पर छापेमारी जारी रहेगी, जहां से नकदी बरामद की गई थी। शुक्रवार को, विभाग के अधिकारियों ने बोलांगीर जिले के सुदापाड़ा में छापेमारी के दौरान नकदी से भरे 150 से अधिक बैग बरामद किए। पूर्व आईटी कमिश्नर शरत चंद्र दाश ने कहा कि यह ओडिशा में आयकर विभाग द्वारा अब तक की सबसे बड़ी नकदी जब्ती हो सकती है। दाश ने कहा, ष्मैंने राज्य में इतनी बड़ी मात्रा में नकदी की बरामदगी कभी नहीं देखी।लोकसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट के जरिए विपक्षी दलों पर निशाना साधना तेज कर दिया है। मोदी ने पिछले दिनों आलोचकों पर निशाना साधते हुए कहा था

कांग्रेस सांसद के ठिकानों से 200 करोड़ कैश बरामद, बीजेपी बोली– मोहब्बत की दुकान पर भ्रष्टाचार का कारोबार चल रहा है

एजेंसी।

नई दिल्ली बीजेपी हमलावर हो गई है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने आखिर कहां–कहां काली कमाई और नोट छिपा रखे की है? राहुल गांधी और सोनिया गांधी बार–बार नोटबंदी के खिलाफ क्यों बोलते हैं? झारखंड में कांग्रेस सांसद धीरज साहू के यहां से 200 करोड़ रुपये से ज्यादा नकद मिली और गिनती जारी है... बैग और बोरियां कम पड़ गईं... कांग्रेस, करप्शन(भ्रष्टाचार) और कैश, ये तीनों एक साथ चलते हैं। शुक्रवार को ओडिशा और झारखंड में कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद धीरज साहू से जुड़े कई ठिकानों से 200 करोड़ रुपये से अधिक की

नकदी बरामद की गई। आयकर विभाग बुधवार (6 दिसंबर) से पड़ोसी राज्यों में साहू के परिसरों पर छापेमारी कर रहा था। खबर लिखे जाने तक छापेमारी जारी थी। सूत्रों के मुताबिक, ओडिशा में बौध डिस्टिलरी प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े परिसरों पर छापेमारी की गई, जहां से ज्यादातर नकदी बरामद की गई। अन्य स्थानों पर संबलपुर, बोलांगीर, टिटिलागढ़, बौध, सुंदरगढ़, राउरकेला और भुवनेश्वर में छापे मारे गए। वहीं, नोटों की गिनती अभी भी जारी है। इसी को लेकर भाजपा हमलावर हो गई है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने आखिर कहां–कहां काली कमाई और नोट छिपा रखे की है? राहुल गांधी और सोनिया गांधी बार–बार नोटबंदी के खिलाफ क्यों बोलते हैं? झारखंड में कांग्रेस सांसद धीरज साहू के यहां से 200 करोड़ रुपये से ज्यादा नकद मिली और गिनती जारी है... बैग और बोरियां कम पड़ गईं... कांग्रेस, करप्शन(भ्रष्टाचार) और कैश, ये तीनों एक साथ चलते हैं। स्मृति ईरानी ने कहा कि मोहब्बत की दुकान पर भ्रष्टाचार का कारोबार चल रहा है... कांग्रेस के आलाकमान और गांधी खानदान को देश को ये बताना होगा कि उनके जिस सांसद के 10 ठिकानों से जो 200 करोड़ रुपये बरामद हुए, ये कांग्रेस नेता गांधी खानदान में किसका ।ज्ड था? अब तक कांग्रेस पार्टी ने चुप्पी साध रखी है..

विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत वार्ड 49 में कार्यक्रम आयोजित किया गया

झांसी! विकसित भारत संकल्प यात्रा" के तहत वार्ड 49 गोंदू कंपाउंड में कार्यक्रम आयोजित किया गया। निवर्तमान क्षेत्रीय उपाध्यक्ष पूर्व जिलाध्यक्ष संजीव श्रृंगीरिषी जी ने विधिवत रूप से मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम का शुभारंभ किया इस अवसर पर संजीव श्रृंगीरिषी जी ने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देशभर

में आगामी 26 जनवरी 2024 तक विकसित भारत संकल्प यात्रा संचालित की जा रही है। जिसके माध्यम से केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार करते हुए आम जनमानस को योजनाओं के प्रति जागरूक किया जा रहा है। साथ ही बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे हैं। जिनमें विभिन्न विभागों के द्वारा अपने–अपने विभागों से संबंधित स्टॉल लगाकर संचालित योजनाओं की जानकारी आम जनमानस को उपलब्ध कराई जा रही है विभागों के अधिकारीगण व स्टॉफ उपस्थित रहे।

रेलवे आउट हाउस से बेदखल किये जा रहे लोगों की समस्या जानने पहुंचे पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य

प्रदीप वर्मा जिला संवाददाता

झांसीरू विगत कई दशकों से रेलवे एरिया मे बने आउट हाउस में रहकर अधिकारियों के बंगलों पर काम करने वाले सैकडो परिवारों को बेदखल करने को कार्यवाही की जा रही है।उन्हे एक सप्ताह में आउट हाउस खाली करने के नोटिस थमाए गये है। ध्वस्तीकरण की कार्यवाही के चलते हुये कई आउट हाउस गिरा दिये गये है। जिससे लोग बेघर हो गये है। शुक्रवार को पीड़ित लोगो से मिलने पहुंचे पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप

जैन आदित्य ने उनकी समस्या सुनी। लोगों ने बताया कि वह तीन पीढियों से यहां रह रहें है और अधिकारियों के बगलों पर काम करते है। उनके इसी पते से आधार कार्ड व राशन कार्ड भी बने है। उन्होनें सरकारी योजनाओं के अन्तर्गत आवास दिलाए जाने हेतु कई बार आवेदन किये है परंतु उन्हें आवास नही मिले है। रेलवे द्वारा बहुत अल्प समय में आउट हाउस छोड़ने के नोटिस दिये है। जिससे उनके समक्ष गहर संकट उत्पन्न हो गया।इस सर्द मौसम में बच्चों के साथ वह कहां जाये।

पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य ने कहा कि जहां एक और सरकार सभी को घर और काम देने का दावा कर रही है।वही दूसरी और लोग बेघर व बेरोजगार किये जा रहे है। उन्होनें इस संबध में उच्चाधिकारियों से वार्ता कर समाधान का करने का भरोसा दिलाया। इस मौके पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य बलवान सिंह यादव,अनिल रिछारिया, अमीर चंद आर्य , मेवलाल व नारायण सिंह आदि मौजूद रहें।

महुआ मोइत्रां के निष्कासन पर सियासी बवाल, विपक्ष ने बताया लोकतंत्र की हत्या

एजेंसी।

नई दिल्श्ली मोइत्रा ने अपने इस निष्कासन की तुलना 'कंगारू अदालत' द्वारा सजा दिए जाने से करते हुए आरोप लगाया कि सरकार लोकसभा की आचार समिति को विपक्ष को झुकने के लिए मजबूर करने का हथियार बना रही है। कैश फॉर क्वेरी मामले में तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा को आज लोकसभा के सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया। सदन में लोकसभा की आचार संहिता की रिपोर्ट को चर्चा के बाद मंजूरी दे दी गई जिसमें महुआ मोइत्रा को निष्कासित करने की सिफारिश की गई थी। महुआ मोइत्रा के खिलाफ सदन में प्रश्न पूछने के बदले नगदी लेने के प्रत्यक्ष संलिप्तता के आरोप लगे थे। भाजपा के सांसद निशिकांत दुबे द्वारा 15 अक्टूबर को शिकायत की गई थी। इसके बाद इस पूरे मामले को लेकर जांच पड़ताल शुरू हुई। हालांकि, इसको लेकर सियासी बवाल भी शुरू हो गया है। विपक्षी दलों के नेताओं ने इसे तानाशाही और लोकतंत्र के साथ विश्वासघात करार दिया। तो वहीं भाजपा ने कहा है कि महुआ मोइत्रा के प्रकरण से दुनिया में भारतीय सांसदों की छवि धूमिल हुई है। महुआ मोइत्रा ने क्या कहामोइत्रा ने अपने इस निष्कासन की तुलना 'कंगारू अदालत' द्वारा सजा दिए जाने से करते हुए आरोप लगाया कि सरकार लोकसभा की आचार समिति को विपक्ष को झुकने के लिए मजबूर करने का हथियार बना रही है। उन्होंने कहा कि

एथिक्स कमेटी के पास निष्कासित करने का कोई अधिकार नहीं है. ..यह आपके (बीजेपी) अंत की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि अगर इस मोदी सरकार ने सोचा कि मुझे चुप कराकर वे अडानी मुद्दे को खत्म कर देंगे, मैं आपको यह बता दूं कि इस कंगारू कोर्ट ने पूरे भारत को केवल यह दिखाया है कि आपने जो जल्दबाजी और उचित प्रक्रिया का दुरुपयोग किया है, वह दर्शाता है कि अडानी आपके लिए कितना महत्वपूर्ण है, और आप एक महिला सांसद को समर्पण करने से रोकने के लिए उसे किस हद तक परेशान करेंगे। विपक्षी नेताओं के बयान – तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख और बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि इस कदम को देश के संसदीय लोकतंत्र के साथ ''विश्वासघात'' करार दिया। उन्होंने कहा कि आज मुझे बीजेपी पार्टी का रवैया देखकर दुख हो रहा है...उन्होंने लोकतंत्र को कैसे धोखा दिया...उन्होंने महुआ को अपना रुख स्पष्ट करने की अनुमति नहीं दी। सरासर अन्याय हुआ है। ममता ने कहा कि मैं आपको बता रही हूं कि महुआ (मोइत्रा) परिस्थितियों की शिकार हुई हैं। मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं. ..हमारी पार्टी महुआ से साथ है हमारी पार्टी प्छक्। गठबंधन के साथ मिलकर लड़ेगी...यह लोकतंत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। – कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा कि महुआ मोइत्रा को अपराधी बताने के बाद एथिक्स कमेटी ने पूछताछ की मांग की। आप अपराधी मिलने के बाद जांच की मांग कैसे कर सकते हैं? आपको पहले जांच करनी चाहिए और फिर किसी को अपराधी कहना चाहिए... आपको(एथिक्स कमेटी) कानून की प्रक्रिया का पालन करना चाहिए। – पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री डॉ. शशि पांजा ने कहा कि एक महिला का सत्ता में होना ऐसी चीज है जिसे भाजपा बर्दाश्त नहीं कर सकती. ... उन्होंने(भाजपा) कैसे सोचा कि यह निष्कासन उन्हें(महुआ मोइत्रा) चुप कराने के लिए काफी है? वे 2024 में फिर चुनाव लड़ेंगी। – कांग्रेस नेता अब्दुल खालिक ने कहा, ष्जो भी अडानी पर सवाल उठाता है ये सरकार उसके खिलाफ कार्रवाई करती है। महुआ मोइत्रा के केस में भी हमने वही देखा। ये सरकार डरती है... सरकार लोकतंत्र को खत्म कर रही है। – कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, ष्सबसे बड़ा विरोधाभास है कि एक व्यक्ति पर आपने कुछ आरोप लगाए, सभी उस पर बोल रहे थे पर उनको(महुआ मोइत्रा) बोलने और सफाई देने का मौका नहीं दिया गया। मुझे लगता है कि ये न्यायोचित नहीं है...भाजपा सशक्त महिलाओं से घबराती हैं। अडानी पर अगर कोई बात कर ले तो सदन में आपके लिए जगह नहीं है। अडानी और मोदी के रिश्तों पर जो भी सवाल उठाएगा उसके खिलाफ हर प्रकार की मनमानी कार्रवाई की जाएगी। – आप के राज्यसभा सांसद संदीप पाठक कहते हैं, श्एक लक्ष्य रखा गया था कि उन्हें (महुआ मोइत्रा) को हटाना है और फिर एक रणनीतिक योजना बनाई गई... उन्हें फंसाया गया... हर कोई जानता था कि यह सब उन्हें निलंबित करने के लिए किया गया था। ..हम महुआ मोइत्रा के साथ हैं... – 'एक्स' पर एक पोस्ट में, अखिलेश यादव ने किसी का नाम लिए बिना कहा, सत्ताधारी दल विपक्ष के लोगों की सदस्यता लेने के लिए किसी सलाहकार को रख ले, जिससे मंत्रियों एवं सत्ता पक्ष के सासंदों और विधायकों का समय षड्यंत्रकारी गतिविधियों में न लगकर लोकहित के कार्यों में लगे। जिन आधारों पर सांसदों की सदस्यता ली जा रही है, अगर वही आधार सत्ता पक्ष पर लागू हो जाएं तो शायद उनका एक दो सांसद–विधायक ही सदन में बचेगा। कुछ लोग सत्ता पक्ष के लिए सदन से अधिक सड़क पर घातक साबित होते हैं।

मैं विद्यार्थी परिषद का आर्गेनिक प्रोडक्ट हूं,एवीपी के अधिवेशन में बोले अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली शाह ने कहा कि विद्यार्थी परिषद ने अनेक मौकों पर संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि ज्ञान, शील, एकता के अपने मूलमंत्र को आत्मसात करते हुए, धैर्यपूर्वक एक पथ का निर्माण किया और देश के सामने, शिक्षा जगत के सामने एवं देश की सीमाओं के सामने जो भी चुनौतियां आईं, उस हर चुनौती के साथ विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने संघर्ष किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को खुद को विद्यार्थी परिषद का ऑर्गेनिक प्रोडक्ट बताते हुए कहा कि युवाशक्ति किसी भी देश की रीढ़ की हड्डी होती है। वह दिल्ली के बुराड़ी में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमने अपनी सांस्कृतिक विरासत को अपनाया है और दुनिया भर में इसका उचित श्रेय दिया है! मोदी जी ने संकल्प लिया है कि आने वाले 25 वर्षों में भारत विश्व गुरु बनेगा। शाह ने कहा कि विद्यार्थी परिषद ने अनेक मौकों पर संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि ज्ञान, शील, एकता के अपने मूलमंत्र को आत्मसात करते हुए, धैर्यपूर्वक एक पथ का निर्माण किया और देश के सामने, शिक्षा जगत के सामने एवं देश की सीमाओं के सामने जो भी चुनौतियां आईं, उस हर चुनौती के साथ विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने संघर्ष किया है। ये देश के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की 1949 से 2023 तक की यात्रा देश के विकास के साथ–साथ जुड़ी है। ढेर सारी चीजों में विद्यार्थी परिषद ने स्व जोड़ने का संघर्ष किया है। चाहे भाषा का आंदोलन हो, शिक्षा का आंदोलन हो, चाहे संस्कृति को बरकरार रखना हो। हर चीज में स्व का महत्व विद्यार्थी परिषद ने समाज को युवाओं के माध्यम से बताया है। विकसित भारत का लक्ष्य शाह ने कहा कि अमृत महोत्सव और अमृतकाल का जो संकल्प नरेन्द्र मोदी जी ने देश के सामने रखा है, वो आपके लिए है। क्योंकि इसे देखने के लिए आप सभी होंगे। जब आजादी के 100 वर्ष पूरे हों, तब उस आजादी के लिए बलिदान देने वाली सभी हुतात्माओं की कल्पना का भारत बनाने की जिम्मेदारी विद्यार्थी परिषद जैसे संगठन की है, मेरे सामने जो विराट युवाशक्ति बैठी है उसकी है। उन्होंने कहा कि युवाशक्ति किसी भी देश की रीढ़ की हड्डी होती है और युवाशक्ति ही देश एवं समाज को शिखर पर ले जाने का काम करती है। युवाओं ने युग परिवर्तन किया अमित शाह ने कहा कि भारत में ढेर सारे युवाओं ने युग परिवर्तन किया है। आपको तो रास्ता तलाशने की भी जरूरत नहीं है, 75 वर्षों में विद्यार्थी परिषद की पीढ़ियों ने ज्ञान, शील, एकता का जो रास्ता बनाकर रखा है, उसी रास्ते पर आपको चलना है। आपको सिर्फ संकल्प लेने

बीजेपी की दूरी, अजित पवार के लिए जरूरी, आखिर नवाब मलिक महाराष्ट्र में क्यों बने सियासी मजबूरी

एजेंसीं

महाराष्ट अजित को लिखे पत्र में फडणवीस ने कहा कि वह नवाब मलिक को अपने गुट में शामिल नहीं करें क्योंकि उनके खिलाफ कई बड़े गंभीर आरोप है। इसके बाद से अजित पवार गुट की ओर से भी पलटवार किया गया। फिलहाल भाजपा और अजित गुट के बीच तलवारें खींचती हुई दिखाई दे रही हैं। महाराष्ट्र में एनसीपी नेता नवाब मलिक को लेकर भाजपा और एनसीपी अजित गुट आमने–सामने है। यह पूरा मामला मीडिया के सामने तब आया जब महाराष्ट्र उप मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने अपने समकक्ष अजित पवार को पत्र लिखकर साफ तौर पर कह दिया कि यह महायुती गठबंधन के लिए ठीक नहीं रहेगा। अजित को लिखे पत्र में फडणवीस ने कहा कि वह नवाब मलिक को अपने गुट में शामिल नहीं करें क्योंकि उनके खिलाफ कई बड़े गंभीर आरोप है। इसके बाद से अजित पवार गुट की ओर से भी पलटवार किया गया। फिलहाल भाजपा और अजित गुट के बीच तलवारें खींचती हुई दिखाई दे रही हैं। कैसे शुरू हुआ मामला दरअसल, महाराष्ट्र विधानसभा के शीतकालीन सत्र का 7 दिसंबर से आगाज हुआ। नवाब मलिक एनसीपी के विधायक हैं। वह शीतकालीन सत्र में शामिल होने के लिए विधान भवन पहुंचे थे। शुरू में असमंजस की स्थिति रही कि वह किसी ओर बैठेंगे। लेकिन बाद में वह अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट के सदस्यों के बगल में पिछले पंक्ति के बेंच पर वह बैठे नजर आए। अजित पवार के नेतृत्व वाले एनसीपी नेताओं ने नवाब मलिक का जोरदार स्वागत भी किया। यहीं से नवाब मलिक को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई। विपक्षी दलों के नेताओं में कानाफूसी भी देखने को मिली। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता अंबादास दानवे और सुषमा अंधारे ने मलिक के सत्ता पक्ष में शामिल होने को लेकर सरकार पर निशाना साधा था। सत्ता पक्ष में बैठे नवाब मलिक की फोटो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुई। फडणवीस ने पत्र में क्या लिखा फडणवीस ने अजित पवार को लिखे अपने पत्र में कहा कि मलिक को एक विधायक के रूप में विधानसभा की कार्रवाई में भाग लेने का अधिकार है। उन्होंने कहा ,'' हमारी (भाजपा) उनके खिलाफ कोई व्यक्तिगत दुश्मनी या द्वेष नहीं है। लेकिन जिस प्रकार के आरोपों का वह सामना कर रहे हैं, उसे देखते हुए हमारा मानना है कि उन्हें महायुती में शामिल करना उचित नहीं होगा।'' भाजपा नेता ने साफ तौर पर कहा कि सत्ता आती है और जाती है। लेकिन सत्ता से ज्यादा महत्वपूर्ण देश है। फिलहाल वह सिर्फ मेडिकल आधार पर जमानत पर बाहर हैं। अगर उन पर लगे आरोप साबित नहीं हुए तो हमें उनका स्वागत करना चाहिए। भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों से जुड़े धनशोधन के मामले में ईडी ने मलिक को फरवरी 2022 में गिरफ्तार किया था। फिलहाल वह चिकित्सकीय आधार पर जमानत पर हैं।गिरफ्तारी के समय मलिक उद्धव ठाकरे के

नेतृत्व वाली एमवीए सरकार में कैबिनेट मंत्री थे। अजित पवार गुट ने क्या कहाफडणवीस के पत्र के मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए अजित पवार ने कहा है कि नवाब मलिक को इस बात की कोई जानकारी नहीं थी कि एनसीपी में हमारे गुट ने महायुति के साथ जाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि विधानसभा के शीतकालीन सत्र के मौके पर वह पहली बार हॉल में आये थे। अजित पवार ने कहा कि वह किस गुट के साथ हैं, इसे लेकर उन्होंने अपनी स्थिति स्पष्ट नहीं की है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा है कि मैं इस सब पर उनसे स्थिति स्पष्ट करने के बाद प्रतिक्रिया दूंगा। अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने स्पष्ट किया कि नवाब मलिक के साथ कोई राजनीतिक चर्चा नहीं हुई है। उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि आज विधानसभा में आने के बाद उनका पुराने सहयोगियों से मिलना–जुलना स्वाभाविक है। विपक्ष का तंज राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को "भ्रष्ट जुमला पार्टी" बताया है और उस पर महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक का "अपमान" करने व अजित पवार समूह को फंसाने का आरोप लगाया है।

मत्स्य विकास की योजनाओं का लाभ सभी पात्र लाभार्थियों को निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से दिया जाय-डा0 संजय कुमार निषाद

प्रदेश में एक हजार नई मत्स्य जीवी सहकारी समितियों के गठन की कार्यवाही तेजी से पूरी की जाय

संवाददाता। लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मत्स्य विकास मंत्री डॉ0 संजय कुमार निषाद ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि विभाग में मछुआ कल्याण के लिए संचालित सभी योजनाओं को तेजी से क्रियान्वित किया जाय जिससे योजनाओं का लाभ मत्स्य पालन में लगे हुए लोगों को समय से प्राप्त हो सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि भारत सरकार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम सहकार से समृद्धि योजना के अन्तर्गत चालू वित्तीय वर्ष में प्रदेश की सभी ग्राम सभाओं को सहकारिता से जोड़ना है और इसके तहत एक हजार नई मत्स्यजीवी सहकारी समितियों का गठन किया जाना है। इन समितियों का गठन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्धारित समय में लक्ष्य पूरा किया जाय। उन्होंने यह भी कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की हीला-हवाली या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी और इसका मौके पर भौतिक सत्यापन भी कराया जायेगा।

मत्स्य विकास मंत्री ने आज यहां विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में मत्स्य विकास विभाग की योजनाओं की अद्यतन प्रगति एवं बजट की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि निषाद राज बोट सब्सिडी योजनान्तर्गत शीघ्र लक्ष्यों का निर्धारण किया जाय। उत्तर प्रदेश मत्स्य कल्याण कोष के सम्बंध में मछुआ आवास के लक्ष्यों एवं केज योजना हेतु जनपदवार लक्ष्य निर्धारण के सम्बंध में कार्यवाही शीघ्र पूरी की जाय। डॉ0 निषाद ने मछुआ कल्याण कोष के सम्बंध में पोर्टल विकसित किये जाने के निर्देश दिये। मत्स्य विकास मंत्री ने सहकारी समितियों, मत्स्य आवंटन हेतु नदियों की नीलामी, जलाशयों के निस्तारण की भी समीक्षा की। डॉ0 निषाद ने मत्स्य विकास विभाग की बजट की समीक्षा की और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि वर्तमान वित्तीय वर्ष की समाप्ति से पूर्व विभाग द्वारा वर्तमान बजट में प्राविधानित धनराशि का सदुपयोग करने के साथ-साथ शत-प्रतिशत उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराना भी सुनिश्चित किया जाय और वर्तमान एवं भावी योजनाओं के अनुरूप ही बजट के लिए प्रस्ताव प्रेषित किया जाय और जितनी आवश्यकता हो उतनी ही मांग प्रेषित की जाय। उन्होंने वर्ष 2023 में मात्स्यिकी क्षेत्र में देश में सर्वश्रेष्ठ अर्न्तस्थलीय राज्य का प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने पर अधिकारियों की सराहना की। बैठक में मत्स्य विकास के अपर मुख्य सचिव डॉ0 रजनीश दूबे ने मंत्री को विभागीय योजनाओं की अद्यतन प्रगति तथा विभागीय बजट की स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने मंत्री जी को आश्वस्त किया कि प्रदेश में मत्स्य उत्पादन एवं मछुआरों के हित में चल रही सभी योजनाओं का क्रियान्वयन निर्धारित अवधि में पूर्ण कर लिया जायेगा और बजट के सम्बंध में प्राप्त दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

चित्रकूट में महर्षि वाल्मीकि आश्रम के समीप 11.21 करोड़ रुपये की लागत से पर्यटक सुविधा केन्द्र बनाया जाएगा-जयवीर सिंह

संवाददाता। लखनऊ। आदिकवि महर्षि वाल्मीकि की तपोस्थली जनपद चित्रकूट स्थित वाल्मीकि आश्रम के निकट यात्रियों एवं पर्यटकों की सुविधा के लिए लगभग 11.21 करोड़ रुपये की लागत से एक पर्यटक सुविधा केन्द्र का निर्माण किया जायेगा। इससे यहाँ आने वाले पर्यटकों को सुविधा मिलेगी और साथ ही पर्यटन को बढ़ावा एवं स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर सृजित होंगे।यह जानकारी आज यहाँ प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि प्रयागराज-चित्रकूट मार्ग पर स्थित महर्षि वाल्मीकि आश्रम लालापुर में आदि ग्रन्थ रामायण महाकाव्य के प्रणेता महर्षि वाल्मीकि का आश्रम है। इस स्थल की मान्यता प्राचीन समय से तीर्थ स्थल के रूप में की जाती है। यहां बड़ी संख्या में लोग दर्शन पूजन और भ्रमण के लिए आते हैं। जयवीर सिंह ने बताया कि पर्यटन विभाग आश्रम के निकट लगभग 11.21 करोड़ रुपये से पर्यटक सुविधा केंद्र बनाएगा। यहां सीसी रोड, पार्किंग, बागवानी, सैंड स्टोन पाथवे, ग्रेनाइट कोबल पाथवे, ट्यूबवेल, छतरी निर्माण, तालाब का विकास कार्य, म्यूरल वाल, वाल पैनलिंग, ग्रेनाइट फ्लोरिंग, फाल्स सीलिंग और सााइनेज समेत कई और कार्य कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश में स्थित महापुरूषों से जुड़े स्थानों का कायाकल्प किये जाने का निर्णय लिया गया है, ताकि यहाँ पर पर्यटक एवं श्रद्धालु आ सकें।

खाद्य पदार्थो में मिलावटखोरी पर डीएम सख्त, दिये अभियान चलाने के निर्देश

(मथुरा)(ए.के.शर्मा) खाद्य पदार्थों में मिलावट खोरी पर जिलाधिकारी ने सख्त तेवर दिखाये हैं। डीएम खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को सख्त हिदायत दी है और अभियान चला कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं। जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में कर करेत्तर एवं राजस्व प्रशासन, राजस्व कार्यो, राजस्व वादों, आईजीआरएस, लोकसभा सामान्य निर्वाचन

की तैयारियों तथा, खाद्य सुरक्षा, खाद्य एवं रसद विभाग विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक ली। अभियान चलाकर खाद्य पदार्थो के नमूने लिए जाएं और जांच कराई जाये। जिलाधिकारी ने बैठक के दौरान खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों सहित सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य तेलों, मसालों, दूध पनीर, घी, मिठाई आदि के नमूने अभियान चलाकर लिए जाएं। जांच में दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई अमल में लाई जाए। जिलाधिकारी ने निर्धारित लक्ष्य से कम वसूली करने वाले अधिकारियों को चेतावनी दी है कि भविष्य में लक्ष्य के अनुसार शत प्रतिशत वसूली सुनिश्चित की जाए, अन्यथा उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने एडीएम वित्त एव राजस्व योगानंद पांडेय, अपर जिलाधिकारी प्रशासन विजय शंकर दूबे सहित सभी एसडीएम और तहसीलदारों के साथ राजस्व वसूली एवं कर करेत्तर की मासिक समीक्षा की। प्रत्येक दशा में शत प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। तहसील दिवसों में प्राप्त शिकायतों को प्रत्येक दशा में निर्धारित अवधि में गुणवत्ता परक निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) के माध्यम से ऑनलाइन प्राप्त होने वाली शिकायतों की भी जिलाधिकारी ने समीक्षा की। वहीं, जिलाधिकारी कार्यालय से भेजी गई तहसील दिवसों से प्राप्त एवं मंडलायुक्त के स्तर से प्राप्त होने वाली सभी शिकायतें का निस्तारण ससमय किया जाए। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकायों के अधिकारी यह भी सुनिश्चित करें कि उनके नगर क्षेत्र में प्रमुख मार्गो पर अतिक्रमण नहीं होना चाहिए।

खुलासा: नसरीपुरम में ज्वैलर्स के यहां हुई लूट में तीन गिरफ्तार

(मथुरा)(ए.के.शर्मा) पुलिस ने 21 नवम्बर को सदर बाजार क्षेत्र की नरसीपुरम कॉलोनी में ज्वैलर्स के यहां हुई लूट की घटना का खुलासा कर दिया है। इस दौरान बदमाशों ने फायरिंग भी की थी। गन पाइंट पर हुई इस लूट के बाद ज्वैलर्स ने करीब 30 लाख की लूट की बात कही थी। बाद में पुलिस जांच में लूट बहुत कम की निकली। एसएसपी ने घटना के खुलासे के लिए चार टीमों का गठन

किया था। थाना सदर बाजार, कोतवाली, सर्विलांस और स्वाट टीम ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए लूट को अंजाम देने वाले तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से पुलिस ने लूट का माल भी बरामद कर लिया है। बदमाश दुकान में घुसकर शटर डालकर दुकानदार पर तमंचा तानकर दुकान की तिजोरी में रखे सोने व चांदी के आभूषण बैग में भरकर ले गये थे। पुलिस ने इनके कब्जे से लूटे गये सोने व चांदी के जेवरात के अलावा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, दो तमंचा, तीन जिंदा कारतूस भी बरामद किये हैं। प्रभारी निरीक्षक थाना सदर बाजार छोटेलाल के मुताबिक कार्तिक पटेल उर्फ पपला गुर्जर पुत्र राजवीर पटेल निवासी आजमपुर थाना रिफाइनरी जनपद मथुरा, अरविन्द पुत्र धर्मपाल निवासी ग्राम अवैरनी थाना बल्देव हाल किरायेदार पुष्पांजली द्वारिका थाना रिफाइनरी जनपद मथुरा तथा सौरभ चौधरी पुत्र विनोद कुमार निवासी नगला भरऊ थाना राया जनपद मथुरा को सिंचाई विभाग की खाली जमीन कच्चा रास्ता औरंगाबाद से गिरफ्तार किया गया। फरार चल रहे अभियुक्त दिनेश पुत्र भूरी सिंह निवासी रदोई थाना बल्देव जनपद मथुरा की तलाश जारी है।

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह के पांच तस्कर गिरफ्तार

अभियुक्तों के कब्जे से 15 किलोग्राम चरस बरामद

लखनऊ । यूपी एसटीएफ उत्तर प्रदेश को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह के 5 सदस्यों को 15 किग्रा चरस (अन्तर्राष्ट्रीय बाजार मूल्य 75 लाख रुपए अनुमानित) के साथ गिरफ्तार करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई।अब्दुल वहाव पुत्र सकूर अली, निवासी-मिजापुर, थाना मिजापुर, जनपद-सहारनपुर,फरदीन पुत्र अब्दुल वहाव, निवासी-मिजापुर, थाना गिजापुर, जनपद सहारनपुर,सूरज तिवारी पुत्र राजेश्वर तिवारी, निवासी-रामगढवा, थाना रामगढवा, जनपद-मोतिहारी बिहार,बीना देवी पत्नी स्वयं हरीबकली, निवासी-लालसरैया, थाना मंझौलिया, बिहार। 5-विंदा देवी पत्नी सतेन्द्र पांडे, निवासी-रामगढ़वा, थाना रामगढवा, जिला मोतीहारी बिहार है। एसटीएफ को विगत काफी समय से उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में मादक पदार्थ तस्कर गिरोह के सक्रिय होने की सूचनायें प्राप्त हो रही थी। इस सम्बन्ध में

एसटीएफ की विभिन्न इकाईयों व टीमों को अभिसूचना सकलन एवं कार्यवाई के लिए निर्देशित किया गया। जिसके अनुपालन में अब्दुल कादिर, पुलिस उपाधीक्षक एसटीएफ फील्ड इकाई बरेली के पर्यवेक्षण में उ.नि. राशिद जाली, संदीप, शिवोम पातक, नितिन, आ. संजय यादव, आ. कमाण्डो रामकिशन वर्मा एसटीएफ फील्ड इकाई बरेली की एक टीम गठित कर अभिसूचना संकलन की कार्यवाई प्रारम्भ करते हुए अभिसूचना तन्त्र को सक्रिय किया गया । अभिसूचना सकलन के दौरान विश्वसनीय सूत्रों के माध्यम से जानकारी प्राप्त हुई कि कुछ व्यक्ति भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ लेकर बेहट अड्डा, थाना मण्डी, जनपद सहारनपुर के पास आने वाले है। इस सूचना पर निश्वास कर जक्त स्थान पर पहुंचकर पांच तस्करों को आवश्यक बल प्रयोग कर गिरफ्तार कर लिया गया, जिनके पास से उपरोक्त बरामदगी हुई। गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया कि इन लोगों का अवैध मादक पदार्थ तस्करी करने का गिरोह है, इस गिरोह का सरगना नेपाल निवासी मास्टर है। मास्टर के आदमी इन लोगों को मोतिहारी में चरस देते है। इस चरस को रशीला बेगम पत्नी अब्दुल वहाव निवासी ग्राम व थाना मिजार्पुर, सहारनपुर व मोटी निवासी जसपुर थाना मिजार्पुर को देते है। इस काम के लिए इन लोगों को प्रति चक्कर 5000 रुपाये मिलता है। रशीला व मोटी द्वारा इस चरस को उत्तराखण्ड एवं हिमाचल प्रदेश में सप्लाई किया जाता है। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरूद्ध थाना मण्डी जनपद सहारनपुर पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत निर्माणाधीन मार्गो के सत्यापन के दिए निर्देश

झांसी! जिलाधिकारी के निर्देश पर विकासखंड गुरसराय में पंडवाहा से बिजना संपर्क मार्ग का किया निरीक्षण निरीक्षण में 16.70 किलोमीटर लंबी सड़क पर एफ0डी0आर0 का कार्य मौके पर होते पाया गया, गुणवत्ता सुनिश्चित करने के दिए निर्देश जिलाधि

कारी अविनाश कुमार ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की समीक्षा करते हुए ग्रामीण अभियंत्रण विभाग की 08 सड़क निर्माण कार्यों की जानकारी प्राप्त की और संबंधित अधिकारियों को कार्यों की मौके पर जांच किए जाने के निर्देश दिए इसी क्रम में आज अवर अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग श्री टी आर यादव ने विकास खंड गुरसराय में पंडवाहा से बिजना संपर्क मार्ग जिसकी लंबाई 16.70 किमी है, का मौके पर एफ0डी0आर0 के कार्यों का निरीक्षण किया। किए जा रहे कार्य की गुणवत्ता को भी जांचा।

निरीक्षण में लगभग 15 किलोमीटर का एफ0डी0आर0 का कार्य पूर्ण कर लिया गया है शेष एफडीआर कार्य प्रगति में है। इसके अतिरिक्त सड़क में आने वाली गूलह्युलिया का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है और माह दिसम्बर तक कार्य प्रतिशत पूर्ण कर लिया जाएगा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के कार्य का निरीक्षण करते हुए अवर अभियंता टी आर यादव ने बताया कि विकासखंड बामौर में 03, विकासखंड बंगरा में 01, विकासखंड मऊरानीपुर में 01 तथा विकासखंड गुरसराय में 01 सड़क संपर्क मार्ग का एफ0डी0आर0 का कार्य किया जा रहा है, जिसका मौके पर सत्यापन करते हुए गुणवत्ता को सुनिश्चित किया जाएगा निरीक्षण के मौके पर संबंधित ठेकेदार को कार्य जल्द पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया

गोगामेडी की हत्या के विरोध में कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन

राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन, आरोपितों के लिए की फांसी की मांग

(मथुरा)(ए.के.शर्मा) जयपुर में हुई सुखदेव गोगामेड़ी की हत्या के बाद क्षत्रिय समाज में आक्रोश है। क्षत्रिय समाज लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहा है। शुक्रवार को क्षत्रिय समाज के विभिन्न संगठनों

ने एक मंच पर आकर कलेक्ट्रेट पर शक्ति प्रदर्शन किया और राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। गुरुवार को जगह जगह पुतला दहन किया गया था। सुबह क्षत्रिय समाज के लोग कलेक्ट्रेट पहुंचे और नारेबाजी करते हुए गोगामेड़ी की हत्या पर आक्रोश जाहिर किया। इस दौरान क्षत्रिय समाज के विभिन्न संगठनों ने एकजुटता का परिचय दिया और एक आरोपिती को गिरफ्तार करने के साथ ही इस घटना के पीछे जिन लोगों का हाथ है उन्हें भी बेनकाब करने की मांग की। पीड़ित परिवार को सुरक्षा और पांच करोड़ के मुआवजे की भी बात कही। विधायक ठाकुर मेघश्याम सिंह ने कहा कि जयपुर में पांच दिसंबर को हमारे समाज के नेता गोगामेड़ी की हत्या कर दी गई। मथुरा जनपद के सभी क्षत्रिय समाज ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया है। दोषियों को जल्द से जल्द पकड़ कर उनको फांसी की सजा दी जाए और इसके पीछे किसका हाथ है इस बात का भी खुलासा किया जाए। यह कांग्रेस सरकार की घोर लापरवाही थी। पंजाब सरकार ने इनपुट राजस्थान सरकार को दे दिया था कि इन की हत्या हो सकती है। हमें तो यह लगता है कि इसमें गहलोत सरकार का भी कुछ न कुछ सहयोग रहा है। गोरक्षक अभिषेक ठाकुर ने कहाकि इस तरीके से खुले आम राजस्थान में कांग्रेस सरकार के दौरान जंगल राज रहा। अभी यहां भाजपा की सरकार आई है। गौगामैडी सबसे पहले गो रक्षक थे, जितने भी गो रक्षक हैं उन्हें सुरक्षा मुहैया कराई जाए। गोगामेडी के हत्यारों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाये। इस दौरान कुंवर नरेन्द्र सिंह, पूर्व विधायक कुशल पाल सिंह, मुकेश सिकरवार, प्रवीन ठाकुर, करण ठाकुर आदि मौजूद रहे।

युवक पर बदमाशों ने धारदार हथियार से किया हमला, गंभीर

खून से लथपथ जमीन पर गिरने के बाद बाइक लेकर भागे बदमाश

बदमाशों को तलाशने के लिए पुलिस ने गठित की पांच टीम

लखनऊ । राजधानी के थाना बीकेटी क्षेत्र में लूट के इरादे से तीन बदमाशों ने एक बाइक सवार को रोककर लोहे की राड से सिर पर हमलाकर दिया। सिर पर चोट लगने से बाइक सवार गिर गया तो बदमाशों ने धारदार हथियार से पीठ पर हमलाकर करके पैसे लूटने का प्रयास किया लेकिन लोगों को आते देख डर के मारे अपनी बाइक को छोड़कर घायल युवक की अपाचे लेकर फरार हो गये।इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने के बाद बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए पांच टीमें गठित कर दी है। अंजनी कुमार सिंह पुत्र बृजेन्द्र प्रताप सिंह निवासी-अर्जुनपुर थाना इटौंजा ने थाना बीकेटी पर सूचना दिया कि 7 दिसंबर को समय करीब नौ बजे वादी का भतीजा अमन सिंह पुत्र गंभीर सिंह निवासी उपरोक्त नाहिरा पेट्रोल पंप के पास स्थित जिम से वापस घर जा रहा था। इस दौरान दिगोई क्रासिंग के सामने अचानक तीन अज्ञात बाइक सवार आए और अचानक वादी के भतीजे के ऊपर लोहे की राड से सिर पर हमला किया तथा धारदार हथियार से पीठ पर हमला किया। जिससे वादी के भतीजे अमन सिंह उपरोक्त को गंभीर चोटें आई है तथा वादी के भतीजे के गढ्ढे में गिर जाने पर उसकी बाइक अपाचे लेकर भाग गए व अपने साथ लाए बाइक को छोड़कर भाग गए। इस सूचना पर थाना बीकेटी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल करने के बाद अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी। डीसीपी उत्तरी एसएम कासिम ने बताया कि बदमाशों के हमले में घायल अमन का मोबाइल और पर्स में पैसे सुरक्षित मिले। घटना का पर्दाफाश करने के लिए पांच अलग-अलग टीम लगाई गई है। अभियुक्तों की शिनाख्त करने के लिए घटना स्थल व आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की पड़ताल की जा रही है। शीघ्र ही हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बुन्देलखण्ड राज्य का वादा याद दिलाने हेतु फूंका पुतला

झाँसी । बुन्देलखण्ड राज्य बना देने का बादा राजनाथ सिंह ने मउरानीपुर की जनसभा में किया था बर्ष 2021 में उनके बारे के सात साल गुजर जाने के बाद जब राज्य निर्माण के सम्बन्ध में कोई कार्रवाई नहीं की गई तो उनके जनपद आगमन पर बुन्देलखण्ड निर्माण मोर्चा के योद्धाओं ने बादा याद दिलाने के लिए उनका पुतला फूंका

राजनाथ सिंह के जनपद आगमन पर मोर्चा अध्यक्ष भानू सहाय को पुलिस द्वारा नजर बन्द के बिरोध स्वरुप एवं बुन्देलखण्ड राज्य से बादा खिलाफी किये जाने पर पुतला फूँका। हम बुन्देलीयो भावनाओं से खेलकर झूठ, फरेब, जुमलेबाजी, बरगला कर बोट लेने बालों के खिलाफ बुन्देलखण्ड क्षेत्र में भारी आक्रोश व्याप्त था हो बढ़ता जा रहा है।

बुन्देलखण्ड राज्य निर्माण का आन्दोलन कुचलने के लिए सत्ता के दबाव में पुलिस प्रशासन द्वारा जो दमनात्मक कार्य किया जा रहा है जिस हेतु बुन्देलखण्ड निर्माण मोर्चा के योद्धा रघुराज शर्मा, हमीदा अंजुम, उत्कर्ष साहू, प्रदीप झाँ ,गोलू ठाकुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में चार्जशीट पेश की उसकी भर्तसना करते हुए मोर्चा अध्यक्ष भानू सहाय ने कहा कि सत्ता पक्ष के दबाव में ना आन्दोलन थमेगा ना रुकेगा वल्कि और तीव्र गति से बढेगा राज्य निर्माण के पक्ष में धरना, प्रदर्शन, काले झंडे दिखाने, पुतला जलाने का कार्य जारी रहेगा। हम बुन्देलीयो का सपना है कि बुन्देलखण्ड राज्य शीघ्र बने जिसके लिए किसी भी तरह की कुर्बानी देने के लिए मोर्चा के योद्धा तैयार है।

तीन-दिवसीय इसरो स्पेस प्रदर्शनी का दूसरा दिन

चन्द्रयान की उपलब्धियों से रूबरू हुए छात्रों, शिक्षकों व अभिभावकों का उत्साह चरम पर

लखनऊ, 8 दिसम्बर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, कानपुर रोड ऑडिटोरियम में चल रही तीन दिवसीय इसरो स्पेस प्रदर्शनी 'विक्रम साराभाई स्पेस साइन्स प्रदर्शनी' में चन्द्रयान की ऐतिहासिक उपलब्धियों से रूबरू होने का भारी उत्साह छात्रों, शिक्षकों व अभिभावकों में दिखाई दिया और सी.एम.एस. कानपुर रोड का समस्त परिसर बड़ी संख्या में उपस्थित बच्चों, अभिभावकों एवं दर्शकों से दिन भर खचाखच भरा रहा। इस प्रदर्शनी के अवलोकन हेतु थाईलैण्ड समेत देश के विभिन्न प्रान्तों जैसे आसाम, हरियाणा, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल व अन्य राज्यों से हजारों की संख्या में छात्र व शिक्षक लखनऊ पधारे है। इसके अलावा, भारी

संख्या में लखनऊ व आसपास के विभिन्न विद्यालयों से पधारे छात्रों ने बड़ी उत्सुकता से चन्द्रयान की संपूर्ण कार्यप्रणाली व राकेट लांचिंग का प्रदर्शन देखा, साथ ही विज्ञान की आधुनिकतम तकनीकों व अविष्कारों से रूबरू हुए। इस अवसर पर छात्रों ने वरिष्ठ वैज्ञानिकों के वार्तालाप कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी प्राप्त किया।

आज हजारों छात्रों, शिक्षकों व अभिभावकों ने स्पेस साइन्स एवं टेक्नोलॉजी के विविध आयामों को नजदीक से देखा, जिसमें रिमोट सेन्सिंग एवं कम्यूनिकेशन सेटेलाइट, नेविगेशन, चन्द्रयान, मार्स आर्बिटर मिशन, सेटेलाइट इमेजेज एण्ड एप्लीकेशन्स, माडल्स ऑफ कैमरा ऑफ मार्स मिशन, माडल ऑफ लांच व्हिकल (पीएसएलवी एवं जीएसएलवी) एवं विभिन्न प्रकार के सेटेलाइट्स माडल्स का प्रदर्शन शामिल है। आसाम से पधारे प्रग्वानंद इंटरनेशनल स्कूल के प्रधानाचार्य डा. पार्थ प्रदीप अधिकारी ने कहा कि यह प्रदर्शनी हमारे बच्चों को स्वतः ही प्रेरित कर रही है। लखनऊ के विभिन्न विद्यालयों के छात्रों ने आज इस स्पेस प्रदर्शनी से प्रेरणा ग्रहण की, जिनमें केन्द्रीय विद्यालय, सेंट जोसेफ कालेज, दिल्ली पब्लिक स्कूल, ला मार्टिनियर गर्ल्स कालेज, सेठ एम. आर. जयपुरिया स्कूल, गुरुकुल एकेडमी, सेंट टेरेसा कालेज, आर्मीपब्लिक स्कूल, लखनऊ माडल पब्लिक स्कूल, सेंट एग्नेस लोरेटो डे स्कूल, लखनऊ पब्लिक कालेज एवं मोंटफोर्ट लंटर कालेज आदि प्रमुख हैं।

जनपद में आज होगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन–अभिषेक सिन्हा

संवाददाता।

सुल्तानपुर । आम जनमानस को अतिशीघ्र, सुलभ, व कम खर्च में न्याय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज प्रातः 10 बजे से जनपद न्यायालय परिसर व सुलतानपुर के सभी वाह्य न्यायालयों, तहसील मुख्यालयों, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण सुलतानपुर, कलेक्ट्रेट एवं अन्य सम्बन्धित विभागों तथा जनपद अमेठी के मुसाफिरखाना, गौरीगंज व अमेठी तहसील मुख्यालयों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है।अपर जिला जज सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सुलतानपुर अभिषेक सिन्हा, ने बताया कि त्वरित, सस्ता, सुलभ न्याय प्रत्येक भारतीय नागरिक का नैतिक अधिकार है। राष्ट्रीय लोक अदालत में तहसील न्यायालय से लेकर मा० सर्वोच्च न्यायालय के स्तर पर किसी भी न्यायालय अथवा विभागीय मामलों को सुलह–समझौते के आधार पर निस्तारित किए जाने हेतु आवेदन पत्र देकर अन्तिम आदेश व निर्णय प्राप्त कर सदैव लिए लम्बित मामले से छुटकारा पाया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि लोक अदालत में पक्षों के मध्य आपसी सुलह–समझौते के आधार पर विवाद का निस्तारण पक्षकार व्यक्तिगत स्तर पर स्वयं पहल कर सकते हैं। लोक अदालत में वाद निस्तारण हेतु किसी भी प्रकार का शुल्क देय नहीं है। लम्बित मामले के लोक अदालत में निस्तारण पर न्यायालय शुल्क वापसी की व्यवस्था है। इसके निर्णय के विरूद्ध कोई अपील नहीं की जा सकती है। कानूनी जटिलताओं से परे लोक अदालत की प्रकिया सहज और आपसी समझौते पर आधारित है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में सभी प्रकार के शमनीय आपराधिक सुलह समझौते से निस्तारित होने वाले वाद, उत्तराधिकार से सम्बन्धित सिविल मामले, वाद वापसी के मामले, बैंक ऋण वसूली, प्री–लिटिगेशन वाद, पारिवारिक एवं वैवाहिक मामले, नगर निगम ध नगर पालिका अधिनियम, श्रम सम्बन्धी वाद, भूमि अधिग्रहण सम्बन्धी मामले, राजस्व सम्बन्धित मामले, सर्विस मैटर्स, मनरेगा वाद, व्यापार कर वाद, वजन व मापतौल अधिनियम, वन अधिनियम उपभोक्ता फोरम वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, एन०आई०एक्ट के वाद, विद्युत एवं जल संबंधी अन्य वाद,आर्बीट्रेशन वाद, आपदा राहत वाद, यातायात चालानी वाद आदि का निस्तारण कराया जा सकता है। अतः समस्त जनपदवासियों से अपील है कि यदि आप अपने उपरोक्त प्रकृति के लम्बित वाद को राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलह–समझौते के आधार पर निस्तारित कराना चाहते है, तो कृपया सम्बन्धित न्यायालय के पीठासीन अधिकारी अथवा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुलतानपुर के कार्यालय से सम्पर्क कर अपने वाद को राष्ट्रीय लोक अदालत में नियत करा कर दिनांक–09.12.2023 को उनका निस्तारण करा सकते हैं।

किसानो की समस्याओं को लेकर कांग्रेस हुई मुखर प्रदर्शन कर, सौंपा ज्ञापन

खाद की बढ़ी कीमतों को तत्काल सरकार ले वापस अभिषेक सिंह राणा

संवाददाता।

सुल्तानपुर। जिले में हो रही खाद की किल्लत व खाद की कीमतों में की गई बढ़ोतरी को लेकर शुक्रवार को कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा के नेतृत्व में दो दर्जन से अधिक की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता व नेता सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन कर डीएम के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञात हो कि किसानों की रवि की बुवाई का अति महत्वपूर्ण समय है जिसमें किसानों को समय पर डी0ए0पी0 खाद नहीं उपलब्ध हो पा रही है, जिससे किसान अपनी फसलों की बुवाई के लिए अत्यधिक चिंतित हैं। वहीं सरकार द्वारा खाद की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी गई है जिससे किसान बढ़े हुए दामों में खाद लेने में असमर्थ हैं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा किसानो की समस्याओं को लेकर दो दर्जन से अधिक की संख्या में कलेक्ट्रेट पहुंचे जहां जमकर विरोध प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन भेजा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि हमारा देश कृषि प्रधान देश है, चुनाव के समय में यही किसान को अन्नदाता कहते है, और जब चुनाव का समय निकल जाता है तो किसानों को अपनी फसलों की बुवाई के लिए सुबह 4 बजे से उठकर डी0ए0पी0 खाद के लिए लाइन में खड़े होते हैं लेकिन उन्हें समय पर डी0ए0पी0 खाद नहीं उपलब्ध हो पा रही है , एक तरफ जहां महंगाई से आम जनमानस त्रस्त है, वहीं सरकार ने अचानक डी0ए0पी0 खाद के दाम बढ़ा दिए हैं महंगे दामों में किसान खाद खरीदने में असमर्थ है। वहीं उन्होंने जिले में हो रही खाद की किल्लत की पूर्ति व खाद के दामों में की गई बढ़ोतरी को सरकार तत्काल वापस ले अन्यथा इसके लिए कांग्रेस बड़े पैमाने पर आंदोलन करने हेतु बाध्य होगी।शहर अध्यक्ष शकील अंसारी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार में किसान अत्यधिक परेशान हैं, भाजपा के लोग सरकार बनाने में मस्त हैं इधर किसान रवि की फसल की बुवाई के लिए खाद के लिए दर दर की ठोकरे खा रहे हैं, लाइन में लगने के बाद किसानों को खाद तो नहीं मिल पाती लेकिन पुलिस की लाठियां जरूर मिल जाती हैं।एक तरफ खाद की किल्लत है, तो दूसरी तरफ खाद के दामों में बढ़ोतरी कर दी गई, जिससे किसान बढ़े हुए दामों में खाद खरीदने में असमर्थ हैं। इस मौके पर जिला प्रवक्ता नफीस फारुकी, सुब्रत सिंह सनी, तेज बहादुर पाठक, हाजी फिरोज अहमद, गुड्डू जायसवाल, अर्श खान लकी, मिर्जा अकरम बेग, सिराज सिद्दीकी, सिराज अहमद, सुनील सिंह, सर्वेश विक्रम सिंह,मो इमरान खान (मीडिया प्रभारी) अतिउल्ला अंसारी, नंदलाल मोर्य, विभु पांडे, चंद्रभान सिंह चुन्ना, इमरान अहमद,पवन मिश्रा कटावा, जयप्रकाश तिवारी, अवधेश कुमार गौतम, राहुल मिश्रा, अशोक सिंह, नितिन मिश्रा, शहबाज खान, अनवर शाही,मो इकबाल पवन मिश्रा नन्हे आदि लोग मौजूद रहे।

थाना जीआरपी झाँसी व आरपीएफ झाँसी द्वारा ०1 अन्तर्जनपदीय गांजा तस्कर गिरफ्तार

प्रदीप वर्मा जिला संवाददाता
झांसी!

अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे लखनऊ, जयनरायन सिंह के आदेशानुसार, पुलिस महानिरीक्षक रेलवे लखनऊ एस.के.सिंह के मार्गदर्शन, पुलिस अधीक्षक रेलवे, झाँसी विपुल कुमार श्रीवास्तव व वरिष्ठ मंण्डल सुरक्षा आयुक्त विवेकानन्द नरायण आरपीएफ झाँसी

के निर्देशन में ट्रेनो में नशीले पदार्थो की तस्करी के विरुद्ध प्रचलित अभियान के क्रम में पुलिस उपाधीक्षक रेलवे, झाँसी नईम खाँन मंसूरी के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक पंकज पाण्डेय थाना जीआरपी झाँसी के नेतृत्व में गठित जीआरपीध्आरपीएफ एवं क्राईम ब्रांच टीमों द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुये आज दिनांक08.12.2023 को रेलवे स्टेशन झाँसी से 01 अन्तर्जनपदीय गांजा तस्कर अर्जुन अहिरवार को गिरफ्तार किया गया । जिसके कब्जे से 19.860 किग्रा0 अवैध गांजा बरामद (कीमत करीब 01 लाख 99 हजार रुपये)

गिरफ्तार अभियुक्तगण

अर्जुन अहिरवार पुत्र किशनलाल निवासी मोहल्ला ज्योति नगर हंसारी थाना प्रेमनगर जिला झाँसी उ0प्र0

लाश से सियासत का सफर तलाशते दिखे जनप्रतिनिधि चिकित्सक और शिक्षक की मौत से बिछाई जातिगत वोट बैंक की बिसात, टारगेट 2024

संवाददाता।

सुल्तानपुर। ढाई माह के अंदर जिले में दो बड़े कांड हुए। सितंबर महीने में चिकित्सक हत्याकांड और अब शिक्षक सुसाइड कांड। दोनों ही मौत के मामलों में जनप्रतिनिधि लाश से सियासत का सफर तलाशते दिखाई दिए। जातिगत वोट बैंक की बिसात बिछाई गई। टारगेट 2024 रहा। विपक्ष तो दूर सत्ता पक्ष के माननीय इस कृत्य में आगे–आगे दिखे।

बल्दीराय का केवटली गांव जहां प्रधानाध्यापक सूर्य प्रकाश द्विवेदी की मौत पर मातम पसरा था वो इलाका दो दिनों तक सियासत का केंद्र बना रहा। पूर्व भाजपा विधायक देवमणि द्विवेदी, जयसिंहपुर से भाजपा विधायक राज प्रसाद उपाध्याय, भाजपा एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व मंत्री जय नारायण तिवारी सत्तापक्ष के ये दिग्गज पीड़ित परिवार के महज आंसू पोछने नहीं बल्कि प्रशासन और परिवार के बीच के मध्यस्ता करने वाले थे। ये और बात रही प्रधानाध्यापक का परिवार और शिक्षक संघ इनमें से किसी के झांसे में नहीं आया। ना ही ये जनप्रतिनिधि इतनी ताकत जुटा सके कि जिस बीईओ पर गंभीर आरोप लगे थे उन पर एक मुकदमा दर्ज करा पाए। अंतिम दिन शिक्षक संघ और परिवार ने ही केस दर्ज कराने की मुहिम को फतह किया। दो बड़े भाजपा नेताओं के अलावा अन्य माननीय हुए लापता इसके बाद शव यात्रा निकली तो माननीयों की असलियत जनता के सामने बेनकाब हो गई। दो दिनों तक प्रशासनिक कठपुतली बने दिग्गज एक भी शव यात्रा से लेकर घाट तक दिखाई नहीं दिए। केवल भाजपा नेता रामचंद्र मिश्र और महिमा शंकर द्विवेदी के अलावा। जातिवाद का झंडा उठाने वाले दिग्गज अंतिम समय में लापता हुए तो चर्चाओं का बाजार भी गर्म हुआ। लेकिन इस कदम ने ये संकेत दे डालें यह पीड़ित के दुःख–दर्द बांटने नहीं अपने राजनैतिक वोट बैंक के लाभ के लिए कदम ताल करने पहले पहुंचे थे। डॉक्टर हत्याकांड में भी बयान तक ही रहे सीमित यही कुछ हाल सितंबर माह में हुए डॉक्टर घनश्याम तिवारी हत्याकांड में भी इन सफेदपशों का था। गोलीकांड के बाद अस्पताल से लेकर मृतक के परिवार तक बड़े–बड़े बयान, तस्वीर और दवाब की असफल राजनीति। अंत में गिरफ्तारी के लिए श्रद्धांजलि सभा। लेकिन बड़ी–बड़ी भाषण बाजी के अलावा कर कुछ नहीं सके। मुख्य इनामिया आरोपी पुलिस चौकी में जाकर सरेंडर किया। जिससे समाज में सभी जातिवाद के अलमबरदारों की फजीहत हुई। सपा नहीं कांग्रेस ने अदा किया विपक्ष का रोल सवाल विपक्ष का, तो कांग्रेस दोनों ही मामले में विपक्ष की भूमिका निभाती दिखी। उन्होंने ना सिर्फ प्रशासन को मांग पत्र सौंपा बल्कि प्रतिनिधि मंडल दोनों परिवार के पास पहुंचा।

हां, यूपी में खुद को विपक्ष में बैठकर मजबूत पार्टी बताने वाली पार्टी हाशिये पर रही। वो डॉक्टर केस रहा हो या फिर शिक्षक का केस। हद तो शिक्षक केस में हो गई। सपा विधायक ताहिर खान की विधानसभा केवटली के रहने वाले शिक्षक सूर्य प्रकाश की मौत हुई, रात के अंधेरे में सड़क की गुणवत्ता देखने जाने वाले विधायक को दो दिनों में इतनी फुरसत ही नहीं मिली कि वे परिवार से मिलते। लोकसभा चुनाव लड़ने का ख्वाब सजोए घूम रहे दो बार शिकस्त खा चुके पूर्व विधायक भी शिक्षक के दरवाजे नहीं पहुंच सके।

चर्चित ग्राम पंचायत मायंग का आया परिणाम

विरोधियों के हाथों की कठपुतली बना प्रधान 188 वोटों में सिमटा, भद्र परिवार का बजा डंका

संवाददाता।

सुल्तानपुर । धनपतगंज ब्लॉक के चर्चित ग्राम पंचायत मायंग में भद्र परिवार के विरोधियों द्वारा चली गई साजिश आज फेल हो गई है। यहां अविश्वास के बाद हुए चुनाव में भद्र बंधुओं के विरोधी खेमे की हाथ की कठपुतली बना प्रधान रामदेव निषाद आज मतगणना का परिणाम आने के बाद बुरी तरह शिकस्त खाया है। 1574 वोटों में उसे महज 188 वोट ही मिले हैं। शुक्रवार को धनपतगंज ब्लॉक पर वोटों की गिनती शुरू हुई। ब्लॉक मुख्यालय छावनी में बदल गया था।पीडी, डीडीओ, डीपीआरओ, एसडीएम विदुषी सिंह, सीओ बल्दीराय सौरभ सामंत समेत एसओ दोस्तपुर, कूरेभार, कुड़वार, बल्दीराय, धनपतगंज समेत भरी पुलिस बल मौजूद थी। इस बीच वीडियो ग्राफी के मध्य वोटों की गिनती हुई। अविश्वास में कुल पड़े 1574 वोटों में प्रधान रामदेव को मात्र 188 वोट से संतोष करना पड़ा। जबकि उसके विरोध 1379 वोट पड़े। यानी केवल भद्र परिवार ही नहीं बल्कि क्षेत्र के हजारों लोग प्रधान की कार्यशैली से नाराज रहे। जो परिणाम के रूप में सामने आया। बता दें कि ग्राम पंचायत मायंग के ग्राम पंचायत सदस्यों ने 27 अक्टूबर को अविश्वास की नोटिस दिया था। अगले दिन भदैया ब्लॉक के सहायक विकास अधिकारी सतीश चंद्र श्रीवास्तव को हस्ताक्षर के सत्यापन के लिए लगाया गया। 31 अक्टूबर को पंचायत भवन मायंग पर प्रभारी सहायक विकास अधिकारी धनपतगंज की मौजूदगी में हस्ताक्षर का सत्यापन किया। जहां 15 सदस्यों द्वारा लिखित रूप से शपथ पत्र दिया गया कि अविश्वास पर अपने विवेक से हस्ताक्षर किए थे। 22 नवंबर को मतदान हुआ था। जिसमें कुल 5139 के सापेक्ष कुल 1575 वोट पड़े थे।प्रधान ने हाईकोर्ट में रिट कर रखा था जिसके आदेश के अनुपालन में मतगणना नहीं हो सकी थी। प्रधान रामदेव निषाद द्वारा हाईकोर्ट में दायर याचिका को 28 नवंबर को निरस्त कर दिया था। साथ ही 4 नवंबर के प्रशासन के आदेश को वैध घोषित किया था।

पीआरडी का 75 व स्थापना दिवस 11 दिसंबर को झांसी में मनाया जाएगा

झांसी ! उत्तर प्रदेश पीआरडी कर्मचारी एसोसिएशन रजिस्टर ने पीआरडी प्रांतीय रक्षक दल द्वारा पीआरडी के स्थापना दिवस के अवसर पर 11 दिसंबर 2023 को उत्तर प्रदेश पीआरडी संगठन के पदाधिकारी को विभाग द्वारा प्रतिनिधित्व के लिए बुलाया जाए लिए डॉ सुभाष रायकवार प्रदेश महासचिव मंडल अध्यक्ष पीआरडी एसोसिएशन जिलाधिकारी महोदय झांसी एवं प्रांतीय रक्षक दल जिला युवा कल्याण विकास अधिकारी प्रार्थना पत्र दिया प्रांतीय रक्षक दल पीआरडी का 75 व स्थापना दिवस 11 दिसंबर 2023 सोमवार को बुंदेलखंड के जनपद झांसी में मनाया जाएगा हमारे उत्तर प्रदेश पीआरडी जवान एवं महिला पी आर डी के हित में एसोसिएशन विगत कई वर्षों से लगातार संघर्ष करती आ रही है संगठन रजिस्टर्ड होने के नाते प्रतिनिधि मंडल को झांसी मंडल के विभाग द्वारा सुनिश्चित कार्यक्रम में बुलाकर उनका सम्मान करने का काम करें नोट उत्तर प्रदेश पीआरडी एसोसिएशन के समस्त पदकारियों एवं समस्त पीआरडी जवानों को सूचित किया जाता है कि 11 दिसंबर 2023 सोमवार समय 11रू00 बजे दिन को गुरु नानक रस बहार चौराहा स्थित सुभाष मार्केट सीपरी बाजार झांसी में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति पर माला अर्पण किया जाएगा एवं आगामी रणनीति बनाई जाएगी।

कृषि विवि व जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के बीच एमओयू

कुमारगंज–अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय व जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, अयोध्या के बीच एक एमओयू हुआ। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति डा. बिजेंद्र सिंह व जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान की ओर से प्राचार्य जय प्रताप सिंह ने एमओयू पर हस्ताक्षर किया। इस एमओयू के तहत इस संस्थान द्वारा छात्र–छात्राओं के लिए समय–समय पर व्याख्यान, सेमिनार, वेबिनार के आयोजन कराए जाएंगे। छात्र–छात्राओं को व्यवसायिक शिक्षा के प्रति उन्मुखीकरण एवं विभिन्न कौशल प्रशिक्षण का मौका मिलेगा। यह संस्थान छात्र–छात्राओं के लिए खेल में प्रतिभागिता के अवसर के साथ–साथ नई शिक्षा नीति से जोड़ने पर कार्य करेगा जिससे बच्चों की बौद्धिक क्षमता का विकास होगा। वहीं दूसरी तरफ कृषि विश्वविद्यालय शोध कार्यों में मदद के साथ–साथ शिक्षण विधियों के विकास एवं मूलयांकन तकनीक विकसित करने में इस शिक्षण संस्थान का सहयोग करेगा। दोनों पक्ष एक दूसरे के भौतिक एवं मानवीय संसाधनों का उपयोग कर छात्र–छात्राओं के हित में कार्य करेंगे। यह सभी सहयोग छात्र– छात्राओ को निःशुल्क प्रदान किए जाएंगे। इस मौके पर कुलपति के सचिव डा. जसवंत सिंह, कुलसचिव डा. पीएस. प्रमाणिक, प्राचार्य जय प्रताप सिंह, ज्ञानेंद्र कुमार मौजूद रहे।

रामलला के अनुष्ठान में शामिल होंगे 151 वैदिक आचार्य

अयोध्या। भव्य राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिये अनुष्ठान में 151 वैदिक आचार्य भाग लेंगे। बताया जा रहा है कि श्रीरामजन्मभूमि परिसर में नवनिर्मित राम मंदिर में रामलला के स्थापित होने के बाद पहली आरती प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उतारेंगे। प्राण प्रतिष्ठा के अनुष्ठान में 151 वैदिक आचार्यों को लगाया जा रहा है। कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य विजेन्द्र सरस्वती के मार्गदर्शन में आचार्यों की टोली का विगत दिनों चयन हुआ है। काशी के वैदिक विद्वान लक्ष्मीकांत दीक्षित प्रमुख आचार्य होंगे। उनके साथ 151 पंडितों की टोली रहेगी जो विभिन्न पारायण, पाठ, यज्ञ आदि करेगी। काशी के ही प्रसिद्ध वैदिक विद्वान गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ की निगरानी में सारे अनुष्ठान होंगे। उन्होंने बताया कि 17 जनवरी को रामलला की अचल मूर्ति की भव्य शोभायात्रा निकालकर रामजन्मभूमि में स्थापित की जायेगी जबकि 18 जनवरी से पूजन–अर्चन, अनुष्ठान की प्रक्रिया शुरू होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 22 जनवरी को रामजन्मभूमि परिसर में पहुंचने के बाद सबसे पहले जटायु मंदिर जायेंगे। जटायु उन कारसेवकों, बलिदानियों के प्रतीक हैं जिन्होंने भगवान के कार्य के लिये जीवन को न्यौछावर किया है। उन सबके प्रतिनिधि के रूप में जटायु को पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। उसके बाद वह रामलला का प्राण प्रतिष्ठा करेंगे। कार्यक्रम में मौजूद देश भर से आये साधु संतों से आशीर्वाद लेंगे। इसके बाद समारोह में देश–विदेश से आये अतिथियों को रामलला के दर्शन कराये जायेंगे।

एसडीएम ने बैठक कर व्यापारियों की समस्याएं सुनी

मिल्कीपुर–अयोध्या। मिल्कीपुर क्षेत्र के प्रमुख बाजारों के व्यापारियों ने एसडीएम मिल्कीपुर के साथ बैठक कर उन्हें अपनी समस्याएं बताई।तहसील के सभाकक्ष में हुई बैठक में बारुन बाजार, कुचेरा बाजार, इनायतनगर बाजार,मिल्कीपुर बाजार एवं कुमारगंज बाजार के व्यापारियों के अलावा भाजपा के पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा भी मौजूद रहे।एसडीएम ने व्यापारियों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए उसके जल्द ही समाधान का आश्वासन दिया। बैठक में व्यापार मंडल अध्यक्ष बारुन बाजार श्याम किशोर कौशल ने नवनिर्मित फोरलेन की फुटपाथ पर अतिक्रमण का मुद्दा उठाते हुए कहा कि अतिक्रमणकारियों ने फुटपाथ को कई स्थानों पर पूरी तरह से अवरुद्ध कर दिया है जिसे जनहित में अतिक्रमण मुक्त कराना आवश्यक है। इनायतनगर बाजार के व्यापारी नेता अरुण गुप्ता ने तहसील मोड़ पर बने कट पर हो रही दुर्घटनाओं का मुद्दा उठाया और सड़क बनाने वाली कंपनी पीएनसी पर आरोप लगाया कि गलत स्थान पर कट बनाने के कारण दर्जनों लोग असमय ही सड़क दुर्घटना में काल के गाल में समा चुके हैं।कुचेरा बाजार के व्यापारी नेता दशरथ कौशल ने बाजार में फोरलेन के ऊपर लग रही सब्जियों की दुकानों को सुरक्षित स्थान पर समायोजित कराने की मांग किया। इसी तरह कुमारगंज के व्यापारी नेता बैजनाथ वैश्य ने पुराने जमाने में स्टांप पर जमीन खरीद कर दुकान कर रहे व्यापारियों की समस्या उठाते हुए कहा कि जमीन का बैनामा न होने की वजह से अब व्यापारियों को खतौनी के आधार विक्रेता की नई पीढ़ी द्वारा व्यापारियों को बेदखल करने की नीयत से परेशान किया जा रहा है। इसके साथ साथ कई अन्य समस्याओं को व्यापारियों ने एसडीएम मिल्कीपुर के सामने उठाया। बैठक में नवल जायसवाल, पंकज कौशल समेत दर्जनों व्यापारी मौजूद रहे।

अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए डबल इंजन की सरकार संकल्पित – कमलेश श्रीवास्तव

– विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत महानगर के तीन स्थानों पर लगाया गया कैम्प

संवाददातां

अयोध्या। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत महानगर के तीन स्थानों पर कैम्प का अयोजन किया गया। अम्बेडकर नगर व निषाद नगर वार्ड ग्रामीण क्षेत्र के कर्मा कोड़री में आयोजित कैम्प में विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी व भाजपा के पदाधिकारी मौजूद रहे। कैम्प में शिकायतकर्ताओं को शिकायतों को सूची बद्ध किया गया। भाजपा नेताओं द्वारा सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से सम्पर्क व संवाद किया गया। उपस्थित जनसमूह को केन्द्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया गया। अम्बेडकर नगर वार्ड में महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ सभी पात्र व्यक्तियों को बिना किसी भेदभाव दिया जा रहा है। पं दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के सिद्धान्त पर पार्टी कार्य कर रही है। अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए डबल इंजन की सरकार संकल्पित है। मंडल अध्यक्ष रवि सोनकर, रामकुमार सिंह राजू, कैम्प के संयोजक जयप्रकाश श्रीवास्तव सहसंयोजक जितेन्द्र निषाद सहित पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे। निषाद नगर वार्ड में महिला मोर्चा की क्षेत्रीय उपाध्यक्ष बसंती सिंह व अनूसूचित मोर्चा के अध्यक्ष सूरज सोनकर व पूरा क्षेत्र के कर्मा कोड़री में महानगर उपाध्यक्ष अरविंद सिंह कार्यक्रम संयोजक प्रदीप सिंह, दिनेश मिश्र आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रह कर जनसमुदाय से सम्पर्क व संवाद कर समस्या का निराकरण करवाया।

डीडीआर की अमर्यादित भाषा पर बिफरे कार्यालय सहायक

–शिक्षा भवन परिसर में कार्य बहिष्कार कर किया धरना प्रदर्शन

संवाददातां

अयोध्या। उप शिक्षा निदेशक (डीडीआर) मंडल अयोध्या पर कार्यालय सहायकों से अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने का आरोप लगाया गया है। यूपी एजुकेशनल मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन ने डीडीआर के कर्मचारियों के प्रति व्यवहार पर आक्रोश व्यक्त किया है। जिसको लेकर आज एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष नीरज कुमार शुक्ला के नेतृत्व में शिक्षा भवन परिसर में संपूर्ण कार्य बहिष्कार कर धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि डीडीआर के द्वारा जिस तरह से कर्मचारियों पर अभद्र व्यवहार किया जा रहा है।हमारे कर्मचारी जब लगातार इनके पास अपनी फाइल लेकर जाते हैं तो उनके साथ सभी को गाली देकर निकाल देते हैं। उनके लगातार गाली देने पर संगठन ने इसे अनुरोध किया था कि अपने व्यवहार में सुधार लाइए और 3 महीने अपने व्यवहार में डीडी आर सुधार लाए थे। लेकिन फिर उसके बाद उनके द्वारा कर्मचारियों के साथ गलत व्यवहार फिर से शुरू हो गया। सभी मानसिक रूप से पीड़ित हो चुके हैं किसी भी प्रकार की कोई भी घटना कर सकती है।इसके संबंध कर्मचारियों ने संगठन को एक लिखित पत्र अवगत कराया है। और संगठन ने मंडलीय कार्यकारिणी और जनपदीय कार्यकारिणी के माध्यम से आज जनपद में समस्त कार्यालय बंद किया गया। इस मौके पर संघ के मंडलीय अध्यक्ष हरिकृष्ण, श्रीवास्तव मंडलीय मंत्री प्रदीप कुमार सचिव रामविलास यादव, जिला अध्यक्ष अजय शुक्ला, नीरज शुक्ला, मनीष गोत, जनार्दन यादव, केके किसी अन्य कलजिया, आरडी चौधरी, हरवंश कर्मचारियों आदि रहे।

ट्रैक्टर ट्राली ने बाइक सवार युवक को रौंदा, मौत

–यश पेपर मिल के पास हुई दुर्घटना

अयोध्या। अयोध्या– अम्बेडकरनगर हाईवे पर स्थित यश पेपर मिल के पास शुक्रवार सुबह 9 बजे कार की टक्कर से एक बाइक सवार ईंट लदी ट्राली के नीचे चला गया। ट्रैक्टर ट्राली बाइक समेत युवक को करीब सौ मीटर तक घसीट ले गई। हादसे की चपेट में आकर युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने कार, ट्रैक्टर ट्राली को कब्जे में ले लिया है। कार चालक व ट्रैक्टर चालक दोनों मौके से फरार हो गए। दर्शननगर चौकी के उप निरीक्षक एसएन सिंह ने बताया कि महाराजगंज थाना क्षेत्र के सरायराशी गांव निवासी अमर बहादुर निषाद (21) पुत्र राम जियावन निषाद बाइक से अयोध्या शहर की तरफ जा रहा था। जैसे ही हाईवे पर पेपर मिल के पास पहुंचा कि पीछे से एक कार ने टक्कर मार दिया। टक्कर लगने के बाद बाइक सवार ईट लाद कर जा रही ट्राली के नीचे चला गया।

संपादकीय

काप समिट का क्या अर्थ ?

यह महत्त्वपूर्ण प्रश्न उठा है कि जब मेजबान देश ही जलवायु सम्मेलन का इस्तेमाल जलवायु परिवर्तन रोकने के मकसद के खिलाफ कर रहा हो, तो फिर ऐसे आयोजन की क्या प्रासंगकिता रह जाती है?

जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने के लिए संयुक्त राष्ट्र की कॉप (कॉन्फरेंस ऑफ पार्टीज) प्रक्रिया की प्रासंगिकता पर अब वाजिब सवाल उठ रहे हैं। फिलहाल इस प्रक्रिया के तहत 28वां सम्मेलन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में हो रहा है। वैसे भी पिछले 27 सम्मेलनों में यह प्रक्रिया ज्यादा कुछ हासिल करने में नाकाम रही। लेकिन तब कम–से–कम इतना होता था कि जलवायु परिवर्तन के खतरों को लेकर सारी दुनिया एक स्वर से चिंता जताती थी। मगर यूएई में तो खुद मेजबान ने अब बनी मूलभूत समझ को चुनौती दे दी है। यूएई का राष्ट्रपति होने के नाते सुल्तान अल जबर कॉप–28 के अध्यक्ष हैं। इस महत्त्वपूर्ण भूमिका में होने के कारण उनकी राय ने दुनिया भर का ध्यान खींचा है। सुल्तान अल जबर ने कहा कि ऐसा कोई विज्ञान मौजूद नहीं है, जो जीवाश्म ऊर्जा का उपयोग चरणबद्ध ढंग से घटाने की जरूरत बताता हो। ऐसा आप तभी कर सकते हैं, जब आपने दुनिया को गुफाओं में वापस धकेल देने का इरादा कर लिया हो। इसके साथ ही ये तथ्य चर्चित हुआ कि अल जबर यूएई की राष्ट्रीय तेल कंपनी एडीएनओसी के अध्यक्ष भी हैं। इस रूप में तेल के कारोबार को जारी रखने के साथ उनका स्वार्थ जुड़ा हुआ है। इस बीच बीबीसी ने ई–मेल की लीक हुई एक शृंखला के आधार पर एक बड़ा खुलासा किया है कि यूएई ने कॉप–28 सम्मेलन के मौके पर तेल और गैस के सौदे करने– यानी अपने कारोबार को बढ़ाने की एक बड़ी योजना बनाई थी। संभवतरू कॉप–28 के दौरान उस पर अमल भी हो रहा है। तो ये प्रश्न उठा है कि जब मेजबान जलवायु सम्मेलन का इस्तेमाल जलवायु परिवर्तन रोकने के मकसद के खिलाफ कर रहा हो, तो फिर ऐसे आयोजन की क्या प्रासंगकिता रह जाती है? अब तक यह कहा जाता था कि भले कॉप प्रक्रिया से ठोस कुछ हासिल ना होता हो, लेकिन कम–से–कम इस मौके पर होने वाली चर्चाओं से दुनिया में जलवायु समस्या को लेकर जागरूकता फैलती है। यह सच भी है। लेकिन इस बार तो खुद सम्मेलन के अध्यक्ष ने उस समझ को चुनौती दे डाली है, जो दशकों के प्रयास से बनी है।

ईवीएम का विवादित मसला

अगर ईवीएम अविश्वसनीय हैं, तो फिर कांग्रेस या संपूर्ण विपक्ष को इस मुद्दे को एक संगठित ढंग से उठाना चाहिए। साथ ही इन दलों को यह कहना चाहिए कि वे चुनाव में भाग तभी लेंगे, जब इन्हें विश्वसनीय विधि से कराया जाएगा।

मध्य प्रदेश में कांग्रेस को दो बड़े नेताओं– दिग्विजय सिंह और कमलनाथ ने जो कहा है, उसका संकेत है कि वे राज्य में अपनी पार्टी की हुई हार को स्वीकार करने से इनकार कर रहे हैं। दिग्विजय सिंह ने साफ कहा है कि उन्हें ईवीएम पर भरोसा नहीं है। इसके पहले जब एक एग्जिट पोल में भाजपा को 160 से अधिक सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया था, तब सिंह ने ट्विट कर उस सर्वे एजेंसी के कर्ताधर्ता की साख पर सवाल उठाया था। कमलनाथ ने संदेह जताया है कि उस सर्वे एजेंसी को पहले से नतीजा पता था, और उसने ऐसे परिणाम के बारे में पहले से माहौल बनाने की कोशिश की। स्पष्टतरू ये गंभीर आरोप हैं। इनकी गंभीरता इसलिए अधिक बढ़ जाती है, क्योंकि इनका सीधा संबंध भारतीय लोकतंत्र की साख से है। लोकतंत्र का यह अनिवार्य तत्व है कि उसमें होने वाले चुनावों में सभी सहभागी पक्षों का यकीन बना रहे। तभी राजनीतिक दल अपनी हार को सहजता से स्वीकार करते हैं।

अपेक्षा यह होती है कि पार्टियां अपनी हार को इस रूप में स्वीकार करें कि इस बार वे मतदाताओं का पर्याप्त समर्थन नहीं जुटा पाए। लेकिन अगर दल यह मानें कि मतदाताओं का बहुमत उनके साथ था, लेकिन किसी प्रकार की धांधली से जीत उनसे छीन ली गई, तो फिर चुनाव और लोकतंत्र दोनों की साख खतरे में पड़ जाती है। इसीलिए दिग्विजय सिंह और कमलनाथ के बयानों को हलके से नहीं लिया जा सकता। इन बयानों से कई प्रश्न उठे हैं। मसलन, यह कि जब कांग्रेस जीत जाती है, वहां उसके नेता ऐसे सवाल क्यों नहीं उठाते? फिर ऐसे प्रश्न चुनाव नतीजे आने के बाद क्यों उठाए जाते हैं? अगर ईवीएम अविश्वसनीय हैं, तो फिर कांग्रेस या संपूर्ण विपक्ष को इस मुद्दे को एक संगठित ढंग से उठाना चाहिए। साथ ही उसे यह बताना चाहिए कि किस विधि से होने वाले चुनाव को वह विश्वसनीय मानेगा। उसे यह कहना चाहिए कि जब तक उसकी शर्तें पूरी नहीं होतीं, वह चुनावों में भाग नहीं लेगा। वरना, चुनावों के बाद ऐसे आरोप अंगूर खट्टे हैं, वाली कहावत की श्रेणी में माने जाएंगे।

जो बाइडन कठिन है डगर पनघट की

अमेरिका एक बड़ा तबका परेशानहाल है। कारणरू हाल में हुए जनमत सर्वेक्षणों के नतीजे। जो बाइडन अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंदी डोनाल्ड ट्रंप से पिछड़ रहे हैं। न्यूयार्क टाईम्स और सिएना कालेज के जनमत सर्वेक्षण से मालूम पड़ा कि प्रमुख राज्यों में ट्रंप, बाइडन से 10 पॉइंट आगे हैं। एनबीसी न्यूज द्वारा करवाए गए राष्ट्रस्तरीय जनमत सर्वेक्षण में ट्रंप, बाइडन से बहुत थोड़े अंतर पाए गए। इन परस्पर विरोधी आंकड़ों ने डेमोक्रेटों, बुद्धिजीवियों, अध्येताओं, डेमोक्रेट मतदाताओं और अमरीका के शुभचिंतकों के बीच चिंता की लहर पैदा कर दी है। यह साफ है कि बाइडन में लोगों का भरोसा कम हो रहा है।

और यह इस तथ्य के बावजूद कि जो बाइडन का पहला कार्यकाल काफी हद तक सफल कहा जा सकता है। वे देश के हालात सामान्य बना सके। उन्होंने अपने पूर्ववर्ती को, देश को और अधिक नुकसान नहीं पहुंचाने दिया। उन्होंने यूक्रेन पर हुए आक्रमण और इजराइल–हमास युद्ध दृ दोनों मामलों में दृढ़ता का परिचय दिया।

लेकिन इसके बावजूद चुनावों के एक साल पहले बाइडन देश की पहली पसंद नहीं हैं। सवाल है कौनसी बातें उनके खिलाफ जा रही हैं? सबसे मुख्य है उनकी आयु। हालांकि मेरा मानना है कि उनकी उम्र मात्र एक नंबर होती है और उनकी चुस्ती–फुर्ती को देखते हुए लगता है कि उनकी आयु के मुद्दे को जरूरत से ज्यादा तूल दिया जा रहा है। वैसे ट्रंप भी युवा नहीं हैं! किंतु सीएनएन के हालिया राष्ट्रीय जनमत सर्वेक्षण में भी ट्रंप को बाइडन से चार प्रतिशत आगे बताया गया है।

केवल एक–चौथाई लोगों ने माना कि राष्ट्रपति में ष्अपना काम करने लायक शारीरिक और मानसिक क्षमता हैष् जबकि 77 वर्षीय ट्रंप के बारे में आधे से अधिक लोगों ने कहा कि ट्रम्प में यह क्षमता है। इससे यह स्पष्ट है कि बहुत से लोगों ने आयु के आधार पर अपनी पसंद तय की है।

दूसरा मसला जनता तक अपनी बात पहुंचाने काहै। बाइडन और उनका प्रशासन जनता को अपने बेहतर काम से वाकिफ नहीं कर पाया है। इसमें कोई संदेह नहीं कि पिछले चार सालों में बाइडन ने अमेरिका को डावांडोल स्थिति से निकालकर वहां स्थिरता कायम की है दृ चाहे हम अर्थव्यवस्था के बात करें या विदेश नीति की। लेकिन वे श्बाइडनोमिक्सश्र जैसी उनके लिए घातक ब्रांडिंग में उलझ गए हैं।

मुलाकात के ठीक बाद चीन को झटका देते हुए इटली हुआ बीआरआई से बाहर, दुनिया बोली– मोदी है तो मुमकिन है

सोशल मीडिया पर तमाम तरह की बातें कही जा रही हैं लेकिन आइये जरा दोनों देशों के संबंधों के प्राचीन और हालिया इतिहास पर एक निगाह डालते हैं ताकि यह स्पष्ट हो सके कि दोनों देश क्यों दूर हुए थे और क्यों करीब आ रहे हैं। इटली ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव यानि बीआरआई से बाहर निकलने का ऐलान किया तो सोशल मीडिया पर एक बार फिर ट्रेंड हुआ कि मोदी है तो मुमकिन है। हम आपको याद दिला दें कि इस साल सितंबर महीने में जब जी–20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी भारत आईं थीं तो उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय मुलाकात से ठीक पहले चीन के प्रधानमंत्री ली क्विंग से मुलाकात की थी और इस मुलाकात के दौरान उन्हें यह संकेत देकर बड़ा झटका दे दिया था कि इटली चीन के बीआरआई प्रोजेक्ट से बाहर निकलना चाहता है। इसके दो दिन बाद इटली ने चीन को एक और बड़ा झटका देते हुए ऐलान किया कि वह भारत–मध्य पूर्व और यूरोप की आर्थिक कॉरिडोर परियोजना में शामिल होगा। इसके बाद, अब दुबई में हाल में संपन्न ब्व्28 बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मेलोनी के साथ बैठक और दोनों नेताओं की सेल्फी वायरल होने के बाद इटली ने इस बात का औपचारिक ऐलान कर दिया कि वह बीआरआई प्रोजेक्ट से बाहर हो रहा है। इटली क्यों चीन का साथ छोड़ रहा है और क्यों भारत के करीब आना चाह रहा है इसको लेकर सोशल मीडिया पर तमाम तरह की बातें कही जा रही हैं लेकिन आइये जरा दोनों देशों के संबंधों के प्राचीन और हालिया इतिहास पर एक निगाह डालते हैं ताकि यह स्पष्ट हो सके कि दोनों देश क्यों दूर हुए थे और क्यों करीब आ रहे हैं। भारत–इटली संबंधों के महत्वपूर्ण बिंदु जहां तक भारत और इटली के प्राचीन संबंधों की बात है तो आपको बता दें कि दोनों देश विश्व की प्राचीन सभ्यताएं हैं और इनका संबंध 2,000 वर्ष पुराना है। भारत की आजादी से पहले भारत–इटली संबंधों के महत्वपूर्ण पड़ावों की बात करें तो इतिहास में उल्लेख मिलता है कि इतालवी बंदरगाह शहर महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र थे जिसके चलते भारत के व्यापारिक संबंध यहां से जुड़े। इसके अलावा, वेनिस के व्यापारी मार्को पोलो ने 13वीं शताब्दी में भारत की यात्रा के बाद अपने अनुभवों के बारे में काफी कुछ लिखा था। साथ ही, पिछली सदी में नोबेल पुरस्कार विजेता रवीन्द्रनाथ टैगोर ने मई–जून 1926 में इटली का दौरा किया था। इस यात्रा की व्यवस्था रोम विश्वविद्यालय में संस्कृत के प्रोफेसर कार्लो फॉर्मिची ने की थी। यही नहीं, दिसंबर 1931 में लंदन में गोलमेज सम्मेलन से लौटते समय महात्मा गांधी ने भी रोम का दौरा किया था। इतिहास की पुस्तकों में यह भी उल्लेख मिलता है कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान नेताओं ने इतालवी क्रांतिकारी माजिनी को भी खूब पढ़ा था। इसके अलावा, ब्रिटिश भारतीय सेना में कार्यरत भारतीय सैनिक द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी और मुसोलिनी की सेना के खिलाफ लड़ते हुए इटली में तैनात थे। 1947 में स्वतंत्रता के बाद भारत और इटली के बीच राजनयिक संबंध स्थापित हुए और तब से दोनों देशों के बीच राजनीतिक और आधिकारिक स्तर पर यात्राओं का नियमित आदान–प्रदान होता रहा है, जिसमें राष्ट्राध्यक्षों की कई यात्राएँ भी शामिल हैं।सोनिया–मनमोहन के कार्यकाल में इटली से भारत के संबंध विवादों में रहेभारत और इटली के संबंधों में खराब दौर की बात करें तो आपको बता दें कि दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को 2012 में झटका लगा था जब दो इतालवी नौसैनिकों पर उस वर्ष फरवरी में दो भारतीय मछुआरों की हत्या का आरोप लगाया गया। उस समय नौसैनिक सल्वाटोर गिरोने और मासिमिलियानो लातोरे, केरल के तट पर एक इतालवी तेल टैंकर की सुरक्षा कर रहे थे, जब उन्होंने मछुआरों को ले जा रही नाव पर गोलीबारी की। नौसैनिकों ने कहा कि उन्होंने मछुआरों को समुद्री डाकू समझ लिया था। इटली ने तर्क दिया था कि मछुआरे एमवी एनरिका लेक्सी टैंकर से दूर रहने की चेतावनी पर ध्यान देने में विफल रहे थे। इस घटना के बाद दोनों इतालवी नौसैनिकों को गिरफ्तार कर लिया गया था और उन पर हत्या का आरोप लगाया गया। उन्हें केरल से नई दिल्ली ले जाया गया और जब उनका मुकदमा चल रहा था तब वे इतालवी दूतावास परिसर में रुके थे। उस समय इटली के राजदूत को उनका गारंटर बनना पड़ता था। मामला तब तूल पकड़ गया, जब प्रधानमंत्री पद के तत्कालीन उम्मीदवार नरेंद्र मोदी ने 2014 के लोकसभा चुनावों के दौरान अपने चुनाव अभियान में इस मुद्दे को उठाया। बाद में मुकदमा लंबित होने के कारण, दोनों इतालवी नौसैनिकों को इटली लौटने की अनुमति दी गई। 2015 में दोनों देश इस मामले को हेग में स्थायी मध्यस्थता न्यायालय (पीसीए) में ले गए। पीसीए ने इटली को ष्जीवन के नुकसान के लिएष् भारत को मुआवजा देने का आदेश दिया और इटली द्वारा 100 मिलियन रुपये की राशि का भुगतान करने के बाद आखध्रिकार, मामला 2021 में बंद कर दिया गया। इसके अलावा, 2011–12 में दोनों देशों के संबंध तब तनावपूर्ण हो गये थे जब इटली सरकार समर्थित रक्षा कंपनी फिनमेकेनिका द्वारा कथित अनैतिक लेनदेन की इतालवी अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने जांच की। जांच के दौरान इस समूह की सहायक कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड द्वारा भारत के साथ हस्ताक्षरित 3,500 करोड़ रुपये से अधिक के सौदे में भ्रष्टाचार पाया गया। हम आपको बता दें कि 2010 में हुआ यह सौदा भारतीय वायुसेना को 12 ॅ।–101 हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति का अनुबंध था। भ्रष्टाचार के आरोप सामने आने के बाद यह मुद्दा तेजी से भारत में राजनीतिक रूप से तूल पकड़ गया। सोनिया गांधी के इतालवी मूल ने भाजपा को कांग्रेस पर हमला करने के लिए और अधिक हथियार दे दिए, जो उस समय पहले से ही भ्रष्टाचार के घोटालों से जूझ रही थी। इसके बाद अनुबंध रद्द होने और जून 2014 में इटली में कानूनी मामला जीतने के बाद भारत सरकार ने 2,000 करोड़ रुपये की गारंटी भुना ली जिससे दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया। हालांकि इतालवी अदालतों ने 2018 में अपर्याप्त सबूतों के आधार पर सभी आरोपों को खारिज कर दिया। साथ ही इतालवी अदालतों के फैसले को 2019 में इटली के सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा था। मोदी के कार्यकाल में इटली से भारत के संबंध सुधरे भारत और इटली के संबंधों में सुधार लाने का काम 2018 से शुरू हुआ। जब तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने 2–5 सितंबर 2016 को वेटिकन में मदर टेरेसा को संत घोषित करने संबंधी समारोह के लिए एक आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। उस दौरान उन्होंने अपने इतालवी समकक्ष पाओलो जेंटिलोनी से मुलाकात की और दोनों पक्षों ने राजनयिक संबंधों के 70वें वर्ष का जश्न मनाने का फैसला किया। 2018 में यह उत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला के माध्यम से मनाया गया। इसके बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दिसंबर 2019 में रोम का दौरा किया और तत्कालीन प्रधानमंत्री ग्यूसेप कोंटे से मुलाकात की। इसके बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इटली के पीएम कोंटे ने 6 नवंबर 2020 को भारत और इटली के बीच एक वर्चुअल शिखर सम्मेलन की सह–अध्यक्षता की। इसमें 2020–2025 कार्य योजना को अपनाया गया। इस दौरान देशों के बीच बढ़ी हुई साझेदारी के लिए महत्वाकांक्षी एजेंडा तय किया गया। इसके बाद मोदी ने ळ20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए अक्टूबर 2021 में इटली की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा की। शिखर सम्मेलन के मौके पर उन्होंने इटली के तत्कालीन प्रधान मंत्री

कांग्रेस चुनाव लडना सचमुच भूल गई है!

अजीत द्विवेदी

उत्तर भारत में क्यों कर कांग्रेस डूबी–3रू नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने भाजपा को चुनाव लडने की मशीनरी बना दिया है। और राजनीति में यह अच्छी बात है। ठिक दूसरी तरफ कांग्रेस चुनाव लडना भूल गई! कैसे और क्यों? आज हकीकत है कि कांग्रेस कंपीटिशन मेंन तो चुनाव लडने की मशीनरी बनी है बल्कि चुनाव लडने की बेसिक्स भी छोड़ बैठी है। दूसरे शब्दों में किस तरह से उम्मीदवारों का चयन होता है, कैसे जमीनी मुद्दे उठाए जाते हैं, किस तरह से प्रदेशों में संगठन काम करता है, कैसे चुनाव अभियान समिति काम करती है,कैसे केंद्रीय टीम के साथ प्रदेश कमेटी के तालमेल होते है, चुनाव के बीच जमीनी स्तर पर क्या क्या तैयारियां होती हैं और कहां नेतृत्व को रणनीतिक लचीचापन दिखाना होता है और कहां सख्ती करनी होती है, जबकि ये सब ऐसी चीजें हैं, जो कांग्रेस और उसके नेताओं को सामान्य ज्ञान की तरह पता होनी चाहिए! इस बारे में किसी भी पार्टी को कुछ भी बताना पानी में मछली को तैरना सिखाने की तरह है। लेकिन अफसोस की बात है कि कांग्रेस संगठन चलाने, चुनाव लडने और लड़ कर सत्ता हासिल करने का बेसिक इंस्टिंक्ट भूल चुकी है।

हिंदी पट्टी के तीन राज्यों– राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस चुनाव हारी तो ईमानदारी से उसका विश्लेषण करने की बजाय कांग्रेस नेता तेलंगाना का वोट जोड़ कर कहने लगे कि कांग्रेस को भाजपा से 10 लाख वोट ज्यादा मिला है। हकीकत यह है कि इन तीन राज्यों में कांग्रेस को भाजपा से 50 लाख वोट कम मिला है। कांग्रेस को तीन लाख 98 हजार वोट मिला है तो भाजपा को चार करोड़ 51 लाख वोट मिला है। राजस्थान के नजदीकी मुकाबले को छोड़ दें तो दो राज्यों में कांग्रेस को निर्णायक हार मिली है। लेकिन अब कांग्रेस नेता इस टोटके की बात कर रहे हैं कि 2003 में इन राज्यों में कांग्रेस हारी थी तो 2004 में देश की सत्ता उसको मिल गई थी। ऐसी जब सोच है तो फिर भगवान ही मालिक है!

बहरहाल, अगर ईमानदारी से कांग्रेस इन तीन राज्यों में हार के कारणों की तलाश करती तो उसको पता चल जाता कि इन राज्यों में हार के बीज 2018 में ही पड़ गए थे। असल में कांग्रेस में इन दिनों केंद्रीय आलाकमान की तरह राज्यों में भी आलाकमान बनाने का चलन हो गया है। पहले कांग्रेस में एक ही आलाकमान होता था। लेकिन अब राज्यों में छोटे छोटे आलाकमान बना दिए गए हैं। राज्यों में एक ही नेता के हाथ में सब कुछ सौंप दिया जाता है और उसके फैसले पर सवाल नहीं उठाया जाता है। यह संगठन के कमजोर होने और जमीनी नेताओं के हाशिए पर जाने का कारण बना है। सोचें, जब 2018 में मध्य प्रदेश में कमलनाथ मुख्यमंत्री बने तो उन्हीं को प्रदेश अध्यक्ष क्यों बनाए रखा गया? ज्योतिरादित्य सिंधिया ने चुनाव अभियान समिति के बतौर प्रमुख के नाते कितनी मेहनत की थी, क्या यह किसी से छिपा हुआ था? लेकिन उन्हें सरकार या संगठन में हिस्सेदार नहीं बनाया गया। जब वे लोकसभा चुनाव हार गए तो उन्हें 2020 में राज्यसभा जाने से भी रोकने का प्रयास हुआ, जिसका नतीजा यह हुआ कि 15 साल बाद मिली सत्ता कांग्रेस ने गंवा दी। इस बार चुनाव में ग्वालियर–चंबल संभाग के नतीजों से पता चल रहा है कि सिंधिया के होने या नहीं होने का क्या असर हुआ है।

बिल्कुल यही स्थिति राजस्थान की रही, जहां अशोक गहलोत के हाथ में सब कुछ सौंप दिया गया। सचिन पायलट बागी हुए तो उनके प्रति लचीलापन दिखाने की बजाय उनको सबक सिखाने का फैसला हुआ। सबको पता है कि 2018 के राजस्थान विधानसभा चुनावों से पहले प्रदेश अध्यक्ष के नाते पायलट ने कितनी मेहनत की थी। जाति का ही सही लेकिन एक वोट आधार बना था। इस बार के चुनावों में पूर्वी राजस्थान के नतीजों से पायलट की उपयोगिता का पता चल रहा है। अगर गहलोत अपने अहंकार और सर्वज्ञ होने की सोच में चुनाव नहीं लड़ते तो आज वे रिवाज बदल कर मुख्यमंत्री बनते। राज्य की 44 सीटें ऐसी हैं, जहां तीसरी पार्टी या निर्दलीय को हार–जीत के अंतर से ज्यादा वोट मिला है। ये सारी सीटें भाजपा ने जीती हैं और कांग्रेस दूसरे नंबर पर रही है। गहलोत को भारतीय आदिवासी पार्टी, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, आम आदमी पार्टी और कम्युनिस्ट पार्टियों को कुछ सीटें देकर उनसे तालमेल करना था। लेकिन या तो वे इस अहंकार में थे कि वे जीत जाएंगे या यह सोचा हुआ था कि कांग्रेस को हरवा कर जाना है। ऐसे में कांग्रेस आलाकमान का सार्थक हस्तक्षेप हो सकता था लेकिन दिल्ली में सब चुप रहे।

इसी तरह छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल आलाकमान बन गए और उनकी जैसे मर्जी हुई वैसे उन्होंने सरकार चलाई। एक समय मुख्यमंत्री पद के दावेदार रहे टीएस सिंहदेव, ताम्रध्वज साहू, चरणदास महंत जैसे नेताओं की कोई पूछ नहीं रही। चुनाव में भी कांग्रेस ने सब कुछ कमलनाथ, अशोक गहलोत और भूपेश बघेल के ऊपर छोड़ा था। इसके उलट भाजपा में सब कुछ नरेंद्र मोदी और अमित शाह के स्तर पर तय हो रहा था। हालांकि भाजपा के उम्मीदवारों की पहली सूची के बाद लगा की कुछ गलत हो रहा है तो तुरंत मोदी और शाह ने लचीलापन दिखाया और प्रदेश के क्षत्रपों को चुनावी प्रक्रिया में शामिल किया। क्या इस तरह का रणनीतिक लचीलापन कांग्रेस नेतृत्व नहीं दिखा सकता है? कांग्रेस आलाकमान यानी गांधी परिवार और मल्लिकार्जुन खडगे ने सब कुछ प्रदेश नेताओं पर छोड़े रखा और प्रादेशिक क्षत्रपों के विरोधी नेताओं की कोई बात नहीं सुनी।

इसे लेकर तीन तरह की थ्योरी है। पहली तो यह कि प्रादेशिक स्तर पर कांग्रेस आलाकमान ने जिनको पूरी पार्टी आउटसोर्स की थी उन्होंने किसी तरह से दिल्ली में नेताओं का मुंह बंद कर रखा था। दूसरी थ्योरी यह है कि कांग्रेस आलाकमान इतना कमजोर हो गया है कि प्रादेशिक क्षत्रप अब उसके कंट्रोल में नहीं हैं और तीसरी थ्योरी यह है कि जो संसाधन जुटा रहा था उसके हाथ में सब कुछ सौंप दिया गया। कमलनाथ को जैसी बेहिसाब ताकत मिली या अशोक गहलोत ने पायलट मामले में या राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के समय जैसा आचरण किया और भूपेश बघेल ने टीएस सिंहदेव प्रकरण में जैसी राजनीति की वह कुल मिला कर आलाकमान की बांह मरोडने जैसा था। वैसे यह सिर्फ इन तीन राज्यों का मामला नहीं है। हरियाणा से लेकर कर्नाटक और तेलंगाना तक में कांग्रेस आलाकमान के हाथ बंधे दिखते हैं।

बहरहाल, जब चुनाव लडना भूल जाने की बात करते हैं तो उसमें कई चीजें शामिल होती हैं। चुनाव प्रचार और रैलियां उनमें से एक है। इसमें राहुल गांधी और प्रियंका गाधी वाड्रा या मल्लिकार्जुन खडगे की मेहनत पर सवाल नहीं उठाया जा सकता है। लेकिन यह तो सिर्फ एक छोटा सा हिस्सा है। बड़ा हिस्सा चुनावी नैरेटिव बनाने और उसके हिसाब से आचरण करने, चुनाव की रणनीति बनाने और उस पर अमल करने और रणनीतिक समझौते करने का होता है। इन सभी कसौटियों पर कांग्रेस का केंद्रीय और प्रादेशिक आलाकमान दोनों बार–बार विफल साबित होते हुए है। सोचें, नरेंद्र मोदी और अमित शाह जैसे शक्तिशाली नेता जरुरत पडने पर हनुमान बेनीवाल के लिए सीट छोड़ देते हैं कहीं आजसू के सुदेश महतो के लिए सीट छोड़ देते हैं, लोकसभा के साथ साथ राज्यसभा की सीट देकर भी लोक जनशक्ति पार्टी से समझौता करते हैं, शिव सेना तोडने वाले एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बना देते हैं, अपनी पार्टी में ही बगावत करने वाले या चुनौती देने या विरोधी माने जाने वाले येदियुरप्पा, शिवराज, वसुंधरा, रमन सिंह, उमा भारती आदि को पर्याप्त महत्व दे देते हैं। लेकिन कांग्रेस में ऐसा लचीलापन कोई नहीं दिखाता है।

ऐसे ही कांग्रेस जो विमर्श खड़ा करती है उसमें भी उसका आचरण अलग होता है। उसमें वॉक द टॉक वाली बात नहीं होती है। मिसाल के तौर पर राहुल गांधी ने जाति गणना और आरक्षण बढ़ाने को सबसे बड़ा मुद्दा बनाया लेकिन कांग्रेस यह दावा नहीं कर सकती है कि उसके संगठन में पिछड़ी जाति के लोग आबादी के अनुपात में हैं। तीन मुख्यमंत्री जरूर कांग्रेस दिखा रही थी लेकिन वह तात्कालिक मामला था। इसके उलट भाजपा ने नरेंद्र मोदी के चेहरे, उनकी सरकार में शामिल पिछड़ी जातियों के मंत्रियों, ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा देने, विश्वकर्मा योजना,

आज का राशिफल

मेष राशि–आज आपका दिन काफी लाभदायक रहेगा। अपने परिवार के साथ किसी पार्टी में शामिल होने का मौका मिलेगा। योग टीचर्स आज अपने छात्रों को कोई अच्छा सा योग सिखायेंगे जिससे वह ज्यादा ही फिट और निरोगी बनेंगे। पेट से जुड़ी समस्या से आज आपको राहत मिलेगी। ठेकेदारों को आज कोई नई बिल्डिंग बनाने का टेंडर मिलेगा, जिससे उनको काफी लाभ होगा। आज के दिन आप जिस भी कार्य को शुरू करेंगे वो निश्चित रूप से सफल होगा। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

’ शुभ रंग– मैहरुन
’ शुभ अंक– 4

वृष राशि–आज आपका दिन शानदार रहेगा। छात्र आज अपने जूनियर्स के साथ नया अनुभव शेयर करेंगे और उनको मोटीवेट करेंगे, जिससे वह अपनी पढ़ाई मन लगाकर सकें। जीवनसाथी आज आपके लिए कोई अच्छा सा उपहार लायेगा, जिससे आपके बीच आपसी प्रेम बढ़ेगा। ऑफिस में अपने काम पर ध्यान दें वरना कोई आपकी बैक बाइटिंग कर सकता है। किसी की मदद करेंगे जिससे आपको हार्दिक खुशी मिलेगी। घर के गार्डन में मिनी एग्रीकल्चर के तौर पर सब्जियां लगा सकते हैं। बच्चे आज अपने पसंद की ड्रेस लेने की जिद्द कर सकते हैं।

’ शुभ रंग– पिच
’ शुभ अंक– 3

मिथुन राशि–आज आपका दिन बढिया रहेगा। आपके परिवार के बीच चल रही अनबन समाप्त हो जाएगी। आज आपको फिजूल खर्चों से बचने की जरूरत है। मैथ्स के स्टूडेंट्स का दिन आज काफी बिजी रहेगा। रोज की अपेक्षा आज आपकी सेहत काफी अच्छा रहने वाला है। आज आपका काम बेहतर ढंग से पूरा होगा, जिससे रिलेक्स महसूस करेंगे। व्यापारी वर्ग को आज अच्छा लाभ होगा। आज लवमेट्स साथ में मूवी देखने का प्लान बनायेंगे। आज आपका दाम्पत्य जीवन बेहतरीन रहने वाला है।

’ शुभ रंग– हरा
’ शुभ अंक– 2

कर्क राशि–आज आपका दिन लाभदायक रहने वाला है। आज आपको स्वास्थ्य संबंधी समस्या से छुटकारा मिल जायेगा। शिक्षकों के लिए आज का दिन काफी अच्छा रहने वाला है। माताएं आज अपने बच्चों की मनपसंद डिश बनाएंगी जिससे बच्चों मे आज काफी उत्साह और खुशियां देखने को मिलेगी। किसी बिजनेस के सिलसिले में विदेश जाएंगे। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में लगेगा, परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थल पर भगवान के दर्शन करने जाएंगे। आज आर्थिक रूप से आपकी स्थिति मजबूत होगी। घर के जरूरत का सामान लेने जीवनसाथी के साथ मार्केट जाएंगे।

’ शुभ रंग– नीला
’ शुभ अंक– 6

सिंह राशि–आज आपका दिन बहुत अच्छा रहने वाला है। आज पारिवारिक उलझनों से छुटकारा मिलेगा, परिवार में खुशियाँ आएँगी। फैशन डिजाइनर का काम कर रहे लोगों को आज किसी कस्टमर से अच्छा लाभ मिलेगा। जीवनसाथी आज आपको खुश होने की वजह देंगे, साथ में किसी रेस्टोरेंट में डिनर करने जाएंगे। आज आपके कार्यों से बॉस प्रसन्न रहेंगे, आपकी पदोन्नति होगी। सहकर्मी किसी काम को पूरा करने में आपसे मदद लेंगे। छात्रों को आज किसी टॉपिक को समझने में शिक्षकों का सहयोग मिलेगा।

’ शुभ रंग– सफेद
’ शुभ अंक– 8

कन्या राशि–आज आपका दिन खुशनुमा पल लेकर आयेगा। दाम्पत्य जीवन में मिठास बढ़ेगी, एक दूसरे को अच्छे से समझेंगे और उनकी भावनाओं की कद्र करेंगे। किसी कहानीकार की जीवनी ज्यादा लोगों के द्वारा पसंद की जाएगी और उसके लिए उसको सम्मान भी मिलेगा। होटल मैनेजमेंट की पढ़ाई कर रहे स्टूडेंट्स का आज प्लेसमेंट किसी अच्छी जगह और अच्छे पैकेज के साथ होगा। बाहर के जंक फूड खाने से आपको बचना चाहिए। आज आप कोई नया बिजनेस शुरू करने का मन बनायेंगे। किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह भी लेंगे।

कुत्तों के बाद अब पांच लाख वर्जित उल्लू को मौत के घाट उतारेगा अमेरिका, जानें इसके पीछे की पूरी कहानी क्या है?

देशी संरक्षित उल्लू प्रजातियों पर आसन्न खतरे को देखते हुए, अमेरिकी वन्यजीव संघीय एजेंसी ने 30 वर्षों में लगभग पांच लाख वर्जित उल्लुओं को गोली मारने की योजना बनाई है। वर्जित उल्लू, जिसे हूट उल्लू या आठ–हूटर उल्लू के नाम से भी जाना जाता है, उल्लू की एक बड़ी प्रजाति है और स्वभाव से अधिक आक्रामक है। देशी संरक्षित उल्लू प्रजातियों पर आसन्न खतरे को देखते हुए, अमेरिकी वन्यजीव संघीय एजेंसी ने 30 वर्षों में लगभग पांच लाख वर्जित उल्लुओं को गोली मारने की योजना बनाई है। वर्जित उल्लू, जिसे हूट उल्लू या आठ–हूटर उल्लू के नाम से भी जाना जाता है, उल्लू की एक बड़ी प्रजाति है और स्वभाव से अधिक आक्रामक है। यह योजना 2025 की शुरुआत में शुरू होगी। दशकों से अमेरिका के पूर्वी तट पर प्रशांत नॉर्थवेस्ट में अपना घर रखने वाली यह प्रजाति, उत्तर में उल्लुओं से अधिक संख्या में है। वाशिंगटन, कैलिफोर्निया और ओरेगॉन में प्रजातियों की संख्या घट रही है। ये आक्रामक वर्जित उल्लू धीरे–धीरे देशी उल्लुओं को दक्षिणी क्षेत्रों से विस्थापित भी कर रहे हैं। यह यूएस फिश एंड वाइल्डलाइफ सर्विस (एफडब्ल्यूएस) की एक मसौदा प्रबंधन योजना के हिस्से के रूप में आता है, जो व्यापक विविधता वाले आहार के साथ इन प्रजातियों को बड़े पैमाने पर खत्म करने की उम्मीद कर रहा है। योजनाओं में तीन दशकों में आक्रामक उल्लुओं को मारने के लिए शिकारियों को भर्ती करना भी शामिल है। वर्जित उल्लुओं के लक्षण क्या हैं? जहां तक आहार का सवाल है, ये वर्जित उल्लू कीड़े, मछली और अन्य पक्षियों को खाते हैं। शरीर के आकार में, वे बड़े होते हैं और देशी उल्लुओं के घोंसले को नष्ट करके और उन पर हमले करके अपने क्षेत्र पर दावा करने में अधिक प्रतिस्पर्धी होते हैं। देशी उल्लुओं की संख्या में गिरावट के साथ, अमेरिकी वन्यजीव एजेंसी ने उन्हें लुप्तप्राय प्रजाति अधिनियम के तहत खतरे में सूचीबद्ध किया है।आंकड़ों के हवाले से रिपोर्ट बताती है कि पिछले 20 वर्षों में इन मूल प्रजातियों की आबादी में 35 प्रतिशत से 80 प्रतिशत के बीच गिरावट आई है। वाशिंगटन, ओरेगॉन और उत्तरी कैलिफोर्निया में उत्तरी चित्तीदार उल्लुओं के क्षेत्र में 100,000 से अधिक वर्जित उल्लू मौजूद हैं। एफडब्ल्यूएस के लिए नॉर्दर्न स्पॉटेड उल्लू रिकवरी लीड कैथरीन फिट्जगेराल्ड ने सिएटल टाइम्स को बताया, ष्हर जगह चित्तीदार उल्लू रह सकता है और पनप सकता है, वर्जित उल्लू भी पनप सकता है और बेहतर प्रदर्शन कर सकता है।ष ष्वे अभी भी आक्रमण कर रहे हैं, और उनका काम खघ्त्म नहीं हुआ है। योजना में क्या शामिल है? पहले वर्ष में 20,000 उल्लुओं को मारने के साथ ही मारने की योजना शुरू हो जाएगी। इसके बाद पहले दशक के दौरान प्रति वर्ष 13,397 पक्षी, दूसरे दशक में प्रति वर्ष 16,303 और अंत में तीसरे दशक में प्रति वर्ष 17,390 पक्षियों को मारा जाएगा। भूस्वामी या भूमि प्रबंधक हत्या की अनुमति के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस्तेमाल किया जाने वाला हथियार एक बड़े बोर वाली बन्दूक होगी। कई लोग योजनाओं का विरोध भी कर रहे हैं. ष्क्या हम फायदे से ज्यादा नुकसान करने जा रहे हैं? क्या हम वास्तव में चाहते हैं कि जंगल में लोगों का एक समूह उन पक्षियों पर गोली चलाए जो अन्यथा संरक्षित हैं?ष बर्ड कंजर्वेशन ओरेगॉन के कार्यकारी निदेशक बॉब सैलिंगर ने कथित तौर पर सिएटल टाइम्स को बताया। उन्होंने कहा, ष्मैंने लगभग हमेशा इस तरह के कार्यक्रमों का विरोध किया है।

अंडरवियर उतार कर किया गया न्यूड, आंखों पर बांधी पट्टी,फलेस्टिन के नागरिकों के साथ

बढ़ते इजराइल–हमास युद्ध के बीच, इजराइली सेना द्वारा बड़ी संख्या में लोगों को हिरासत में लिया गया और उनके अंडरवियर उतार दिए गए, आंखों पर पट्टी बांध दी गई, साथ ही सड़क पर घुटने टेक दिए गए और बाद में एक सैन्य वाहन के कार्गो बेड में ले जाया गया। इस पूरी कार्यवाही की तस्वीरें सोशल मीडिया पर प्रसारित हुई। प्तंमसप ।तउल जवतजनतमक च्संमेजपदमरू बढ़ते इजराइल–हमास युद्ध के बीच, इजराइली सेना द्वारा बड़ी संख्या में लोगों को हिरासत में लिया गया और उनके अंडरवियर उतार दिए गए, आंखों पर पट्टी बांध दी गई, साथ ही सड़क पर घुटने टेक दिए गए और बाद में एक सैन्य वाहन के कार्गो बेड में ले जाया गया। इस पूरी कार्यवाही की तस्वीरें सोशल मीडिया पर प्रसारित हुई।हिरासत की तारीखें और सटीक परिस्थितियाँ अस्पष्ट रहीं, हालाँकि, कुछ बंदियों की पहचान उनके परिवार के सदस्यों या सहकर्मियों द्वारा की गई थी। सीएनएन के अनुसार, कुछ लोग नागरिक थे और किसी भी आतंकवादी समूह से जुड़े नहीं थे। यूरो–मेडिटेरेनियन ह्यूमन राइट्स मॉनिटर ने गुरुवार को अपनी वेबसाइट पर एक हिरासत की तस्वीर साझा की और कहा कि ष्इजरायली सेना ने दर्जनों फिलिस्तीनी नागरिकों को हिरासत में लिया और उनके साथ गंभीर दुर्व्यवहार किया।ष इसमें कहा गया है, ष्यूरो–मेड मॉनिटर को रिपोर्ट मिली है कि इजरायली बलों ने डॉक्टरों, शिक्षाविदों, पत्रकारों और बुजुर्गों सहित विस्थापित लोगों के खिलाफ यादृच्छिक और मनमाने ढंग से गिरफ्तारी अभियान शुरू किया है।ष अभी तक इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने सोशल मीडिया पर प्रसारित छवियों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।जब एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आईडीएफ के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी से तस्वीरों के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, ष्हमने कई बंदियों, हमास आतंकवादियों की तस्वीरें देखी हैं जिन्हें आईडीएफ ने जमीनी युद्धाभ्यास के दौरान गिरफ्तार किया था। हगारी ने कहा कि, हमास के खिलाफ अपनी लड़ाई में, ष्जो लोग क्षेत्र में बचे हैं वे धीरे–धीरे बाहर आते हैं।ष उन्होंने कहा हम जांच करते हैं और जांचते हैं कि किसका हमास से संबंध है और किसका नहीं। हम उन सभी को गिरफ्तार करते हैं और उनसे पूछताछ करते हैं। हम उन गढ़ों में से हर एक को तब तक ध्वस्त करना जारी रखेंगे जब तक हमारा काम पूरा नहीं हो जाता। समाचार आउटलेट अल–अरबी अल–जदीद ने गुरुवार को एक बयान में तस्वीरों में हिरासत में लिए गए लोगों में उसके एक संवाददाता और उसके परिवार के कई सदस्यों की मौजूदगी की पुष्टि की।सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, अल–अरबी अल–जदीद ने लिखा "आज, गुरुवार को, इजरायली कब्जे वाली सेना ने पत्रकार और गाजा में शद न्यू अरबश कार्यालय के निदेशक, हमारे सहयोगी दीया अल–कहलोट को उनके भाइयों, रिश्तेदारों के एक समूह के साथ, बेत लाहिया के मार्केट स्ट्रीट से गिरफ्तार कर लिया। वहां के लोगों ने हमें जो बताया, उसके अनुसार कब्जे ने जानबूझकर गाजावासियों को उनके कपड़े उतारने के लिए मजबूर किया, उनकी तलाशी ली और उन्हें किसी अज्ञात स्थान पर ले जाने से पहले गिरफ्तार कर अपमानित किया। तस्वीरें और वीडियो क्लिप फैल गईं जिसमें सैनिकों को आपराधिक और अपमानजनक तरीकों का उपयोग करके दर्जनों गजावासियों को गिरफ्तार करते हुए दिखाया गया है। एक बयान में, अल–अरबी अल–जदीद के प्रधान संपादक हुसाम कनाफानी ने कहा कि अल–कहलोट और उनका परिवार अभी भी लापता हैं।

कनाफनी ने कहा, ष्हम अपने सहयोगी दीया के ठिकाने का पता लगाने और उसे जल्द से जल्द रिहा करने के लिए दुनिया में पत्रकारों के अधिकारों और स्वतंत्रता से संबंधित अंतरराष्ट्रीय संस्थानों और संगठनों के सहयोग से हर संभव प्रयास करेंगे।ष

पीएम मोदी की गारंटी के मुरीद हुए पुतीन कहा- राष्ट्र हित के खिलाफ फैसले लेने के लिए उन्हें डराया-धमकाया नहीं जा सकता

व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि और ऐसा दबाव है, मैं जानता हूं। वैसे वो और मैं इस बारे में कभी बात भी नहीं करते। मैं बस यह देखता हूं कि बाहर से क्या हो रहा है, और कभी–कभी, ईमानदारी से कहूं तो, मैं भारतीय राज्य के राष्ट्रीय हितों की रक्षा पर उनके सख्त रुख से आश्चर्यचकित भी होता हूं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक बार फिर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की और कहा कि जब अपने देश के राष्ट्रीय हितों की रक्षा की बात आती है तो भारतीय प्रधान मंत्री ष्सख्त रुखष अपनाते हैं। पुतिन ने आगे कहा कि पीएम मोदी को राष्ट्रीय हित और भारत के लोगों के विपरीत कोई भी कार्रवाई या निर्णय लेने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मैं कल्पना नहीं कर सकता कि मोदी को डराया जाएगा या कोई ऐसा कदम या कार्रवाई करने के लिए मजबूर किया जाएगा जो भारत और भारत के लोगों के राष्ट्रीय हितों के खिलाफ होगा। व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि और ऐसा दबाव है, मैं जानता हूं। वैसे वो और मैं इस बारे में कभी बात भी नहीं करते। मैं बस यह देखता हूं कि बाहर से क्या हो रहा है, और कभी–कभी, ईमानदारी से कहूं तो, मैं भारतीय राज्य के राष्ट्रीय हितों की रक्षा पर उनके सख्त रुख से आश्चर्यचकित भी होता हूं। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को रेखांकित करते हुए पुतिन ने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध सभी दिशाओं में ष्उत्तरोत्तर विकसितष हो रहे हैं। मंच पर बोलते हुए, पुतिन ने यह भी कहा कि पीएम मोदी की ष्नीतिष उनके दोनों देशों के बीच संबंधों की प्राथमिक ष्गारंटरष है। हालाँकि, यह पहली बार नहीं है जब रूसी नेता ने भारतीय पीएम की प्रशंसा की है। इस साल की शुरुआत में, पुतिन ने पीएम मोदी की श्मेक इन इंडियाश पहल की सराहना की और कहा कि रूस अपने घरेलू उद्योगों के विकास को बढ़ावा देने के लिए भारत जैसे अपने भागीदारों की सफलता की कहानियों से प्रेरणा ले सकता है। भारत और रूस ने सात दशकों से अधिक समय से स्थिर संबंध बनाए रखे हैं। सितंबर में, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रेखांकित किया कि यूक्रेन में संकट के कारण रूस का ध्यान गैर–पश्चिमी दुनिया, विशेषकर एशिया की ओर स्थानांतरित हो जाएगा। द्विपक्षीय व्यापार के विस्तार में तेजी लाने के लिए दोनों देश क्या कर सकते हैं, इस पर पुतिन ने कहा, "मैं कहना चाहूंगा कि रूस और भारत के बीच संबंध सभी दिशाओं में उत्तरोत्तर विकसित हो रहे हैं, और इसका मुख्य गारंटर प्रधान मंत्री मोदी द्वारा अपनाई गई नीति है।" वह निश्चित रूप से विश्व राजनीतिक हस्तियों के उस समूह से संबंधित हैं जिनके बारे में मैंने बिना नाम लिए बात की थी।ष दोनों देशों के बीच व्यापार कारोबार के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, ष्पिछले साल यह 35 अरब डॉलर प्रति वर्ष था और इस साल की पहली छमाही में यह पहले से ही 33.5 अरब डॉलर था। यानी, वृद्धि महत्वपूर्ण होगी। हां, हम सभी समझते हैं कि, काफी हद तक, रूसी ऊर्जा संसाधनों पर छूट के कारण

अमेरिका के रिसर्च सेंटर और नासा हो जाएंगे फैल, चीन ने पृथ्वी पर सबसे गहरी प्रयोगशाला लान्च की

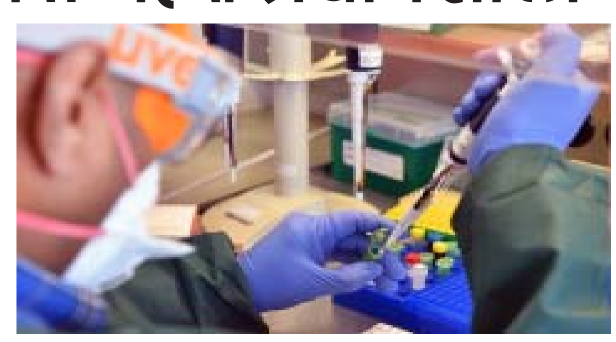

फ्रंटियर फिजिक्स एक्सपेरिमेंट्स (डीयूआरएफ) के लिए डीप अंडरग्राउंड और अल्ट्रा–लो रेडिएशन बैकग्राउंड सुविधा चीन जिनपिंग अंडरग्राउंड प्रयोगशाला का दूसरा चरण है। वैज्ञानिकों ने कहा कि इसका स्थान उन्हें डार्क मैटर – एक रहस्यमय, अदृश्य शक्ति – का अध्ययन करने के लिए एक श्स्वच्छ स्थानश प्रदान करता है।समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने गुरुवार (7 दिसंबर) को बताया कि दुनिया की सबसे गहरी और सबसे बड़ी भूमिगत प्रयोगशाला चीन में चालू हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2,400 मीटर गहरी भौतिकी प्रयोगशाला दक्षिण पश्चिम चीन के सिचुआन प्रांत में स्थित है। राज्य एजेंसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि फ्रंटियर फिजिक्स एक्सपेरिमेंट्स (डीयूआरएफ) के लिए डीप अंडरग्राउंड और अल्ट्रा–लो रेडिएशन बैकग्राउंड सुविधा लिआंगशान यी स्वायत्त प्रान्त में पर्वत के नीचे स्थित है। क्न्त्थ की कुल कमरे की क्षमता 330,000 घन मीटर है।रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि वैज्ञानिकों का मानना है कि प्रयोगशाला डार्क मैटर की वैश्विक खोज को एक बड़ा बढ़ावा देती है, जो कि पदार्थ का एक काल्पनिक रूप है जो प्रकाश या विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र के साथ बातचीत नहीं करता है। उम्मीद है कि प्रयोगशाला गहरे–पृथ्वी प्रयोगों में नए मोर्चे खोलेगी क्योंकि अत्यधिक गहराई अवलोकन में गड़बड़ी करने वाली अधिकांश ब्रह्मांडीय किरणों को अवरुद्ध करके वैज्ञानिकों की मदद करेगी। शिन्हुआ ने आगे बताया कि भूमिगत प्रयोगशाला को तीन साल के व्यापक उन्नयन और विस्तार के बाद लॉन्च किया गया है क्योंकि यह चीन जिनपिंग अंडरग्राउंड प्रयोगशाला का दूसरा चरण है। इस सुविधा का निर्माण दिसंबर 2020 में शुरू हुआ और इसे सिंघुआ विश्वविद्यालय और यालोंग रिवर हाइड्रोपावर डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड द्वारा संयुक्त रूप से बनाया गया था। फ्रंटियर फिजिक्स एक्सपेरिमेंट्स (डीयूआरएफ) के लिए डीप अंडरग्राउंड और अल्ट्रा–लो रेडिएशन बैकग्राउंड सुविधा चीन जिनपिंग अंडरग्राउंड प्रयोगशाला का दूसरा चरण है। वैज्ञानिकों ने कहा कि इसका स्थान उन्हें डार्क मैटर – एक रहस्यमय, अदृश्य शक्ति – का अध्ययन करने के लिए एक श्स्वच्छ स्थानश प्रदान करता है।चीन ने पृथ्वी पर सबसे गहरी प्रयोगशाला बनाईफ्रंटियर फिजिक्स एक्सपेरिमेंट्स (डीयूआरएफ) के लिए डीप अंडरग्राउंड और अल्ट्रा–लो रेडिएशन बैकग्राउंड सुविधा दक्षिण पश्चिम चीन में जमीन से लगभग 2.5 किलोमीटर नीचे बनाई गई है।चीन ने इसे क्यों बनाया है?शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, इस सुविधा का निर्माण सिचुआन प्रांत के लियांगशान यी स्वायत्त प्रान्त में किया गया है। क्न्त्थ चीन जिनपिंग अंडरग्राउंड प्रयोगशाला का दूसरा चरण है। स्पेस डेली के अनुसार, लैब का पहला चरण 2010 में समाप्त हो गया था। लैब को डार्क मैटर प्रयोगों में श्काफी सफलताश मिली है। चाइना न्यूज सर्विस ने बताया कि सिचुआन मेडिकल यूनिवर्सिटी के वेस्ट चाइना मेडिकल सेंटर की एक टीम को पता चला कि आणविक लक्ष्य बेहद कम पृष्ठभूमि विकिरण के अनुकूल होते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस खोज से संभावित रूप से ट्यूमर के इलाज में सुधार हो सकता है। ग्लोबल टाइम्स के अनुसार, यह प्रयोगशाला दुनिया में सबसे गहरी चट्टानी परत और आयतन के हिसाब से सबसे बड़ी जगह वाली एक भूमिगत अनुसंधान सुविधा है। यह जिनपिंग सुरंग में स्थित है। क्न्त्थ की कुल क्षमता 330,000 क्यूबिक मीटर – या 120 ओलंपिक आकार के स्विमिंग पूल हैं। द सन के अनुसार, यह सुविधा पिछली सबसे बड़ी भूमिगत प्रयोगशाला – इटली की ग्रैन सैसो नेशनल लेबोरेटरी के आकार से लगभग दोगुनी है। यहां वाहनों द्वारा पहुंचा जा सकता है। चाइना डेली के अनुसार, सिंघुआ, शंघाई जिओ टोंग और बीजिंग नॉर्मल यूनिवर्सिटी, चाइना इंस्टीट्यूट ऑफ एटॉमिक एनर्जी और चाइनीज एकेडमी ऑफ साइंसेज क्षेत्र के रॉक एंड सॉयल मैकेनिक्स इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों की दस टीमें पहले से ही सुविधा पर काम कर रही हैं।

डेनमार्क की संसद ने पारित किया कानून कुरान, अन्य धार्मिक ग्रंथों का अनादर करना होगा गैरकानूनी कृत्य

संसद ने इसे 77 के मुकाबले 94 मतों से मंजूर किया जबकि आठ सांसद अनुपस्थित रहे। नया कानून "किसी समुदाय के लिए महत्वपूर्ण धार्मिक ग्रंथ या वस्तु का अनादर करना" अपराध बना देगा। कला के तहत अभिव्यक्ति को कुछ शर्तों के साथ प्रतिबंध के दायरे से बाहर रखा गया है।डेनमार्क

की संसद में बृहस्पतिवार को एक नया कानून पारित किया गया, जिसके तहत देश में किसी भी पवित्र ग्रंथ का अपमान करना गैरकानूनी बनाया गया है। यह कानून ऐसे समय पारित किया है, जब हाल में इस्लाम विरोधी कार्यकर्ताओं द्वारा सार्वजनिक रूप से कुरान का अपमान करने की घटना के बाद कई देशों में प्रदर्शन किए गए। स्कैंडिनेवियाई राष्ट्र को एक ऐसे स्थान के रूप में देखा जाता है जो अन्य देशों की संस्कृतियों, धर्मों और परंपराओं का अनादर करता है। न्याय मंत्रालय ने कहा है कि कानून का उद्देश्य 'सुनियोजित तरीके से आयोजित अनादर की घटनाओं' का मुकाबला करना है, जिसने अन्य बातों के अलावा, डेनमार्क में आतंकवाद के खतरे को बढ़ाया है। संसद ने इसे 77 के मुकाबले 94 मतों से मंजूर किया जबकि आठ सांसद अनुपस्थित रहे। नया कानून "किसी समुदाय के लिए महत्वपूर्ण धार्मिक ग्रंथ या वस्तु का अनादर करना" अपराध बना देगा। कला के तहत अभिव्यक्ति को कुछ शर्तों के साथ प्रतिबंध के दायरे से बाहर रखा गया है।

सऊदी अरब की वायुसेना का लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, चालक दल के दो सदस्यों की मौत

अल–मालिकी ने दुर्घटना के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी। एफ–15एसए मैकडॉनेल डगलस लड़ाकू विमान का एक प्रकार है। सऊदी अरब के सैन्य बेड़े में ऐसे दर्जनों लड़ाकू विमान हैं। सऊदी अरब की वायुसेना का एक एफ–15एसए लड़ाकू विमान बृहस्पतिवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

इस दुर्घटना में चालक दल के दो सदस्यों की मौत हो गई। सऊदी प्रेस एजेंसी ने सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल तुर्की अल–मालिकी ने कहा कि दुर्घटना जहरान में अब्दुल अजीज वायुसेना अड्डे पर प्रशिक्षण मिशन के दौरान हुई। अल–मालिकी ने दुर्घटना के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी।

एफ–15एसए मैकडॉनेल डगलस लड़ाकू विमान का एक प्रकार है। सऊदी अरब के सैन्य बेड़े में ऐसे दर्जनों लड़ाकू विमान हैं। जुलाई में खमीस मुशीत में किंग खालिद वायुसेना अड्डे पर एक विमान दुर्घटना में दो पायलट की मौत हो गई थी।

बाढ़ और भीषण विस्फोट के बाद आपातकाल लगाया गया

राष्ट्रपति वेवेल रामकलावन ने बताया कि बाढ़ के कारण तीन लोगों की मौत हो गई है। सेशेल्स के मुख्य द्वीप माहे में औद्योगिक क्षेत्र में विस्फोट में 100 से अधिक लोग घायल हो गए। विस्फोट

में किसी की मौत होने की सूचना नहीं है। सेशेल्स के राष्ट्रपति ने बृहस्पतिवार को कहा कि देशभर में बाढ़ आने के बाद बुधवार देर रात विस्फोटक रखने वाले एक डिपो में एक भीषण विस्फोट हुआ है जिसके बाद आपातकाल लागू कर दिया गया है। राष्ट्रपति वेवेल रामकलावन ने बताया कि बाढ़ के कारण तीन लोगों की मौत हो गई है। सेशेल्स के मुख्य द्वीप माहे में औद्योगिक क्षेत्र में विस्फोट में 100 से अधिक लोग घायल हो गए। विस्फोट में किसी की मौत होने की सूचना नहीं है। राष्ट्रपति के कार्यालय ने एक बयान में आपातकाल लागू करने की घोषणा की और स्कूलों को बंद करने तथा लोगों को घर में रहने का आदेश दिया। राष्ट्रपति कार्यालय के बयान में कहा गया है कि विस्फोट से बड़े पैमाने पर क्षति हुई और बाढ़ से भारी विनाश हुआ।

पाकिस्तान और तालिबान का तनाव चरम पर पहुंचा!

द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार तालिबान शासित अफगानिस्तान के आंतरिक मंत्री सिराजुद्दीन हक्कानी उन हजारों अफगान नागरिकों में शामिल थे, जिनके पास हाल तक पाकिस्तानी पासपोर्ट थे।द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार तालिबान शासित अफगानिस्तान के आंतरिक मंत्री सिराजुद्दीन हक्कानी उन हजारों अफगान नागरिकों में शामिल थे, जिनके पास हाल तक पाकिस्तानी पासपोर्ट थे। हक्कानी उन लगभग 40,000 अफगानों में से एक था जिन्हें पासपोर्ट जारी किया गया था जो अब एक बड़े घोटाले की तरह दिखता है। आंतरिक मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, पासपोर्ट बलूचिस्तान, सिंध और पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा स्थित कार्यालयों से जारी किए गए थे। सिराजुद्दीन हक्कानी श्नामित वैश्विक आतंकवादीश है। अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफबीआई के मुताबिक वह हक्कानी नेटवर्क का वरिष्ठ नेता है।हक्कानी को पांच साल के लिए पाकिस्तानी पासपोर्ट जारी किया गया था, जिसका इस्तेमाल उन्होंने अपनी विदेश यात्राओं के लिए किया था। उन्होंने दोहा समझौते पर हस्ताक्षर के लिए अमेरिका के साथ बातचीत के लिए कतर की अपनी यात्रा के लिए इसका इस्तेमाल किया था, जिसके कारण दो दशकों के बाद अमेरिका को अफगानिस्तान से बाहर निकलना पड़ा।रिपोर्ट के मुताबिक, तालिबान नेता को पासपोर्ट जारी करने में शामिल दो अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है, ।

अमेरिका के लिए चीन की जासूसी करने का लगा था फपदळंदह पर आरोप, 6 महीने से लापता पूर्व चीनी विदेश मंत्री की मौत, जिनपिंग ने करवायी हत्या?

चीन के पूर्व विदेश मंत्री किन गैंग जिन्हें जुलाई में उनके पद से हटा दिया गया था, उनकी कथित तौर पर आत्महत्या या यातना से मृत्यु हो गई है। शीर्ष चीनी अधिकारियों तक पहुंच रखने वाले दो लोगों ने दावा किया है कि जुलाई के अंत में बीजिंग के एक सैन्य अस्पताल में किन की मृत्यु हो गई।चीन में तानाशाही चरम पर है। वहां पर कई अधिकारी और मंत्री गायब हो चुके है। शी को जिस से खतरा मेहसूस होता है वह उन्हें गायब करवा देते हैं। चीन के पूर्व विदेश मंत्री किन गैंग के गायब होने के बाद चीन के पूर्व रक्षा मंत्री ली शांगफू के साथ कई और हाई प्रोफाइल ऑफिशियल्स गायब हो चुके हैं। किन गैंग को लेकर कई बार चीनी सरकार पर आरोप लगा कि उन्हें मरवा डाला गया है। किन गैंग पर अमेरिका की जासूसी करने का भी आरोप लगाया गया था। अब यह पुष्टी की जा रही है कि टॉर्चर करके किन गैंग को मार डाला गया है और इसे सुसाइड का मुखौटा पहना दिया गया है। आखिर इनकी मौत कैसे हुई उसे लेकर अभी कुछ भी साफ नहीं है। इसे भी पढ़ेंरू भारत की राजनीति में घुसने की बेपदं की कोशिश! 2024 के चुनावों में कांड कराएगा ड्रेगन! डमजं ने चीनी फर्जी खातों के विशाल नेटवर्क का किया खुलासा चीन के पूर्व विदेश मंत्री किन गैंग जिन्हें जुलाई में उनके पद से हटा दिया गया था, उनकी कथित तौर पर आत्महत्या या यातना से मृत्यु हो गई है। पोलिटिको की एक रिपोर्ट के अनुसार, शीर्ष चीनी अधिकारियों तक पहुंच रखने वाले दो लोगों ने दावा किया है कि जुलाई के अंत में बीजिंग के एक सैन्य अस्पताल में किन की मृत्यु हो गई। कथित तौर पर यह अस्पताल देश के शीर्ष नेताओं का इलाज करता है। इससे पहले, वॉल स्ट्रीट जर्नल ने बताया था कि संयुक्त राज्य अमेरिका में राजदूत रहने के दौरान किन के विवाहेतर संबंध थे। इसमें यह भी उल्लेख किया गया है कि पूर्व विदेश मंत्री जांच में सहयोग कर रहे थे, जो इस बात पर केंद्रित था कि क्या मामले या किन के आचरण ने चीन की राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता किया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि वरिष्ठ चीनी अधिकारियों को बताया गया कि आंतरिक कम्युनिस्ट पार्टी की जांच में पाया गया कि संयुक्त राज्य अमेरिका में चीन के राजदूत के रूप में अपने पूरे कार्यकाल के दौरान किन इस मामले में संलिप्त थे। दो सूत्रों ने अखबार को बताया कि इस मामले के परिणामस्वरूप संयुक्त राज्य अमेरिका में एक बच्चे का जन्म हुआ। इसके अलावा, जुलाई में, नौकरी में बमुश्किल आधे साल के लिए कर्तव्यों से एक महीने की रहस्यमय अनुपस्थिति के बाद किन को विदेश मंत्री के रूप में अनुभवी राजनयिक वांग यी द्वारा प्रतिस्थापित किया गया था।

इस अफगान खिलाड़ी के सामने एमएस धोनी ने रखी शर्त, कहा- 20 किलो वजन कम कर लो मैं टीम में..

टी20 में शहजाद ने 73 मैचों में 29.92 की औसत से 2048 रन बनाए हैं। लेकिन इन आंकड़ों के बाद वो अक्सर अपने वजन के कारण चर्चाओं में रहते हैं। हाल ही में अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान असगर अफगान ने धोनी के साथ बातचीत को लेकर खुलासा किया। आईपीएल 2024 की ऑक्शन 19 दिसंबर को दुबई में होने जा रही है, जिसके लिए सभी फ्रेंचाइजी और खिलाड़ी पूरी तरह से तैयार हैं। वहीं फैंस भी आईपीएल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान एमएस धोनी ने अफगानिस्तान के खिलाड़ी को वजन कम करने की शर्त रखते हुए आईपीएल टीम में शामिल करने को कहा है। दुनिया भर में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जिनका शरीर एथलेटिक नजरिए से पूर तरह से फिट नजर नहीं आता है। अफगानिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद शहजदार भी ऐसे ही खिलाड़ी हैं, हालांकि उन्होंने अपने प्रदर्शन से कई बार अच्छी पारियां खेली हैं। इस अफगान खिलाड़ी ने 84 वनडे मुकाबलों में 33 की औसत से बेहतरीन 2727 रन बनाए जिसमें उनके 6 शतक भी शामिल हैं। उधर टी20 में शहजाद ने 73 मैचों में 29.92 की औसत से 2048 रन बनाए हैं। लेकिन इन आंकड़ों के बाद वो अक्सर अपने वजन के कारण चर्चाओं में रहते हैं। हाल ही में अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान असगर अफगान ने धोनी के साथ बातचीत को लेकर खुलासा किया। इस दौरान अफगान ने टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि, टाई मैच के बाद मेरी एमएस धोनी से लंबी बातचीत हुई। वह एक शानदार कप्तान हैं और भारतीय क्रिकेट के लिए भगवान का उपहार हैं। वह एक अच्छे इंसान हैं। हमने मोहम्मद शहजाद के बारे में काफी बातें की, मैंने धोनी भाई से कहा कि शहजाद आपका बड़ा फैन है। फिर असगर ने ध ोनी के मजाकिया जवाब के बारे में बताते हुए कहा कि, धोनी ने कहा कि शहजाद का पेट बड़ा है और अगर वह 20 किलो वजन कम कर ले तो मैं उन्हें आईपीएल में चुनूंगा लेकिन जब शहजाद सीरीज के बाद अफगानिस्तान लौटे तो उनका वजन 5 किलो और बढ़ा हुआ था।

श्रीसंत की मुश्किल बढ़ी! गंभीर से भिड़ने के बाद एलएलसी की तरफ से मिला लीगल नोटिस

गौतम गंभीर और श्रीसंत के बीच की लड़ाई बढ़ती जा रही है। जिसके बाद अब श्रीसंत मुश्किल में फंसते नजर आ रहे हैं। लीजेंड्स लीग क्रिकेट के कमिश्नर ने श्रीसंत को कानूनी नोटिस भेजा है। श्रीसंत ने बुध ावार को वीडियो जारी करते हुए आरोप लगाया था कि गंभीर ने उन्हें बिना किसी कारण के अपशब्द कहें। लीजेंड्स लीग क्रिकेट में गौतम गंभीर और श्रीसंत के बीच की लड़ाई बढ़ती जा रही है। जिसके बाद अब श्रीसंत मुश्किल में फंसते नजर आ रहे हैं। लीजेंड्स लीग क्रिकेट के कमिश्नर ने श्रीसंत को कानूनी नोटिस भेजा है। श्रीसंत ने बुधवार को वीडियो जारी करते हुए आरोप लगाया था कि गंभीर ने उन्हें बिना किसी कारण के अपशब्द कहें। बाद में इंस्टाग्राम लाइव में श्रीसंत ने बताया था कि गंभीर द्वारा उन्हें कई बार फिक्सर कहा गया था और इस कारण विवाद बढ़ा। वहीं रिपोर्ट के अनुसार, नोटिस में लिखा है कि श्रीसंत टी20 टूर्नामेंट में खेलते समय अपने अनुबंध का उल्लंघन करने के दोषी थे। नोटिस में है कि जब वह मैच के दौरान खिलाड़ी पर आरोप लगाने वाले वीडियो अपने सोशल मीडिया पेज से हटाएंगे तभी तेज गेंदबाद श्रीसंत के साथ बातचीत तभी शुरू की जाएगी। वहीं गंभीर और श्रीसंत के बीच हुए इस विवाद में अंपायरों ने भी अपनी रिपोर्ट भेजी, लेकिन श्रीसंत द्वारा फिक्सर कहने के आरोपों के बारे में कुछ भी नहीं बताया गया है। 6 दिसंबर को लीजेंड्स लीग क्रिकेट में इंडिया कैपिटल्स और गुजरात जायंट्स के बीच एलीमिनेटर मैच खेला गया। इसी में गंभीर और श्रीसंत की तीखी बहस शुरु हो गई। 6 ओवरों के खेल के बाद ये मामला हुआ, तब तक कैपिटल्स का कोई भी विकेट नहीं गिरा था और उनके 60 रन थे। बतौर ओपनर गंभीर ने 51 रनों की बेहतरीन पारी खेली। वहीं वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे गंभीर और श्रीसंत के बीच बहस शुरू हुई। इस दौरान श्रीसंत को अन्य खिलाड़ी रोकने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि, दोनों के बीच क्या बात हुई, ये उस वीडियो में साफ नहीं हो पाया है। एस श्रीसंत ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए गंभीर पर बड़े आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था, मैं उन बातों को स्पष्ट करना चाहता हूं जो ग्राउंड पर मिस्टर फाइटर के साथ हुआ, फाइटर इसलिए क्योंकि वह हमेशा अपने साथियों के साथ बिना किसी कारण के लड़ते रहते हैं। वह अपने सीनियर खिलाड़ियों की भी इज्जत नहीं करते।

जूनियर महिला हाकी विश्व कप भारत ने क्लासिफिकेशन मैच में कोरिया को 3-1 से हराया

भारत की तरफ से रोपनी कुमारी (23वें मिनट), मुमताज खान (44वें) और अन्नू (46वें) ने गोल किए। कोरिया की तरफ से एकमात्र गोल जियुन चोई (19वें) ने किया। पहले क्वार्टर में कोरिया का दबदबा रहा और इस दौरान उसने पहला पेनल्टी कार्नर हासिल किया लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाया। भारत ने शुरू में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके जूनियर महिला हॉकी विश्व कप के नौवें से 12वें स्थान के क्लासिफिकेशन मैच में दक्षिण कोरिया को 3-1 से हराया। गुरुवार को खेले गए इस मैच में भारत की तरफ से रोपनी कुमारी (23वें मिनट), मुमताज खान (44वें) और अन्नू (46वें) ने गोल किए। कोरिया की तरफ से एकमात्र गोल जियुन चोई (19वें) ने किया। पहले क्वार्टर में कोरिया का दबदबा रहा और इस दौरान उसने पहला पेनल्टी कार्नर हासिल किया लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाया। दूसरे क्वार्टर में दोनों टीम ने एक दूसरे पर दबाव बनाने का प्रयास किया। चोई ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके कोरिया को बढ़त दिलाई लेकिन रोपनी ने भी पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर भारत को बराबरी दिला दी। मध्यांतर तक दोनों टीम1-1 से बराबरी पर थी। भारत ने तीसरे क्वार्टर में दबदबा बनाया और इस बीच मुमताज ने पेनाल्टी कार्नर पर गोल करके टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद अन्नू ने चौथे क्वार्टर के शुरू में मैदानी गोल करके भारत की जीत सुनिश्चित की। भारत के पास अभी नौवें स्थान पर रहने का मौका है। वह टूर्नामेंट के अपने अंतिम मैच में शनिवार को चिली या अमेरिका से भिड़ेगा।

आईसीसी टी 20 वर्डकप का लोगो हुआ जारी, जानें नए डिजाइन के पीछे का सीक्रेट

यह लोगो क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में होने वाले जल्दी बदलाव को दर्शाता है। इस लोगो से टी20 क्रिकेट की ऊर्जा दिखाई देती है। इस लोगो में 2024 में आयोजित होने वाले वर्ल्ड कप की मेजबान देशों से प्रेरित बनावट और पेटर्न्स को सम्मिलित किया गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद यानी आईसीसी ने 2024 में होने वाली महिला और पुरुष क्रिकेट ज्20 वर्ल्ड कप के लिए नए लोगो जारी कर दिए हैं। आईसीसी ने टी20 विश्व कप के नए लोगो को रिवील किया है। आईसीसी टी 20 वर्ल्ड कप पुरुष का आयोजन 30 जून से किया जाना है। ये मैच वेस्ट इंडीज और अमेरिका में खेले जाएंगे। वहीं महिला क्रिकेट टी20 विश्व कप का आयोजन बांग्लादेश में होना है। महिला टी20 विश्व कप के लिए अब तक तारीख और शेड्यूल सामने नहीं आया है। हालांकि आईसीसी ने टी20 वर्ल्ड कप के लिए नया लोगो रिवील कर यह बता दिया है कि महिला और पुरुष टी20 वर्ल्ड कप की तैयारी शुरू हो गई है। लोगो में दिखती है एनर्जी आईसीसी ने टी20 का नया लोगो जारी किया है वह बेहद एनर्जेटिक है। यह लोगों क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में होने वाले जल्दी बदलाव को दर्शाता है। इस लोगो से टी20 क्रिकेट की ऊर्जा दिखाई देती है। बता दें कि इस लोगो में 2024 में आयोजित होने वाले वर्ल्ड कप की मेजबान देशों से प्रेरित बनावट और पेटर्न्स को सम्मिलित किया गया है। आईसीसी ने लोगो जारी करने के दौरान कहा कि लोगो, बल्ले, गेंद और एनर्जी का क्रिएटिव मिश्रण है। यह सब ज्20 क्रिकेट के मूल एलिमेंट्स भी है। इस लोगों में टी20 शब्द को ऐसे लिखा गया है कि वह बैठ के स्विंग की तरह दिखता है। तीन अक्षरों के पास एक जिगजैग पैटर्न बनाया गया है जिससे बात और बॉल के बीच स्ट्राइक से निकली वाइब्रेशन प्रदर्शित होती है। आईसीसी मार्केटिंग एंड कम्यूनिकेशन के जनरल मैनेजर ने टी20 विश्व कप 2024 के लिए जारी किए गए नए लोगो की तारी करते हुए कहा कि वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले पुरुष विश्व कप की तैयारियों के लिए सिर्फ छह महीने ही शेष है। फैंस वर्ल्ड कप और टिकट संबंधित जानकारी हासिल करने के लिए खुद को रजिस्टर कर सकते है।

पटना पाइरेट्स की तेलुगु टाइटंस पर बड़ी जीत

टाइटंस की तरफ से पवन सहरावत ने सर्वाधिक 11 अंक बनाए, लेकिन उन्हें अन्य खिलाड़ियों का साथ नहीं मिला। टाइटंस ने शुरू में दबदबा बनाकर बढ़त हासिल की थी लेकिन पाइरेट्स सचिन के दम पर 10वें मिनट में 11-10 से आगे हो गया था। रेडर सचिन के शानदार खेल से पटना पाइरेट्स ने प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) में बुधवार को यहां तेलुगु टाइटंस को 50-28 से करारी शिकस्त दी। सचिन ने 14 अंक बनाकर अपनी टीम की जीत ने अहम भूमिका निभाई। टाइटंस की तरफ से पवन सहरावत ने सर्वाधिक 11 अंक बनाए, लेकिन उन्हें अन्य खिलाड़ियों का साथ नहीं मिला। टाइटंस ने शुरू में दबदबा बनाकर बढ़त हासिल की थी लेकिन पाइरेट्स सचिन के दम पर 10वें मिनट में 11-10 से आगे हो गया था।

इसके बाद उसने अपनी बढ़त आखिर तक बरकरार रखी। मध्यांतर से ठीक पहले पाइरेट्स ने एक और ऑल आउट कर 28-16 के अंतर से बड़ी बढ़त ले ली। पाइरेट्स ने दूसरे हाफ में भी अच्छा प्रदर्शन जारी रखा जिससे वह टाइटंस को बड़े अंतर से हराने में सफल रहा

भारत ने की स्पेन में होने वाले पांच देशों के टूर्नामेंट के लिए 22 सदस्यीय महिला हाकी टीम घोषित

सविता पूनिया की अगुवाई में स्पेन में होने वाले पांच देशों के हॉकी टूर्नामेंट के लिए शुक्रवार को 22 सदस्यीय महिला टीम घोषित की जिसमें अनुभवी फॉरवर्ड वंदना कटारिया को उप कप्तान बनाया गया है। भारत ने गोलकीपर सविता पूनिया की अगुवाई में स्पेन में होने वाले पांच देशों के हॉकी टूर्नामेंट के लिए शुक्रवार को 22 सदस्यीय महिला टीम घोषित की जिसमें अनुभवी फॉरवर्ड वंदना कटारिया को उप कप्तान बनाया गया है। भारत 15 से 22 दिसंबर तक वेलेंसिया में होने वाले इस टूर्नामेंट में आयरलैंड, जर्मनी, स्पेन और बेल्जियम का सामना करेगा। रांची में 13 जनवरी से शुरू होने वाले ओलंपिक क्वालीफायर्स की तैयारी के लिहाज से यह टूर्नामेंट काफी महत्वपूर्ण है। भारत की मुख्य कोच यानिक शोपमैन ने हॉकी इंडिया की यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, ''हमारी टीम काफी संतुलित और मजबूत है। यह टूर्नामेंट टीम के लिए हाल के अपने अच्छे प्रदर्शन को आगे बढ़ाने और ओलंपिक क्वालीफायर्स से पहले खुद को अच्छी मानसिक स्थिति में रखने के लिए आदर्श मंच होगा।'' टीम इस प्रकार है गोलकीपररू सविता (कप्तान), बिचू देवी खारीबाम डिफेंडररू निक्की प्रध ाान, उदिता, इशिका चौधरी, गुरजीत कौर, अक्षता अबासो ढेकाले मिडफील्डररू निशा, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, मोनिका, सलीमा टेटे, नेहा, नवनीत कौर, सोनिका, ज्योति, बलजीत कौर फॉरवर्ड ज्योति छेत्री, संगीता कुमारी, दीपिका, वंदना कटारिया (उप-कप्तान), ब्यूटी डुंगडुंग, शर्मिला देवी।

हमेशा रहना है फिट और फाइन...तो बनाएं वर्क लाइफ बैलेंस, सेहतमंद रहने के लिए है बेहद जरूरी

फिट एंड फाइन रहने के लिए लाइफ में वर्क लाइफ बैलेंस का होना बेहद जरूरी है. कामयाबी के लिए घंटों-घंटों तक मेहनत करना ठीक माना जाता है लेकिन खुशहाल और हेल्दी लाइफ के लिए काम और फैमिली के बीच बैलेंस बनाना चाहिए. इसे ही वर्क लाइफ बैलेंस (ङ्खशह्म्द्म रुद्बद्घद्ग क्चड्डद्यड्डठ्ठष्द्ग) कहा जाता है. सरल शब्दों में कहें तो काम और फैमिली के बीच तालमेल रखना ही वर्क लाइफ बैलेंस कहलाता है. इस तालमेल के बिगडने से काफी कुछ बिगड़ सकता है. आइए जानते हैं वर्क लाइफ बैलेंस कैसे बना सकते हैं...

प्राथमिकता तय करें

एक समय में एक ही काम करना चाहिए. इसके लिए सबसे पहले प्राथमिकता तय करनी पड़ेगी. जो काम पहले जरूरी है उसे पहले करना चाहिए और गैरजरूरी कामों को बाद में करें. इससे पर्सनल लाइफ के लिए समय मिल जाता है.

छुट्टियां मैनेज करें

काम में जो छुट्टियां मिले, उसे सही तरह मैनेज करें, जिससे घर के किसी जरूरी इवेंट मिस न हो. ये बात समझनी चाहिए कि जिंदगी में जो समय आ रहे हैं, वो बीत जाएंगे और दोबारा नहीं आएंगे. फैमिली के साथ दोबारा टाइम भी नहीं मिलेगा. इसलिए ऑफिस के काम के साथ-साथ अपनी फैमिली और पर्सनल लाइफ को भी वक्त दें.

टाइम को मैनेज करें

हर किसी के पास एक निश्चित समय है इसलिए टाइम को मैनेज करना सीखें. अगर एक काम निश्चित समय पर नही कर पा रहे है तो किसी दूसरे की मदद लें, इसके लिए कभी भी हिचकिचाएं नहीं. इससे काम आसानी से हो जाएगा और थकान भी आप पर हावी नहीं होगी.

खुद के लिए भी वक्त निकालें

ऑफिस और फैमिली के लिए वक्त निकालते-निकालते खुद को समय देना न भूलें. अपनी हेल्थ के लिए कुद के लिए समय निकालना चाहिए. इस वक्त में जो काम आपको खुशी दे, वही करें. इससे आप खुद को और दूसरों को खुश रख पाएंगे.

किडनी के मरीजों के लिए किसी वरदान से कम नहीं लाल अंगूर, जबरदस्त हैं फायदे

किडनी की सेहत के लिए लाल अंगूर किसी वरदान से कम नहीं है. इसके सेवन से किडनी से जुड़ी कई तरह की समस्याएं खत्म हो सकती हैं. दरअसल, किडनी के मरीज अपनी डाइट को बेहतर बनाकर कई तरह की प्रॉब्लम्स से बच सकते हैं. उनके लिए कई चीजों का सेवन फायदेमंद हो सकता है. इनमें से एक है लाल अंगूर , जो बेहद फायदेमंद माना जाता है. आइए जानते हैं यह किडनी पेशेंट के लिए कैसे और क्यों बेहतर माना जाता है...

किडनी के लिए क्यों फायदेमंद लाल अंगूर

विटामिन सी और फ्लेवोनोइड्स का स्रोत

अंगूर विटामिन सी और फ्लेवोनोइड्स से भरपूर होता है, जो सूजन को कम करने में मदद करते हैं. ये एंटीऑक्सीडेंट्स किडनी की बीमारी को बढने से रोकने में मदद करते हैं और हार्ट की बीमारियों, डायबिटीज और दूसरी कई बीमारियों से बचाने का काम करता है. अंगूर में 75 ग्राम करीब आध ाा कप अंगूर में 1.5 मिलीग्राम सोडियम, 144 मिग्म पोटैशियम, 14 मिलीग्राम फास्फोरस और 0.5 ग्राम प्रोटीन मिलता है. इसलिए ये फायेदमंद माना जाता है.

किडनी पेशेंट्स अंगूर को कैसे खाएं

एक रिसर्च के मुताबिक,अंगूर के पाउडर का सेवन करने वालों में किडनी के पेशेंट्स के लिए अच्छा पाया गया है. डॉक्टर की सलाह पर ही इसका सेवन करना चाहिए.

2. लाल अंगूर का सेवन स्नैक्स और सलाद की तरह कर सकते हैं.

3. अलग-अलग रेसिपी में लाल अंगूर का इस्तेमाल कर सकते हैं.

किडनी के मरीज इस तरह रखें ख्याल

किडनी पेशेंट्स खास तरह की डाइट फॉलो कर समस्याओं से बच सकते हैं. डॉक्टर भी उन्हें सही डाइट की सलाह देते हैं. हालांकि, किडनी को कितना डैमेज हुआ है, ये इस बात पर भी निर्भर करता है.

इसलिए बेहतर है कि किडनी एक्सपर्ट और डायटीशियन की सलाह पर डाइट चार्ट बनाए और उसे फॉलो करें. इससे ब्लड से वेस्ट को कम कर किडनी को काम में सुधार होता है.

दुनियाभर में एनिमल का भौकाल, हिला बाक्स आफिस, 6 दिनों में ही 500 करोड़ से ज्यादा कर ली कमाई

रणबीर कपूर की लेटेस्ट रिलीज फिल्म एनिमल का फीवर देश ही नहीं पूरी दुनिया पर चढ़ा हुआ है. इस क्राइम थ्रिलर के लिए दर्शकों की दीवानगी हर गुजरते दिन के साथ बढ़ती ही जा रही है. फिल्म में रणबीर कपूर और बॉबी देओल के खूंखार अवतार पर ऑडियंस दिल हार बैठी है और इसी के साथ सिनेमाघरों में एनिमल को देखने के लिए खूब भीड़ उमड़ रही है.ऐसे में फिल्म पर नोटों की भी बरसात हो रही है. तमाम रिकॉर्ड ब्रेक करने के साथ एनिमल ने रिलीज के महज 6 दिनों में दुनियाभर में एक और माइलस्टोन पार कर लिया है. एनिमल का दुनियाभर में भौकाल मचा हुआ है. फिल्म बुलेट से भी तेज रफ्तार से कमाई कर रही है और इसने हर किसी को हैरान कर दिया है. एनिमल को रिलीज हुए 6 दिन ही हुए हैं और इसने कई रिकॉर्ड ब्रेक कर दिए हैं. यहां तक कि इसने शाहरुख खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म जवान और पठान को भी पीछे छोड़ दिया है. फिल्म की छठे दिन की वर्ल्डवाइड कमाई की बात करें तो इसने 520 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है. वर्ल्डवाइड फिल्म के डे वाइज ये हैं आंकड़े– पहले दिन एनिमल ने दुनियाभर में 116 करोड़ से ज्यादा की ओपनिंग की थी. दूसरे दिन फिल्म की वर्ल्डवाइड कमाई 120 करोड़ रुपये रही. तीसरे दिन एनिमल ने दुनियाभर में 120 करोड़ कमाए, चौथे दिन एनिमल की वर्ल्डवाइड कमाई 69 करोड़ रही, पांचवें दिन यानी मंगलवार को एनिमल ने दुनियाभर में 56 करोड़ का कलेक्शन किया है. छठे दिन एनिमल का दुनियाभर में कलेक्शन 527.6 करोड़ रुपये हो गया है.एनिमल ने घरेलू बाजार में भी रिलीज के छठे दिन इतिहास रच दिया है. ये फिल्म अपनी रिलीज के छठे दिन 30 करोड़ का कलेक्शन कर 300

करोड़ के पार हो गई है. इसका देश में सभी भाषाओं में 6 दिन का कुल कलेक्शन अब 312.96 करोड़ हो गया है. इसी के साथ इस फिल्म ने टाइगर 3 के लाइफटाइम कलेक्शन (282.30) का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है.
वहीं फिल्म ने छठे दिन के कलेक्शन में जवान (24 करोड़ रुपये) , पठान (25.5 करोड़) और बाहुबली 2 (26 करोड़) का रिकॉर्ड भी चकनाचूर कर दिया है. हालांकि फिल्म गदर 2 के छठे दिन के कलेक्शन (32.37) को पीछे नहीं छोड़ पाई. वहीं एनिमल जिस रफ्तार से कमाई कर रही है उसे देखते हुए कहा जा रहा है कि ये फिल्म जल्द ही घरेलू बाजार और वर्ल्डलाइड शाहरुख खान की जवान और पठान के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ देगी.

शाहरुख खान की डंकी की एडवांस बुकिंग विदेशों में शुरू, 21 दिसंबर को पर्दे पर आएगी फिल्म

हिंदी सिनेमा के मेगा सुपरस्टार शाह रुख खान किसी अलग पहचान के मोहताज नहीं हैं। अपनी कमाल की एक्टिंग से इस साल शाह रुख पठान और जवान जैसी मेगा ब्लॉकबस्टर मूवीज दे चुके हैं। मौजूदा समय में फिल्म डंकी को लेकर किंग खान का नाम लगातार सुर्खियां बटोर रहा है।इस बीच डंकी की एडवांस बुकिंग को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है, जो विदेशों में इस फिल्म की टिकटों की सेल से जुड़ा हुआ है।शाह रुख खान स्टारर डंकी का शानदार ट्रेलर 5 दिसंबर को रिलीज किया गया है। इस ट्रेलर को देखने के बाद फैंस की एक्साइटमेंट इस फिल्म के लिए काफी बढ़ गई है। आलम ये है कि हर कोई डंकी की रिलीज का इंतजार कर रहा है।इस बीच यशराज फिल्म्स ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर डंकी की एडवांस बुकिंग से जुड़ा अपडेट साझा किया है। यशराज फिल्म्स के मुताबिक विदेशो में डंकी की एडवांस बुकिंग की शुरुआत हो गई है। वर्ल्डवाइड ये फिल्म 21 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।यशराज फिल्म्स की तरफ विदेशों में शाह रुख खान की इस फिल्म की टिकटों की सेल आज यानी 7 दिसंबर से शुरू कर दी गई है। बता दें कि इस एडवांस बुकिंग के जरिए डायरेक्टर राजकुमार हिरानी की डंकी को रिलीज के बाद वर्ल्डवाइड कलेक्शन में काफी मुनाफा मिल सकता है।विदेशों में शाह रुख खान डंकी की टिकटों की एडवांस बुकिंग

विंडो खुलने के बाद अब हर किसी की नजर इंडिया में इसकी शुरुआत पर टिकी हुई है। हालांकि मेकर्स की तरफ से अब तक भारत में डंकी की एडवांस बुकिंग को लेकर कोई अपडेट शेयर नहीं किया गया है। लेकिन ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि रिलीज से एक सप्ताह पहले यानी 14 दिसंबर को इंडिया में डंकी की टिकटों की एडवांस बुकिंग की शुरुआत की जा सकती है। लेकिन इस मामले की अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की जा सकती है।

बाक्स आफिस पर छा गई हाय नन्ना, नानी–मृणाल ठाकुर की फिल्म ने ओपनिंग डे पर की धांसू कमाई

साउथ स्टार नानी और मृणाल ठाकुर की मच अवेटेड फिल्म हाय नन्ना 7 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है. रिलीज के बाद फिल्म को ऑडियंस से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है. सिल्वर स्क्रीन पर नानी और मृणाल ठाकुर की केमिस्ट्री छा गई है. बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की कमाई भी शानदार हो रही है. इस बीच इस फिल्म के पहले दिन के कलेक्शन की जानकारी भी सामने आ गई है.

रिपोर्ट के मुताबिक, नानी और मृणाल ठाकुर की फिल्म हाय नन्ना ने पहले दिन 7 करोड़ करोड़ रुपये का शानदार कलेक्शन कर लिया है. वैसे ये अभी अर्ली एस्टीमेट है. रियल

डेटा सामने के बाद कमाई में और भी ज्यादा इजाफा देखने को मिल सकता है.

हाय नन्ना एक पिता और उसकी 6 साल की बेटी की भावुक कहानी है. कई यूजर्स ने सोशल मीडिया पर फिल्म का रिव्यू करते हुए बताया कि ये फिल्म आंखें नम कर देती है. इसमें फिल्म में नानी और मृणाल ठाकुर के अलावा श्रुति हासन ने लीड किरदार निभाया है. लोग इस फिल्म जमकर अपना प्यार लुटा रहे हैं. फिल्म की कहानी एक इमोशनल जर्नी पर लेकर जाती है जिसे पर्दे पर बड़ी खूबसूरती के साथ उतारा गया है. फिल्म का म्यूजिक हेशम अब्दुल वहाब ने दिया है.

नानी और मृणाल ठाकुर की फिल्म हाय नन्ना का निर्देशन शौरयुव ने किया है. ये मूवी हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम भाषाओं में रिलीज हुई है. इसके डिजिटल राइट्स भी बिक चुके हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगले साल 2024 की जनवरी के तीसरे हफ्ते में हाय नन्ना ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो जाएगी.

द आर्चीज से नई कहानी, नए चेहरे और नई प्रतिभाएं तराशने में सफल रहीं जोया अख्तर

शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान ने फिल्म द आर्चीज से अभिनय जगत में पदार्पण कर लिया है।न सिर्फ सुहाना, बल्कि दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी और निर्माता बोनी कपूर की छोटी बेटी खुशी कपूर की भी सिनेमा की दुनिया में यह पहली परीक्षा है, वहीं अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा ने भी इससे बॉलीवुड में अपनी बोहनी की है।फिल्म 7 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर आई है तो आइए अब ये भी जान लें कि कैसी है द आर्चीज।इसकी कहानी अमेरिकी कॉमिक्स द आर्चीज से प्रेरित है, जिसे जोया अख्तर ने अपने अंदाज में पर्दे पर परोसा है।आर्ची (अगस्त्य नंदा) और उसके दोस्तों के इर्द–गिर्द बुनी गई इस कहानी का मुख्य आकर्षण है, शहर रिवरडेल का दिल या कह लें इतिहास द ग्रीन पार्क, जिसे तोड़कर कुछ व्यवसायी वहां होटल बनाना चाहते हैं। हालांकि, आर्ची और उसके दोस्त उन्हें ऐसा करने से रोकते हैं।अब क्या होगा इसका भविष्य, यह जानने के लिए आपको फिल्म देखनी होगी।60 के दशक की यह कहानी है साधारण, लेकिन इसे दिखाने का तरीका दिलचस्प है। शुरुआत में फिल्म दिलचस्पी नहीं जगाती, लेकिन जैसे–जैसे यह आगे बढ़ती है, आप इसके किरदारों और कहानी से जुड़ते चले जाते हैं। यह आपको उसी दौर में ले जाती है।यूं तो फिल्म में स्टार किड्स से लेकर हर कलाकार का अभिनय काबिल–ए–तारीफ है, लेकिन वैरोनिका के किरदार में सुहाना और आर्ची बने अगस्त्य सभी में अलग ही चमकते हैं। सुहाना के हाव–भाव और आत्मविश्वास देख लगता है मानों वह भी अपने पिता की तरह सिनेमा के लिए बनी हैं। उनका स्टाइल और स्वैग देखते ही बनता है।उधर अगस्त्य, आर्ची के किरदार में 100 फीसदी खरे उतरते हैं। वह अपने अभिनय के साथ डांस से भी हैरान करते हैं।बेट्टी के रूप में खुशी कपूर भी कुछ कम नहीं हैं। उनकी सादगी और सहजता खूब भाती है, वहीं वेदांग रैना (रेगी मेंटल) अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज कराते हैं। उनके अलावा युवराज मेंडा, अदिति डॉट और मिहिर आहूजा भी अपने–अपने किरदार में छाप छोड़ते हैं।जोया ने लेखक रीमा कागती के साथ मिलकर हर एक किरदार को कहानी के मुताबिक बड़ी सूझ–बूझ से गढ़ा और चुना है। हर कलाकार से उन्होंने उम्दा अभिनय करवाया है।फिल्म देखते हुए एक खुशी महसूस होती है। यह ऐसी नहीं है, जिससे बोर हो जाएं। डांस से लेकर रोमांस, कॉमेडी और प्यार इसमें सबुकछ है। फिल्म में कई ऐसे संवाद हैं, जो दिल को छू लेते हैं।कुल मिलाकर जोया ने कॉमिक्स की एक शानदार दुनिया रची है।

फिल्म में कुछ कमियां हैं, जो न होतीं तो शायद ये और बेहतर होती। जैसे अंग्रेजी संवाद और किरदारों के नाम अंग्रेजी में होना।1960 के दौर का परिवेश, जीवन शैली, खान पान और सलीके पर जोया ने बहुत बारीकी से काम किया है। पर्यावरण का मुद्दा भी सही चुना, लेकिन वह इसकी गहराई में जाने से चूक गईं। लगता है जैसे बड़ी जल्बदाजी में उन्होंने यह निपटा दिया।कहानी मुद्दे पर आने में भी थोड़ा वक्त लेती है।2 घंटे 23 मिनट की द आर्चीज में संगीत शंकर एहसान लॉय का है, जो अच्छा है। सुनो, से लेकर वा वा वूम फिल्म के गाने थिरकने पर मजबूर करते हैं। बॉस?को सीजर और गणेश हेगड़े की कोरियोग्राफी ने दृश्यों को और दमदार बना दिया। क्यों देखें– डिजिटल के इस दौर में हम इंटरनेट के इर्द–गिर्द इतने सिमट गए हैं कि किताबें पढने का शौक दम तोड़ रहा है। किताबों की क्या अहमियत है, यह जानने के लिए आपको फिल्म देखनी चाहिए, वहीं अगर युवा शक्ति पर विश्वास है और लगता है कि युवा समाज में बदलाव ला सकते हैं तो भी यह फिल्म आपके लिए है।

बाक्स आफिस पर एनिमल की सुनामी में भी डटी है सैम बहादुर

विक्की कौशल की फिल्म सैम बहादुर को 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था और यह दर्शकों के बीच अपनी छाप छोडने में कामयाब रही।फिल्म को समीक्षकों के साथ दर्शकों से भी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है, लेकिन टिकट खिड़की पर सैम बहादुर को रणबीर कपूर की एनिमल से भिड़ंत का नुकसान हुआ है।हालांकि, सैम बहादुर मजबूती से बॉक्स ऑफिस पर टिकी हुई है।आइए जानते हैं फिल्म ने छठे दिन कितने करोड़ रुपये कमाए। रिपोर्ट के मुताबिक, सैम बहादुर ने छठे दिन 3.30 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद

इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 35.85 करोड़ रुपये हो गया है।सैम बहादुर ने 6.25 करोड़ रुपये के साथ टिकट खिड़की पर धीमी शुरुआत की थी।वीकेंड पर फिल्म की कमाई में उछाल आया और इसने दूसरे दिन 9 करोड़ रुपये और तीसरे को 10.3 करोड़ रुपये कमाए।फिल्म चौथे दिन 3.5 करोड़ रुपये और पांचवें दिन 3.5 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। सैम बहादुर का निर्देशन मेघना गुलजार ने किया है। राजी के बाद मेघना और विक्की की साथ में यह दूसरी फिल्म है।फिल्म में सान्या मल्होत्रा भी हैं, जो अभिनेता की पत्नी

सिल्लू मानेकशॉ बनी हैं।इसमें फातिमा सना शेख ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाया है।सैम बहादुर की कहानी भारत के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने 1971 के भारत–पाक युद्ध में भारतीय सेना को जीत दिलाई थी।

फिल्म खो गए हम कहां से सामने आई अनन्या पांडे की नई झलक

अनन्या पांडे की फिल्म खो गए हम कहा पिछले कुछ वक्त से चर्चा में है। इसमें सिद्धांत चतुर्वेदी और आदर्श गौरव भी हैं। इन तीनों कलाकारों की तिकड़ी देखने के लिए दर्शक काफी उत्साहित हैं।खो गए हम कहां का प्रीमियर 26 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर होगा।अब फिल्म का नया पोस्टर सामने आया है, जिसमें अनन्या का शानदार अवतार देखने को मिल रहा है।इसी के साथ अनन्या ने बताया कि उनकी इस फिल्म का ट्रेलर कब आएगा। अनन्या ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर खो गए हम कहां का नया पोस्टर साझा किया है। इसके साथ उन्होंने लिखा, शीशा या दीवार पर लगा शीशा, इनमें से सबसे अधिक पसंद कौन है? अहाना।इसके साथ अनन्या ने खुलासा किया कि खो गए हम कहां का ट्रेलर 3 दिन बाद यानी 10 दिसंबर को आएगा।खो गए हम कहां के जरिए अर्जुन वरन सिंह ने निर्देशन की दुनिया में कदम रखा है।कल्कि कोचलिन भी फिल्म का हिस्सा हैं।

राची शर्मा ने अपने ड्रीम प्रपोजल के बारे में किया खुलासा

टीवी शो कुमकुम भाग्य की फेम एक्ट्रेस राची शर्मा ने शेयर किया कि वह रील लाइफ की तरह रियल लाइफ में भी अपनी सगाई की प्लानिंग करना चाहती है।
रणबीर (कृष्णा कौल) और प्राची (मुग्धा चाफेकर) के जीवन में एक चौंकाने वाले मोड़ के बाद, कुमकुम भाग्य की पूरी कहानी अपने आप में बदल गई।
शो तेजी से 20 साल आगे बढ़ गया। अब शो की कहानी रणबीर– प्राची की बेटियों पूर्वी (रांची) और खुशी (सिमरन बुध ारूप) के जीवन का अनुसरण करेगी।
शो के बारे में बात करते हुए, राची ने कहारू फिलहाल हम कुमकुम भाग्य में पूर्वी–आशुतोष के सगाई सीक्वेंस की शूटिंग कर रहे हैं और मुझे लगता है कि मेजर सीक्वेंस में से एक का हाइलाइट मेरी ड्रेस और मेरी रिंग है, जो बहुत सुंदर है।

उन्होंने कहा, पूर्वी शो में ड्रेस और अपनी ज्वैलरी के साथ–साथ अपने घर को भी खुद ही चुनती हैं और यकीन मानिए मैं असल जिंदगी में भी अपनी सगाई की प्लानिंग करना चाहती हूं।
राची ने आगे कहा, इससे भी बड़ी बात यह है कि जब मैं बच्ची थी, तब से मैंने अपने ड्रीम प्रपोजल के बारे में सोचा हुआ है और मैं चाहती हूं कि मेरा पार्टनर मेरी रिंग और मेरी ड्रेस भी चुने। मैं चाहती हूं कि वह मेरे साथ मिलकर हर चीज की प्लानिंग करें, और जहां रील लाइफ में मेरा यह सपना पूरा हो गया है, तो मुझे उम्मीद है कि रियल लाइफ में भी यह सपना पूरा होगा।कुमकुम भाग्य जी टीवी पर प्रसारित होता है।

डीप नेक ड्रेस में जान्हवी कपूर ने शेयर कीं अबतक की सबसे बोल्ड तस्वीरें, तस्वीरें देख फैंस हुए बेहाल

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने एक बार फिर अपनी बेहद बोल्ड तस्वीरें अधिकारिक इंस्टा अकाउंट पर पोस्ट की हैं. जान्हवी कपूर बॉलीवुड का एक जाना–पहचाना नाम बन चुकी हैं. जान्हवी कपूर अपने चार्मिंग और बोल्ड लुक के लिए भी फैंस के बीच काफी पॉपुलर हैं. सोशल मीडिया पर अक्सर जान्हवी अपनी तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करती हैं और हाल ही में उन्होंने कुछ ऐसी तस्वीरें पोस्ट की हैं जिनमें एक्ट्रेस बेहद हॉट नजर आ रही हैं. चमचमाती हुई वनपीस ड्रेस में जान्हवी का किलर लुक देख फैंस भी हैरान हैं. जान्हवी की यह ड्रेस काफी डीपनेक भी है इसलिए उनका लुक काफी बोल्ड नजर आ रहा है. तस्वीरों में जान्हवी कपूर की बोल्डनेस देखकर फैंस कमेंट बॉक्स में अलग अलग तरह से एक्ट्रेस की तारीफ कर रहे हैं. तस्वीरों को पोस्ट कर जान्हवी कपूर ने कैप्शन में लिखा है– चलते–फिरते डिनर. तस्वीरें पर यूजर्स ने कई कमेंट किए हैं. किसी ने लिखा खूबसूरत तो किसी ने स्टंड अगेन. एक यूजर ने लिखा आप बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस हैं.

24 साल की उम्र में अंजलि अरोड़ा ने खरीदा करोड़ों का घर, कार्तिक आर्यन ने धीमे–धीमे गाने पर किया जबरा डांस

बिग बॉस 13 के घर में कई जोड़ियां बनीं। इनमें से एक थी आसिम रियाज और हिमांशी खुराना की जोड़ी। लोगों को ये जोड़ी काफी पसंद थी और चाहने वाले खूब प्यार भी लुटाते थे। रणबीर कपूर अभिनीत फिल्म एनिमल सोशल मीडिया और बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही है शबिग बॉस 13 के घर में कई जोड़ियां बनीं। इनमें से एक थी आसिम रियाज और हिमांशी खुराना की जोड़ी। लोगों को ये जोड़ी काफी पसंद थी और चाहने वाले खूब प्यार भी लुटाते

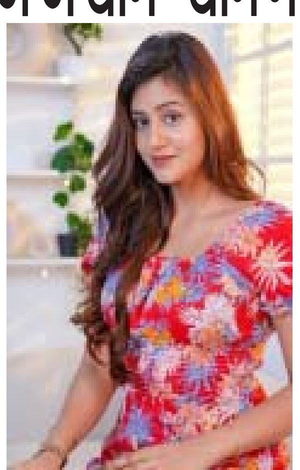

थे। शो खत्म होने के बाद भी दोनों लंबे वक्त से साथ थे, लेकिन हाल में ही दोनों ने अपने ब्रेकअप की घोषणा कर दी है। अब दोनों हमेशा–हमेशा के लिए अलग हो गए हैं। दोनों का रिश्ता अब टूट गया है। इसके ऐलान के साथ ही दोनों के फैंस का ी दिल टूट गया है। हिमांशी ने इसकी आधिकारिक घोषणा अपने ट्विटर हैंडल पर की है। रणबीर कपूर अभिनीत फिल्म एनिमल सोशल मीडिया और बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही है, लेकिन फिल्म में दिखाई गई अत्यधिक हिंसा दर्शकों के एक वर्ग को रास नहीं आ रही है। इसी मुद्दे को संसद में उठाते हुए कांग्रेस की राज्यसभा सांसद रंजीत रंजन ने गुरुवार को कहा कि ऐसी थीम वाली फिल्में समाज में हिंसा और स्त्रीद्वेष को बढ़ावा देती हैं। ब्लॉकबस्टर अर्जन वैली गीत, जो रिलीज होने के बाद से चार्ट में शीर्ष पर है, के बारे में बोलते हुए, राज्यसभा सदस्य ने कहा कि गैंगवार के पृष्ठभूमि गीत में अर्जन वैली के इतिहास को चित्रित करना शर्मनाक है।

भटनी को हरा भाटपाररानी बना नमो कबड्डी विजेता

ब्यूरो

देवरिया (उ0प्र0) देवरिया जिले मे भाजपा किसान मोर्चा आयोजित किये गये तीन दिवसीय नमो कबड्डी प्रतियोगिता में भाटपाररानी ने भटनी को हरा जीता। इसके पूर्व पहला सेमीफाइनल मैच रुद्रपुर और भटनी के बीच खेला गया।जिसका शुभारंभ भाजपा जिलाप्रभारी संतराज यादव,पूर्व एमएलसी महेन्द्र यादव ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया।इसमें भटनी ने रुद्रपुर को 34—24 से हराया।दूसरे सेमीफाइनल मैच भाटपाररानी और गौरीबाजार का शुरुआत विधायक सभाकुअर कुशवाहा और चेयरमैन बैतालपुर सरिता पासवान ने किया।इसमें भाटपार ने गौरीबाजार को 42—12 से हराया। नमो कबड्डी प्रतियोगिता का फाइनल भाटपाररानी और भटनी के बीच खेला गया।जिसमें भाटपाररानी ने भटनी को 38—15 अंक से शिकस्त दिया और विजेता बनी।इस मैच का शुभारंभ तथा पुरस्कार वितरण किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह,भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह,पूर्वजिलाध्यक्ष अंतर्यामी सिंह,प्रधानाचार्य जीआईसी पी.के. शर्मा,विशम्भर मिश्रा ने किया।इस दौरान किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह ने कहा कि भाजपा ही एक ऐसा दल देश मे है जो समाज मे रचनात्मक कार्यक्रम करती है।इसलिये कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किसान मोर्चा पूरे प्रदेश में कर रहा है।भाजपा की केन्द्र और प्रदेश सरकार खेल और खिलाड़ियों के लिये बहुत काम कर रही है।कबड्डी गांव से जुड़ा हुआ प्राचीन खेल है।भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि इस प्रतियोगिता के विजेता टीम को

इस महीने के अंत मे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ में सम्मानित करेंगे। पूर्वजिलाध्यक्ष अन्तर्यामी सिंह ने प्रतियोगिता में भाग लेनी वाली सभी टीमो को शुभकामनाएं दिया। किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष पवन कुमार मिश्रा ने सभी अतिथियों,टीमो के खिलाड़ियों और निर्णायक मंडल के सदस्यों के प्रति आभार ज्ञापित किया। इस दौरान कृष्णानाथ राय,श्रीनिवास मणि,अरविंद पाण्डेय,अम्बिकेश पाण्डेय,राधेश्याम शुक्ला,भगवान यादव,सुमंत चतुर्वेदी,मुकेश राय,अभिषेक राय,सत्यप्रकाश पाण्डेय,रत्नेश्वर गर्ग,अरुण मिश्रा,विनय राव,अमित सिंह,कुंवर राय आदि रहें। विजेता और उप विजेता टीम के खिलाड़ियों को ट्राफी,प्रमाण पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया गया।प्रतियोगिता के शुभारंभ में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले जीआईसी के छात्रों को भी मेडल देकर सम्मानित किया गया।

सब्जी उत्पादक किसानों की किस्मत बदल देगी 'सरकार की ये योजना'

–किसानों की खत्म होगी नर्सरी की समस्या, अगेती खेती से मिलेगा बंपर लाभ

संवाददाता

मथुरा । लगातार छोटी हो रहीं जोत, एक ही फसल चक्र से खराब हो रही जमीन की सेहत और फसल उत्पादन पर बढ रही लागत से किसानों के लिए खेती उतनी मुफीद साबित नहीं हो रही है जितनी की होनी चाहिए। इसके लिए सरकार किसानों को वैकल्पिक खेती के लिए प्रेरित कर रही है, जिसमें फूल और सब्जी उत्पादन भी जुड़ा है। जनपद में सब्जी उत्पादक किसानों के लिए सरकार की हाईटेक नर्सरी योजना वरदान साबित हो सकती है। राजकीय उद्यान क्षेत्र अगरयाला विकास खण्ड चौमूहां में हाईटेक नर्सरी पर तेजी से काम चल रहा है। मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना ने निरीक्षण कर आवश्य निर्देश भी दिये। निरीक्षण के समय उनके साथ उपायुक्त श्रम रोजगार विजय पाण्डेय, जिला उद्यान अधिकारी मनोज चतुर्वेदी भी रहे। राजकीय उद्यान क्षेत्र अगरवाला में मनरेगा योजनान्तर्गत धनराशि 13673000 रुपये की लागत से कार्यदायी संस्था सवीर बायोटेक द्वारा हाईटेक नर्सरी का निर्माण किया जा रहा है। हाइटेक नर्सरी निर्माण के उपरान्त इसका संचालन स्वयं सहायता समूह द्वारा उद्यान विभाग के सहयोग से किया जायेगा। इसके लिए स्वंय सहायता समूह हरे कृष्णा अगरयाला का चयन किया गया है। समूह के सदस्यों को हाइटेक नर्सरी के संचालन के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। हाइटेक नर्सरी की स्थापना जनपद के सब्जी उत्पादक कृषकों के लिये वरदान सिद्ध होगी, क्योंकि खेती में सबसे अधिक आय किसानों को सब्जियों की अगेती खेती से ही होती है। किन्तु सब्जियों की अगेती खेती के लिए किसानों को वातावरण अनुकूल न होने के कारण पौध तैयार नहीं कर पाते है। हाईटेक नर्सरी के माध्यम से किसान भाई सब्जियों की अगेती खेती करने में सफल होगे तथा अच्छी आय भी प्राप्त कर सकेंगे। हाइटेक नर्सरी से उत्पादित पौधा स्वस्थ एवं रोग रहित होती है। यदि किसान भाई अपना बीज देकर हाईटेक में पौध तैयार करेंगे तब उन्हें एक रुपये प्रति पौध की दर से भुगतान करना होगा तथा केन्द्र द्वारा क्रय किये गये बीजो से तैयार पौध दो रुपये प्रति पौध की दर से प्राप्त किया जा सकेगा।

पीएम आवास योजना में 29700 परिवारों को मिला अपना घर

–9039 परिवारों का जल्द होगा सपना पूरा

संवाददाता।

मथुरा। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 29700 परिवारों को अपना घर मिल गया है। इन परिवारों की खुश का ठिकाना नहीं है। जल्द ही शेष 9039 परिवारों को भी पक्के मकान की सौगात मिलने जा रही है। जनपद को इस योजना के तहत 38793 आवासों को स्वीकृति मिली थी। डिप्टी कलेक्टर, जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) आदेश कुमार ने अवगत कराया है कि डूडा विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत अवशेष अनारम्भ आवासों का निर्माण कराये जाने हेतु आठ दिसम्बर, से 10 दिसंबर के मध्य भूमि पूजन कार्यक्रम जनपद मथुरा में आयोजित किया जा रहा है। अभियान में नगर निकाय स्तर पर जनप्रतिनिधि अध्यक्ष, सम्बन्धित नगर पंचायत एवं अधिशासी अधिकारी इत्यादि की उपस्थिति में वृहद स्तर पर भूमि पूजन का कार्यक्रम आयोजित कराया जा रहा है। इसके क्रम में आज नगर पंचायत बरसाना में भूमि पूजन का कार्यक्रम किया गया, जिसमें पदम सिंह फौजी चेयरमैन प्रतिनिधि—नगर पंचायत बरसाना, सभासद, अधिशासी अधिकारी एवं डूडा स्टाफ उपस्थित रहा। जनपद में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अन्तर्गत कुल 38739 आवास स्वीकृत हैं, जिसके सापेक्ष 29700 आवास पूर्ण किए चुके है, शेष आवासों पर निर्माण कार्य पूर्ण कराने की कार्यवाही की जा रही है।

28 दिन बाद गांव के ही तालाब में मिला युवती का शव

—घर से नाराज हो कर निकल गई थी युवती, तलाशते रहे परिजन

संवाददाता।

मथुरा। 28 दिन से गायब युवती का शव गांव के ही तालाब में तैरता मिला। युवती का शव मिलने के बाद गांव में सनसनी फैल गई। शव की हालत ठीक नहीं थी मौके पर पहुंचे परिजनों ने कपडों से युवती की पहचान की और मौके पर पुलिस को भी बुला लिया। शेरगढ़ क्षेत्र के गांव पैगांव में लक्ष्मी पुत्री हरिराम नौ नवंबर की दोपहर लगभग तीन बजे गुस्से में घर से निकलकर चली गई थी। उसी दिन से परिजन युवती की खोजबीन में लगे हुए थे लेकिन युवती का कोई सुराग नहीं लगा। सात दिसंबर को शाम करीब पांच बजे सूचना मिली कि गांव के राधा गिरधारी मंदिर के पास में बने तालाब में एक शव पानी पर तेर रहा है, जिसकी सूचना पाकर युवती के परिजन भी पहुंचेग गये। शव को कपड़ों के जरिये युवती लक्ष्मी के रूप मे पहचान लिया और जिसकी सूचना शेरगढ़ पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा भर लिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतिका के पिता हरिराम ने बताया कि नौ दिसंबर को लगभग तीन बजे घर से गुस्से में हाथ में बांक लेकर निकल गई थी, तभी से वह गायब थी। जिसकी गुमशुदगी शेरगढ़ थाने में 10 नवंबर को कराई थी लेकिन तभी से पुलिस और हम खोजबीन में लगे हुए थे। कोई पता नहीं चला लेकिन 28 दिन बीत जाने के बाद शव तैरने की सूचना गांव के तालाब में मिली तो हमने कपड़ों के जरिए अपनी बेटी को पहचान लिया।

खाद्य पदार्थों में मिलावटखोरी पर डीएम सख्त, दिये अभियान चलाने के निर्देश

–डीएम के आदेश के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग में भी बढ़ी हलचल

संवाददाता। मथुरा। खाद्य पदार्थों में मिलावट खोरी पर जिलाधिकारी ने सख्त तेवर दिखाये हैं। डीएम खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को सख्त हिदायत दी है और अभियान चला कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं। जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में कर करेत्तर एवं राजस्व प्रशासन, राजस्व कार्यों, राजस्व वादों, आईजीआरएस, लोकसभा सामान्य निर्वाचन की तैयारियों तथा, खाद्य सुरक्षा, खाद्य एवं रसद विभाग विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक ली। अभियान चलाकर खाद्य पदार्थों के नमूने लिए जाएं और जांच कराई जाये। जिलाधिकारी ने बैठक के दौरान खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों सहित सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य तेलों, मसालों, दूध पनीर, घी, मिठाई आदि के नमूने अभियान चलाकर लिए जाएं। जांच में दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई अमल में लाई जाए। जिलाधिकारी ने निर्धारित लक्ष्य से कम वसूली करने वाले अधिकारियों को चेतावनी दी है कि भविष्य में लक्ष्य के अनुसार शत प्रतिशत वसूली सुनिश्चित की जाए, अन्यथा उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने एडीएम वित्त एव राजस्व योगानंद पांडेय, अपर जिलाधिकारी प्रशासन विजय शंकर दूबे सहित सभी एसडीएम और तहसीलदारों के साथ राजस्व वसूली एवं कर करेत्तर की मासिक समीक्षा की। प्रत्येक दशा में शत प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। तहसील दिवसों में प्राप्त शिकायतों को प्रत्येक दशा में निर्धारित अवधि में गुणवत्ता परक निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) के माध्यम से ऑनलाइन प्राप्त होने वाली शिकायतों की भी जिलाधिकारी ने समीक्षा की। वहीं, जिलाधिकारी कार्यालय से भेजी गई तहसील दिवसों से प्राप्त एवं मंडलायुक्त के स्तर से प्राप्त होने वाली सभी शिकायतें का निस्तारण ससमय किया जाए। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकायों के अधिकारी यह भी सुनिश्चित करें कि उनके नगर क्षेत्र में प्रमुख मार्गों पर अतिक्रमण नहीं होना चाहिए।

खुलासा: नसरीपुरम में ज्वैलर्स के यहां हुई लूट में तीन गिरफ्तार

–पुलिस ने लूट का खुलासा करते हुए लूट का माल भी किया बरामद

संवाददाता। मथुरा। पुलिस ने 21 नवम्बर को सदर बाजार क्षेत्र की नरसीपुरम कॉलोनी में ज्वैलर्स के यहां हुई लूट की घटना का खुलासा कर दिया है। इस दौरान बदमाशों ने फायरिंग भी की थी। गन पाइंट पर हुई इस लूट के बाद ज्वैलर्स ने करीब 30 लाख की लूट की बात कही थी। बाद में पुलिस जांच में लूट बहुत कम की निकली। एसएसपी ने घटना के खुलासे के लिए चार टीमों का गठन किया था। थाना सदर बाजार, कोतवाली, सर्विलांस और स्वाट टीम ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए लूट को अंजाम देने वाले तीन आरोपितों को गिरफ्तार

किया है। इनके कब्जे से पुलिस ने लूट का माल भी बरामद कर लिया है। बदमाश दुकान में घुसकर शटर डालकर दुकानदार पर तमंचा तानकर दुकान की तिजोरी में रखे सोने व चांदी के आभूषण बैग में भरकर ले गये थे। पुलिस ने इनके कब्जे से लूटे गये सोने व चांदी के जेवरात के अलावा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, दो तमंचा, तीन जिंदा कारतूस भी बरामद किये हैं। प्रभारी निरीक्षक थाना सदर बाजार छोटेलाल के मुताबिक कार्तिक पटेल उर्फ पपला गुर्जर पुत्र राजवीर पटेल निवासी आजमपुर थाना रिफाइनरी जनपद मथुरा, अरविन्द पुत्र धर्मपाल निवासी ग्राम अवैरनी थाना बल्देव हाल किरायेदार पुष्पांजली द्वारिका थाना रिफाइनरी जनपद मथुरा तथा सौरभ चौधरी पुत्र विनोद कुमार निवासी नगला भरऊ थाना राया जनपद मथुरा को सिंचाई विभाग की खाली जमीन कच्चा रास्ता औरंगाबाद से गिरफ्तार किया गया। फरार चल रहे अभियुक्त दिनेश पुत्र भूरी सिंह निवासी रदोई थाना बल्देव जनपद मथुरा की तलाश जारी है।

गोगामेडी की हत्या के विरोध में कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन

–राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन, आरोपितों के लिए की फांसी की मांग

संवाददाता।

मथुरा। जयपुर में हुई सुखदेव गोगामेड़ी की हत्या के बाद क्षत्रिय समाज में आक्रोश है। क्षत्रिय समाज लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहा है। शुक्रवार को क्षत्रिय समाज के विभिन्न संगठनों ने एक मंच पर आकर कलेक्ट्रेट पर शक्ति प्रदर्शन किया और राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। गुरुवार को जगह जगह पुतला दहन किया गया था। सुबह क्षत्रिय समाज के लोग कलेक्ट्रेट पहुंचे और नारेबाजी करते हुए गोगामेड़ी की हत्या पर आक्रोष जाहिर किया। इस दौरान क्षत्रिय समाज के विभिन्न संगठनों ने एकजुटता का परिचय दिया और एक आरोपितों को गिरफ्तार करने के साथ ही इस घटना के पीछे जिन लोगों का हाथ है उन्हें भी बेनकाब करने की मांग की। पीड़ित परिवार को सुरक्षा और पांच करोड़ के मुआवजे की भी बात कही।

विधायक ठाकुर मेघश्याम सिंह ने कहा कि जयपुर में पांच दिसंबर को हमारे समाज के नेता गोगामेड़ी की हत्या कर दी गई। मथुरा जनपद के सभी क्षत्रिय समाज ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया है। दोषियों को जल्द से जल्द पकड़ कर उनको फांसी की सजा दी जाए और इसके पीछे किसका हाथ है इस बात का भी खुलासा किया जाए। यह कांग्रेस सरकार की घोर लापरवाही थी। पंजाब सरकार ने इनपुट राजस्थान सरकार को दे दिया था कि इन की हत्या हो सकती है। हमें तो यह लगता है कि इसमें गहलोत सरकार का भी कुछ न कुछ सहयोग रहा है। गोरक्षक अभिषेक ठाकुर ने कहाकि इस तरीके से खुले आम राजस्थान में कांग्रेस सरकार के दौरान जंगल राज रहा। अभी यहां भाजपा की सरकार आई है।

गोगामेडी सबसे पहले गो रक्षक थे, जितने भी गो रक्षक हैं उन्हें सुरक्षा मुहैया कराई जाए। गोगामेडी के हत्यारों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाये। इस दौरान कुंवर नरेन्द्र सिंह, पूर्व विधायक कुशल पाल सिंह, मुकेश सिकरवार, प्रवीन ठाकुर, करण ठाकुर आदि मौजूद रहे।

उम्मीद: 28 साल से है भाई की तलाश, अब कंकाल के लिए रजवाह खोदा गया

–मथुरा के गांव पिरसुआ में 28 साल पहले हो गया था 11 साल के बच्चे का अपहरण

संवाददाता मथुरा। 28 साल बाद भी छोटे भाई की तलाश में बडा भाई अधिकारियों के दर पर दरदर दस्तक दे रहा है। पुलिस मामले में फाइनल रिपोर्ट लगा चुकी है। मथुरा के राया में 28 वर्ष पूर्व 11 वर्षीय बालक की अपहरण के बाद हत्या के मामले में पुलिस ने गुरुवार दोपहर तीन बजे रजबहे की खुदाई कराई। हालांकि खुदाई में कोई अवशेष नहीं मिला। इतना ही नहीं पुलिस वर्ष 2000 में एक लडके को बरामद कर लाई थी लेकिन परिजनों ने उसे अपना मानने से इनकार कर दिया था, इसके बाद पुलिस ने अंतिम रिपोर्ट लगा दी थी। इसके बाद भी चार पांच बार और जांच कराई गई। इसी भाग दौड में पिता स्व. रोशनलाल की भी मौत हो गई लेकिन भाई ने अपने छोटे भाई की तलाश में भाग दौड जारी रखी। इनमें भी पूर्व जांच के आधार पर क्रम से अंतिम रिपोर्ट लगा दी गई। न्याय न मिलने पर मैंने आईजी आगरा के पास न्याय की गुहार लगाई। अब गांव के पास में बने रहवाह में भाई के कंकाल की तलाश में अधिकारियों की मौजूदगी में जेसीबी से खुदाई कराई गई लेकिन यहां भी निराशा ही हाथ लगी और कोई कंकाल खुदाई में नहीं मिला। थाना राया के गांव नगला पिरसुआ निवासी संतशरण का कहना है कि उसका छोटा भाई राकेश खेलने के लिए अपने घेर में गया था। यहां से गांव के चार लोग उसे अपहरण कर ले गए थे। इस संबंध में थाना राया पर सन् 1996 में चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। अब जांच सीओ सदर प्रवीण मलिक के पास है। कोयल रजबहे पर स्थित संभावित जगह की खोदाई कराई गई है। थाना प्रभारी अजय कुमार ने बताया कि सीओ सदर प्रवीण मलिक, नायब तहसीलदार पंकज यादव की मौजूदगी में जेसीबी से रहबहे की संभावित स्थान की खोदाई कराई गई। हालांकि वहां किसी भी प्रकार के अवशेष नहीं मिले। थाना प्रभारी अजय कुमार ने बताया कि सीओ सदर प्रवीण मलिक, नायब तहसीलदार पंकज यादव की मौजूदगी में जेसीबी से रजवाह के संभावित स्थान की खोदाई कराई गई। हालांकि वहां किसी भी प्रकार के अवशेष नहीं मिले।

ब्लाक प्रमुख ने परिजनों को ढांढस बंधा दी आर्थिक सहायता

बुधवार को सीवर टैंक में गिरने से हुई थी सगे भाइयों की मौत

संवाददातां भरुआ सुमेरपुर । गत बुधवार को सीवर टैंक का ढक्कन टूटने से टैंक में गिरकर जान गवाने वाले सिपाही एवं उसके बड़े भाई के परिजनों को ब्लाक प्रमुख ने घर पहुंचकर बच्चों की पढ़ाई लिखाई के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करके सभी को ढांढस बंधाया और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। गत बुधवार को टेढ़ा गांव निवासी सिपाही लालबहादुर उर्फ कल्लू अपने मकान में बने सीवर टैंक की छत पर खड़ा होकर बड़े भाई रामसेवक उर्फ भूरा से मकान निर्माण की बात कर रहा था तभी सीवर टैंक का ढक्कन टूट जाने से सिपाही टैंक में समा गया था। छोटे भाई को टैंक में गिरता देखकर बड़ा भाई रामसेवक भी टैंक में कूद गया था। दोनों की दम घुटने से मौत हो गई थी। दो सगे भाइयों की मौत की सूचना पाकर ब्लाक प्रमुख जयनारायण सिंह यादव शुक्रवार को मृतकों के घर पहुंचे और परिजनों को ढांढस बंधाते हुए रामसेवक के बच्चों की पढ़ाई एवं परिवरिश के लिए 20 हजार का चेक प्रदान किया। साथ ही परिजनों को भरोसा दिलाया है कि वह हर संभव मदद करेंगे। इस मौके पर क्षेत्र पंचायत सदस्य बच्चू सेंगर, पप्पू महाराज, लालू आदि अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

हाईवे: सड़क किनारे के अतिक्रमणों को हटाने को चलेगा अभियान

– अतिक्रमण को लेकर राजमार्ग प्राधिकरण की टीम ने शुरू की तैयारी

संवाददाता मथुरा। कोसीकलां क्षेत्र में हाईवे किनारे राजमार्ग प्राधिकरण की परिधि में हो रहे अतिक्रमणों को हटवाने के लिए एक बार फिर राजमार्ग प्राधिकरण सक्रिय हो गया है। प्राधिकरण की टीम ने पुलिस— प्रशासन के आला अधिकारियों से मुलाकात कर पूरे मुद्दे पर रिपोर्ट दी और सुरक्षा मांगी। चिन्हांकन एवं नोटिस के बाद अब अभियान को तेजी से चलाने की तैयारी जोर शोर से की जा रही है। जिससे एक बार फिर हाईवे किनारे तोडफोड नजर आ सकती है। कोटवन से लेकर मथुरा तक हाईवे के दोनों ओर होटल ढाबे एवं व्यावसायिक गतिविधि वाले प्रतिष्ठान बने हुए हैं। आरोप है कि इनमें से अधिकतर के पास एनओसी नहीं है। यही नहीं अधिकतर ने हाईवे की जमीन पर अपना अवैध कब्जा कर स्थायी और अस्थायी अतिक्रमण किए हुए हैं। इनमें कई नामी गिरामी प्रतिष्ठान शामिल हैं। जिसको लेकर राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से हाईवे की देखरेख करने वाली संस्थान के घटना प्रमुख नरेंद्र चौधरी को इसके चिन्हांकन का जिम्मा सौंपा गया था। कई महीने पूर्व इस मामले को लेकर वे अतिक्रमणकारियों से पुलिस अधिकारियों की मध्यस्थता के बीच चर्चा कर समय दे चुके थे। उस समय अवधि को खत्म हुए भी महीने हो गए। ऐसे में अब राजमार्ग प्राधिकरण अतिक्रमण को लेकर जीरो टोलरेंस की नीति के तहत अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाने जा रहा है। शुक्रवार को घटना प्रबंधक नरेंद्र चौधरी ने पुनः अतिक्रमणकारियों से अपील जारी कर अपने अपने अतिक्रमण हटाने को कहा है। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण को लेकर कोई रियायत नहीं की जाएगी। इससे सख्ती से निपटा जाएगा। हमने इससे संबंधित सभी आवश्यक कार्रवाई पूरी कर ली है। अगर स्वयं अतिक्रमण हटा लेंगे तो उसमें नुकसान नहीं होगा।

क्रांतिकारी भाई परमानंद की मनाई पुण्यतिथि

भरुआ सुमेरपुर। वर्णिता संस्था के तत्वावधान में क्रांतिकारी के प्रतीक भाई परमानंद की पुण्यतिथि मनाई गई।

संस्था के अध्यक्ष डा भवानीदीन ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा भाई परमानंद सच्चे अर्थों मे तत्कालीन क्रांतिकारियों के प्रेरणास्रोत थे। इनका जन्म पराधीन भारत के पंजाब के जिला झेलम के करियाला गांव में भाई मतिदास के वंश में तारा चन्द्र के घर हुआ था। इन्होंने डीएवी कालेज और पंजाब विश्वविद्यालय से अपनी शिक्षा पूरी की। वह गदर पार्टी के संस्थापक सदस्य थे। भाई परमानंद ने दक्षिणी अफ्रीका, ब्रिटेन और अमरीका की यात्रा की। भारत का इतिहास सहित, मेरी आप बीती,वीर बंदा बैरागी सहित कई पुस्तकें लिखी। भगत सिंह,सुखदेव,बिस्मिल और करतार सिंह जैसे प्रमुख क्रांतिकारियों के प्रेरणास्रोत रहे। इन्हें लाहौर केस में फांसी की सजा मिली। जो आगे चलकर आजीवन कारावास में बदल गई। उन्होंने अंडमान में कालेपानी की सजा भोगी। भारत विभाजन की घोषणा तीन जून 1947 को हुई। इससे वह बहुत आहत हुये और आठ दिसम्बर 1947 को इनकी मृत्यु हो गई।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।